

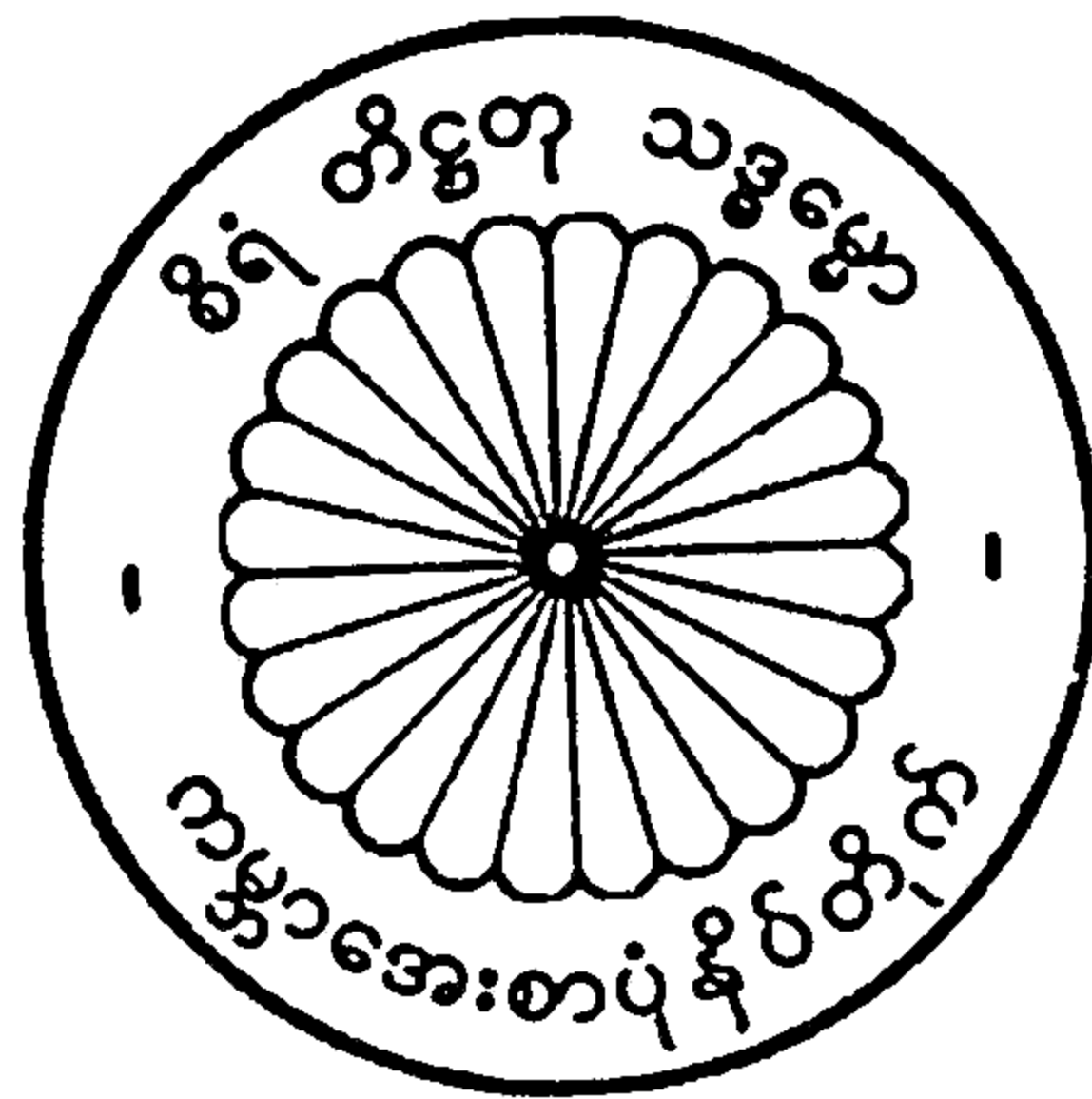
# ဒွေမာတိကာပါဠိ



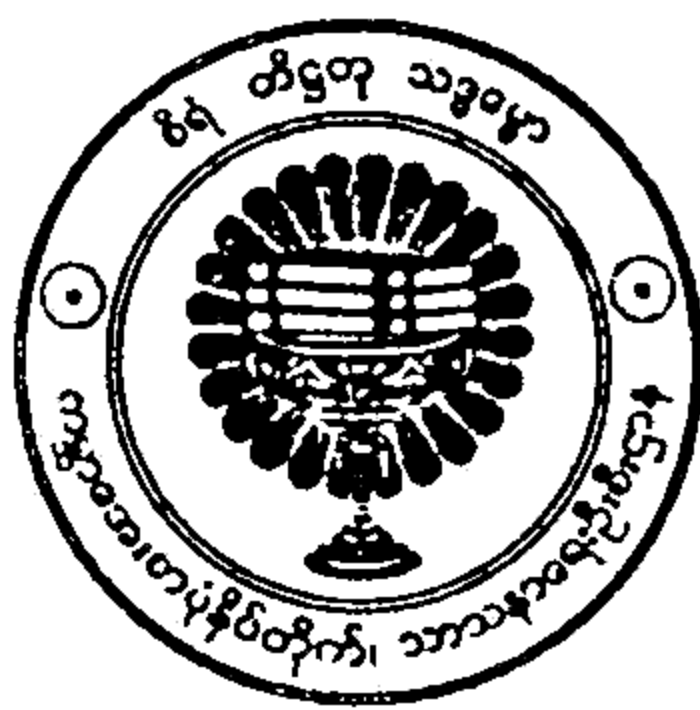
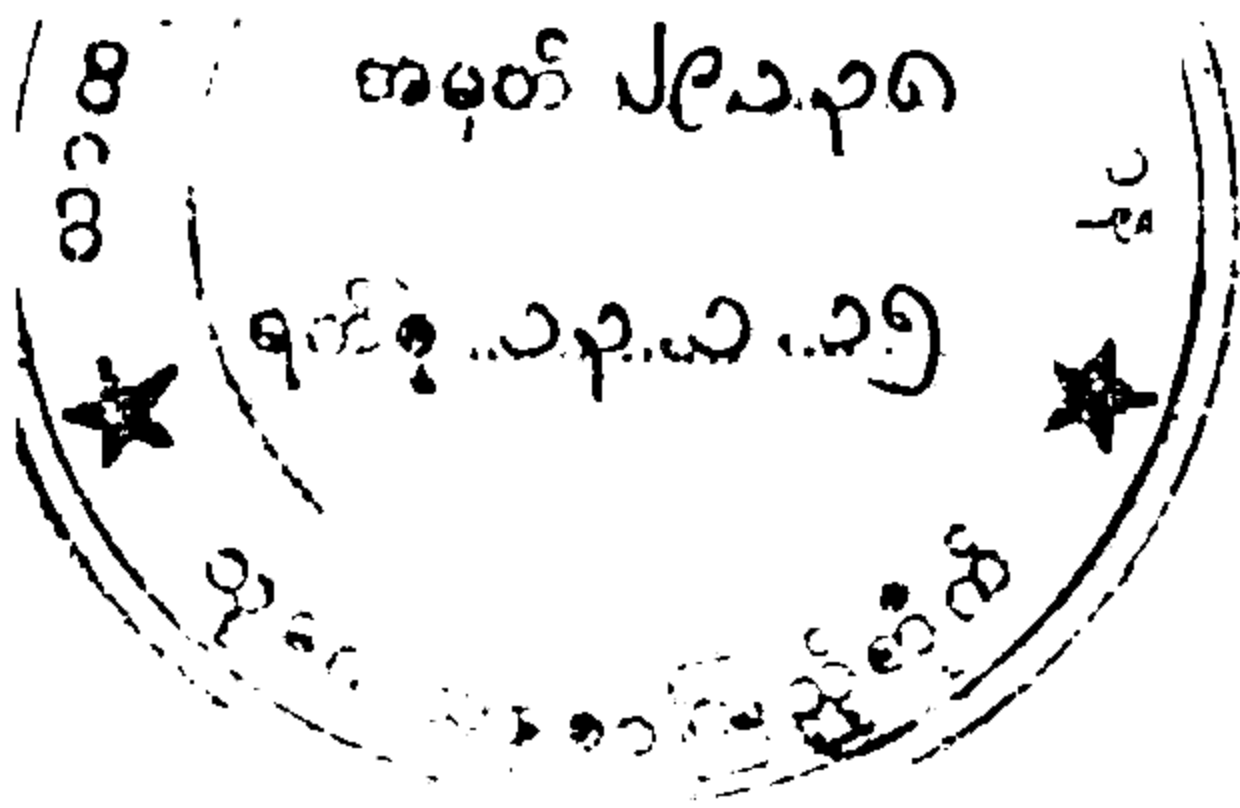
ပြည်ထောင်စုသမ္မတ မြန်မာနိုင်ငံတော်  
သာသနာရေးဝန်ကြီးဌာန၊ သာသနာရေးဦးစီးဌာန  
ကမ္ဘာအေးစာပုံနှိပ်တိုက်၌ ရိုက်နှိပ်သည်။

ဗုဒ္ဓဝသေ - ၂၅၅၇      မရမ္မဝသေ - ၁၃၇၅      ၂၀၁၄

# ဒွေမာတိကာပါဠိ



ပြည်ထောင်စုသမ္မတ မြန်မာနိုင်ငံတော်  
သာသနာရေးဝန်ကြီးဌာန၊ သာသနာရေးဦးစီးဌာန  
ကမ္ဘာအေးစာပုံနှိပ်တိုက်၌ ရိုက်နှိပ်သည်။



ရန်ကုန်မြို့၊ ကမ္ဘာအေး၊ သာသနာရေးဝန်ကြီးဌာန  
သာသနာရေးဦးစီးဌာန၊ ကမ္ဘာအေးစာပုံနှိပ်တိုက်တွင်  
ညွှန်ကြားရေးမှူး ဦးဝင်းထင်အောင်  
မှတ်ပုံတင်အမှတ် (၀၃၈၄၃/၀၂၄၀၅)က  
ပုံနှိပ်ထုတ်ဝေသည်။

# **ဧည့်မာတိကာပါရှိ** **သိက္ခာပါစာမောက္ခပါရှိ**

## မာတိကာ

## ပိုဒ်က

|                  |      |      |      |   |
|------------------|------|------|------|---|
| ပုဗ္ဗကရဏ-၄       | .... | .... | .... | ၁ |
| ပုဗ္ဗကိစ္စ-၅     | .... | .... | .... | ၁ |
| ပတ္တကလ္လအင်္ဂါ-၄ | .... | .... | .... | ၁ |
| နိဒါန            | .... | .... | .... | ၂ |

## ပါရာဇိက

|                           |      |      |      |   |
|---------------------------|------|------|------|---|
| ၁-မေထုနဓမ္မ သိက္ခာပဒ      | .... | .... | .... | ၃ |
| ၂-အဒိန္နာဒါန သိက္ခာပဒ     | .... | .... | .... | ၃ |
| ၃-မနုဿဝိဂ္ဂဟ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | .... | ၃ |
| ၄-ဥတ္တရိမနုဿဓမ္မ သိက္ခာပဒ | .... | .... | .... | ၄ |

## သံဃာဒိသေသ

|                              |      |      |      |   |
|------------------------------|------|------|------|---|
| ၁-သုက္ကဝိဿန္တိ သိက္ခာပဒ      | .... | .... | .... | ၅ |
| ၂-ကာယသံသဂ္ဂ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | .... | ၅ |
| ၃-ဒုဋ္ဌုလ္လဝါစာ သိက္ခာပဒ.... | .... | .... | .... | ၅ |
| ၄-အတ္တကာပပါရိစရိယ သိက္ခာပဒ   | .... | .... | .... | ၅ |
| ၅-သဉ္ဇရိတ္တ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | .... | ၆ |
| ၆-ကုဋ်ကာရ သိက္ခာပဒ           | .... | .... | .... | ၆ |
| ၇-ဝိဟာရကာရ သိက္ခာပဒ          | .... | .... | .... | ၆ |
| ၈-ဒုဋ္ဌဒေါသ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | .... | ၇ |

(ခ)

ဘိက္ခုနီတရားမဟာပရိနိဗ္ဗာန်

မာတိကာ

ပိုဒ်

|                         |      |      |   |
|-------------------------|------|------|---|
| ၉-အညဘာဂိယ သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၇ |
| ၁၀-သံဃဘေဒက သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၇ |
| ၁၁-ဘေဒါနဝတ္ထက သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၈ |
| ၁၂-ဒုဗ္ဗေသ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၉ |
| ၁၃-ကုလဒုသက သိက္ခာပဒ.... | .... | .... | ၉ |

အနိယတ

|                        |      |      |    |
|------------------------|------|------|----|
| ၁-ပဌမ အနိယတ သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၁၁ |
| ၂-ဒုတိယ အနိယတ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၂ |

နိဿဂ္ဂိယပါစိတ္တိယ

ကထိနဝဂ္ဂ

|                             |      |      |    |
|-----------------------------|------|------|----|
| ၁-ကထိန သိက္ခာပဒ             | .... | .... | ၁၃ |
| ၂-ဥဒေါသိတ သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၁၃ |
| ၃-အကာလစိဝရ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၃ |
| ၄-ပုရာဏစိဝရ သိက္ခာပဒ....    | .... | .... | ၁၄ |
| ၅-စိဝရပုဋိဂ္ဂဟဏ သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၁၄ |
| ၆-အညာတကပိညတ္တိ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၁၄ |
| ၇-တတုတ္တရိ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၄ |
| ၈-ပဌမ ဥပက္ခန္ဓ သိက္ခာပဒ.... | .... | .... | ၁၄ |
| ၉-ဒုတိယ ဥပက္ခန္ဓ သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၁၅ |
| ၁၀-ရာဇ သိက္ခာပဒ             | .... | .... | ၁၅ |

ကောသိယဝဂ္ဂ

|                             |      |      |    |
|-----------------------------|------|------|----|
| ၁၁-ကောသိယ သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၁၇ |
| ၁၂-သုဒ္ဓကဝဂ္ဂက သိက္ခာပဒ.... | .... | .... | ၁၇ |

# ဘိက္ခုပါတိဓမ္မာက္ခယပါဠိ

(၈)

## မာတိကာ

## ပိဋက

|                            |      |      |    |
|----------------------------|------|------|----|
| ၁၃-ဒေသာဘဂ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၇ |
| ၁၄-ဆဗ္ဗဿ သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၁၇ |
| ၁၅-နိသိဒနသန္တတ သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၁၈ |
| ၁၆-ဋေကလောမ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၁၈ |
| ၁၇-ဋေကလောမဓောဝါပန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၈ |
| ၁၈-ဓူပယ သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၁၈ |
| ၁၉-ဓူပိယသံဝေါဟာရ သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၁၈ |
| ၂၀-ကယဝိက္ကယ သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၁၉ |

## ပတ္တဝဂ္ဂ

|                          |      |      |    |
|--------------------------|------|------|----|
| ၂၀-ပတ္တ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၉ |
| ၂၁-ဥိနပဉ္စဗန္ဓန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၉ |
| ၂၂-ဘေသဇ္ဇ သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၁၉ |
| ၂၄-ဝဿိကသာဠိက သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၂၀ |
| ၂၅-စိဝရအစိုန္တန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၂၀ |
| ၂၆-သုတ္တဝိညတ္တိ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၂၀ |
| ၂၇-မဟာပေသကာရ သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၂၀ |
| ၂၈-အစွေကစိဝရ သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၂၁ |
| ၂၉-သာသကံ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၂၁ |
| ၃၀-ပရိဏာတ သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၂၁ |

## သုဒ္ဓပါစိတ္တိယ

## မုသဝါဒဝဂ္ဂ

|                   |      |      |    |
|-------------------|------|------|----|
| ၁-မုသဝါဒ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၂၂ |
| ၂-ဩမသဝါဒ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၂၂ |

(ဆ)

ဘိက္ခုပါတိမောက္ခပါဠိ

မာတိကာ

ပိဋကံ

|                          |      |      |    |
|--------------------------|------|------|----|
| ၃-ပေသုည သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၂၂ |
| ၄-ဇဒ္ဓိသောဓမ္မ သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၂၂ |
| ၅-ပဌမ သဟဿေယျ သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၂၃ |
| ၆-ဒုတိယ သဟဿေယျ သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၂၃ |
| ၇-ဓမ္မဒေသနာ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၂၃ |
| ၈-ဘူတာရောစန သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၂၃ |
| ၉-ဒုဠုလ္လာရောစန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၂၃ |
| ၁၀-ပထဝီဇဏန သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၂၃ |

ဘူတဂါမဝဂ္ဂ

|                          |      |      |    |
|--------------------------|------|------|----|
| ၁၁-ဘူတမဂါ သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၂၄ |
| ၁၂-အညဝါဒက သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၂၄ |
| ၁၃-ဥဇ္ဈာပနက သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၂၄ |
| ၁၄-ပဌမ သေနာသန သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၂၄ |
| ၁၅-ဒုတိယ သေနာသန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၂၄ |
| ၁၆-အနုပဓဇ္ဇ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၂၄ |
| ၁၇-နိက္ကမ္ပန သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၂၅ |
| ၁၈-ဝေဟာသကုဋိ သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၂၅ |
| ၁၉-မဟလ္လကဝိဟာရ သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၂၅ |
| ၂၀-သပ္ပါဏက သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၂၅ |

ဩဝါဒဝဂ္ဂ

|                         |      |      |    |
|-------------------------|------|------|----|
| ၂၁-ဩဝါဒ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၂၆ |
| ၂၂-အတ္ထဂံတ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၂၆ |
| ၂၃-ဘိက္ခုနုပဿယ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၂၆ |

# ဘိက္ခုပါဟိမောက္ခပါဠိ

(င)

မာတိကာ

ပိုဒ်ကံ

|                        |      |      |      |
|------------------------|------|------|------|
| ၂၄-အာမိသ သိက္ခာပဒ      | .... | .... | .... |
| ၂၅-စီဝရဒါန သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၂၈   |
| ၂၆-စီဝရသိဗ္ဗန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၂၆   |
| ၂၇-သံဝိဓာန သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၂၇   |
| ၂၈-နာဝါဘိရဟန သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၂၇   |
| ၂၉-ပရိပါစိတ သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၂၇   |
| ၃၀-ရဟောနိသဇ္ဇ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၂၇   |

## ဘောဇနဝဂ္ဂ

|                              |      |      |    |
|------------------------------|------|------|----|
| ၃၁-အာဝသထပိဏ္ဏ သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၂၈ |
| ၃၂-ဂဏဘောဇန သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၂၈ |
| ၃၃-ပရမ္မရဘောဇန သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၂၈ |
| ၃၄-ကာဏမာတု သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၂၈ |
| ၃၅-ပထမ ပဝါရဏာ သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၂၉ |
| ၃၆-ဒုတိယ ပဝါရဏာ သိက္ခာပဒ.... | .... | .... | ၂၉ |
| ၃၇-ဝိကာလဘောဇန သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၂၉ |
| ၃၈-သန္တိဓိကာရက သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၂၉ |
| ၃၉-ပဏိတဘောဇန သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၂၉ |
| ၄၀-ဒန္တပေါန သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၃၀ |

## အစေလကဝဂ္ဂ

|                           |      |      |    |
|---------------------------|------|------|----|
| ၄၁-အစေလက သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၃၀ |
| ၄၂-ဥယျာဇန သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၃၀ |
| ၄၃-သဘောဇန သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၃၀ |
| ၄၄-ရကောပဋိစ္ဆန္တ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၃၀ |

(စ)

ဘိက္ခုပါတိမောက္ခပါဠိ

မာတိကာ

ပိဋကံ

|                         |      |      |      |    |
|-------------------------|------|------|------|----|
| ၄၅-ရဟောနိသဇ္ဇ သိက္ခာပဒ  | .... | .... | .... | ၃၁ |
| ၄၆-စာရိတ္တ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | .... | ၃၁ |
| ၄၇-မဟာနာမ သိက္ခာပဒ      | .... | .... | .... | ၃၁ |
| ၄၈-ဥယျုတ္တသေနာ သိက္ခာပဒ | .... | .... | .... | ၃၁ |
| ၄၉-သေနာဝါသ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | .... | ၃၂ |
| ၅၀-ဥယျောဓိက သိက္ခာပဒ    | .... | .... | .... | ၃၂ |

သုရာပါနဝဂ္ဂ

|                                |      |      |      |    |
|--------------------------------|------|------|------|----|
| ၅၁-သုရာပါန သိက္ခာပဒ....        | .... | .... | .... | ၃၂ |
| ၅၂-အင်္ဂုလိပတောဒက သိက္ခာပဒ.... | .... | .... | .... | ၃၂ |
| ၅၃-ဟသဓမ္မ သိက္ခာပဒ             | .... | .... | .... | ၃၂ |
| ၅၄-အနာဒရိယ သိက္ခာပဒ            | .... | .... | .... | ၃၂ |
| ၅၅-ဘိသုပန သိက္ခာပဒ             | .... | .... | .... | ၃၃ |
| ၅၆-ဇောတိ သိက္ခာပဒ              | .... | .... | .... | ၃၃ |
| ၅၇-နဟာန သိက္ခာပဒ               | .... | .... | .... | ၃၃ |
| ၅၈-ဒဗ္ဗဏ္ဏကရဏ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | .... | ၃၃ |
| ၅၉-ဝိကပ္ပန သိက္ခာပဒ            | .... | .... | .... | ၃၄ |
| ၆၀-အပနိဓာန သိက္ခာပဒ            | .... | .... | .... | ၃၄ |

သပ္ပါဏကဝဂ္ဂ

|                        |      |      |      |    |
|------------------------|------|------|------|----|
| ၆၁-သဉ္စိစ္စ သိက္ခာပဒ   | .... | .... | .... | ၃၄ |
| ၆၂-သပ္ပါဏက သိက္ခာပဒ    | .... | .... | .... | ၃၄ |
| ၆၃-ဥက္ခောဋ္ဌန သိက္ခာပဒ | .... | .... | .... | ၃၄ |
| ၆၄-ဒုဋ္ဌုလ္လ သိက္ခာပဒ  | .... | .... | .... | ၃၅ |
| ၆၅-ဥနိဝိသပိဝဿ သိက္ခာပဒ | .... | .... | .... | ၃၅ |

# ဘိက္ခုပါထိမောက္ခပါဠိ

( ဆ )

## မာဏိကာ

ပိဋက

|                             |      |      |    |
|-----------------------------|------|------|----|
| ၆၆-ထေယျသတ္တ သိက္ခာပဒ....    | .... | .... | ၃၅ |
| ၆၇-သံဝိဇာန သိက္ခာပဒ....     | .... | .... | ၃၅ |
| ၆၈-အရိဋ္ဌ သိက္ခာပဒ ....     | .... | .... | ၃၅ |
| ၆၉-ဥက္ခိတ္တသမ္ဘောဂ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၃၆ |
| ၇၀-ကဏ္ဍက သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၃၆ |

## သဟဓမ္မိကဝဂ္ဂ

|                              |      |      |    |
|------------------------------|------|------|----|
| ၇၁-သဟဓမ္မိက သိက္ခာပဒ....     | .... | .... | ၃၇ |
| ၇၂-ဝိလေခန သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၃၇ |
| ၇၃-မောဟန သိက္ခာပဒ            | .... | .... | ၃၈ |
| ၇၄-ပဟာရ သိက္ခာပဒ             | .... | .... | ၃၈ |
| ၇၅-တလသတ္တိက သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၃၈ |
| ၇၆-အမူလက သိက္ခာပဒ....        | .... | .... | ၃၈ |
| ၇၇-သဉ္စိစ္စ သိက္ခာပဒ ....    | .... | .... | ၃၉ |
| ၇၈-ဥပဿုတိ သိက္ခာပဒ....       | .... | .... | ၃၉ |
| ၇၉-ကမ္မပ္ပုဋ္ဌိဗာဟန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၃၉ |
| ၈၀-ဆန္ဒအဒတျာဂမန သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၃၉ |
| ၈၁-ဒုဗ္ဗလ သိက္ခာပဒ ....      | .... | .... | ၃၉ |
| ၈၂-ပရိဏာမန သိက္ခာပဒ....      | .... | .... | ၄၀ |

## ရတနဝဂ္ဂ

|                             |      |      |    |
|-----------------------------|------|------|----|
| ၈၃-အန္တေပုရ သိက္ခာပဒ....    | .... | .... | ၄၀ |
| ၈၄-ရတန သိက္ခာပဒ ....        | .... | .... | ၄၀ |
| ၈၅-ဝိကာလဂါမပ္ပဝေဿန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၄၀ |
| ၈၆-သုစိဿရ သိက္ခာပဒ....      | .... | .... | ၄၁ |

## မာတိကာ

ပိဋကံ

|                                 |    |
|---------------------------------|----|
| ၈၇-ပဉ္စပိဋ သိက္ခာပဒ ....        | ၄၁ |
| ၈၈-တူလောနဒ္ဒ သိက္ခာပဒ ....      | ၄၁ |
| ၈၉-နိသိဒန သိက္ခာပဒ ....         | ၄၁ |
| ၉၀-ကဏ္ဍပုဋိစ္ဆာဒိ သိက္ခာပဒ .... | ၄၁ |
| ၉၁-ဝဏ္ဏိကသာဠိက သိက္ခာပဒ ....    | ၄၂ |
| ၉၂-နန္ဒ သိက္ခာပဒ ....           | ၄၂ |

## ပါဠိဒေသနီယ

|                                   |    |
|-----------------------------------|----|
| ၁-ပထမ ပါဠိဒေသနီယ သိက္ခာပဒ ....    | ၄၃ |
| ၂-ဒုတိယ ပါဠိဒေသနီယ သိက္ခာပဒ ....  | ၄၃ |
| ၃-တတိယ ပါဠိဒေသနီယ သိက္ခာပဒ ....   | ၄၃ |
| ၄-စတုတ္ထ ပါဠိဒေသနီယ သိက္ခာပဒ .... | ၄၄ |

## သေခိယ

## ပရိမဏ္ဍလဝဂ္ဂ

|                                 |    |
|---------------------------------|----|
| ၁၂-ပရိမဏ္ဍလ သိက္ခာပဒ ....       | ၄၅ |
| ၃၂၄-သုပ္ပဋိစ္ဆန္တ သိက္ခာပဒ .... | ၄၅ |
| ၅၂၆-သုသံဝုတ သိက္ခာပဒ ....       | ၄၅ |
| ၇၂၈-ဩက္ခိတ္တစက္ခ သိက္ခာပဒ ....  | ၄၆ |
| ၉၂၁၀-ဥက္ခိတ္တက သိက္ခာပဒ ....    | ၄၆ |

## ဥဇ္ဇန္တိကဝဂ္ဂ

|                               |    |
|-------------------------------|----|
| ၁၁၂-ဥဇ္ဇန္တိယ သိက္ခာပဒ ....   | ၄၆ |
| ၁၃၂၄-ဥစ္စသဒ္ဒ သိက္ခာပဒ ....   | ၄၇ |
| ၁၅၂၆-ကာယပ္ပစာလက သိက္ခာပဒ .... | ၄၇ |

# ဘိက္ခုပါတိမောက္ခပါဠိ

(ဈ)

မာတိကာ

ပိဋက

|                            |      |      |    |
|----------------------------|------|------|----|
| ၁၇၊၁၈-ဗာဟုပ္ပစာလက သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၄၇ |
| ၁၉၊၂၀-သိသပ္ပစာလက သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၄၇ |

## ခမ္ဘကတဝဂ္ဂ

|                             |      |      |    |
|-----------------------------|------|------|----|
| ၂၁၊၂၂-ခမ္ဘကတ သိက္ခာပဒ       | .... | ---  | ၄၈ |
| ၂၃၊၂၄-ဩဂုဏ္ဍိတ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၄၈ |
| ၂၅-ဥက္ကဋ္ဌိက သိက္ခာပဒ       | ---  | ---  | ၄၈ |
| ၂၆-ပလ္လတ္ထိက သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၄၈ |
| ၂၇-သက္ကစပဋိဂ္ဂဟဏ သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၄၈ |
| ၂၈-ပတ္တသညိပဋိဂ္ဂဟဏ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၄၈ |
| ၂၉-သမသုပကပဋိဂ္ဂဟဏ သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၄၉ |
| ၃၀-သမတိတ္ထိက သိက္ခာပဒ       | .... | ...  | ၄၉ |

## သက္ကစဝဂ္ဂ

|                            |      |      |    |
|----------------------------|------|------|----|
| ၃၁-သက္ကစဘူဉ္ဇန သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၄၉ |
| ၃၂-ပတ္တသညိဘူဉ္ဇန သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၄၉ |
| ၃၃-သပဒါန သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၄၉ |
| ၃၄-သမသုပက သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၅၀ |
| ၃၅-ထူပကတ သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၅၀ |
| ၃၆-ဩဒနပ္ပဋိစ္စာဒန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၅၀ |
| ၃၇-သုပေါဒနဝိညတ္တိ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၅၀ |
| ၃၈-ဥဇ္ဈာနာညိ သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၅၀ |
| ၃၉-ကဗဠ သိက္ခာပဒ            | .... | .... | ၅၀ |
| ၄၀-အာလောပ သိက္ခာပဒ         | ---  | .... | ၅၀ |

မာတိကာ

ပိုက်

## ကဗဠရု

|                           |     |     |    |
|---------------------------|-----|-----|----|
| ၄၀-အနာဟရ သိက္ခာပဒ         | --- | --- | ၅၀ |
| ၄၂-ဘုဉ္ဇမာန သိက္ခာပဒ      | --- | --- | ၅၀ |
| ၄၃-သကဗဠ သိက္ခာပဒ          | --- | --- | ၅၀ |
| ၄၄-ပိဏ္ဍုကွေပက သိက္ခာပဒ   | --- | --- | ၅၀ |
| ၄၅-ကဗဠာဝဇ္ဇေဒက သိက္ခာပဒ   | --- | --- | ၅၀ |
| ၄၆-အဝဂဏ္ဏကဿရက သိက္ခာပဒ    | --- | --- | ၅၀ |
| ၄၇-ဟတ္ထနိဒ္ဒါနက သိက္ခာပဒ  | --- | --- | ၅၀ |
| ၄၈-သိတ္တာဝကဿရက သိက္ခာပဒ   | --- | --- | ၅၂ |
| ၄၉-ငိုဌိနိစ္ဆာရက သိက္ခာပဒ | --- | --- | ၅၂ |
| ၅၀-စပုစပုကာရက သိက္ခာပဒ    | --- | --- | ၅၂ |

## သုဓုသုဓုဝဂ္ဂ

|                          |     |     |    |
|--------------------------|-----|-----|----|
| ၅၁-သုဓုသုဓုကာရက သိက္ခာပဒ | --- | --- | ၅၂ |
| ၅၂-ဟတ္ထနိလ္လေဟက သိက္ခာပဒ | --- | --- | ၅၂ |
| ၅၃-ပတ္တနိလ္လေဟက သိက္ခာပဒ | --- | --- | ၅၂ |
| ၅၄-ဩဇ္ဇနိလ္လေဟက သိက္ခာပဒ | --- | --- | ၅၃ |
| ၅၅-သမိသ သိက္ခာပဒ         | --- | --- | ၅၃ |
| ၅၆-သသိတ္တက သိက္ခာပဒ      | --- | --- | ၅၃ |
| ၅၇-ဆတ္တပါဏိ သိက္ခာပဒ     | --- | --- | ၅၃ |
| ၅၈-ဒဏ္ဍပါဏိ သိက္ခာပဒ     | --- | --- | ၅၃ |
| ၅၉-သတ္တပါဏိ သိက္ခာပဒ     | --- | --- | ၅၃ |
| ၆၀-အာရုဇပါဏိ သိက္ခာပဒ    | --- | --- | ၅၄ |

# ဘိက္ခုပါတိမောက္ခပါဠိ

(၆)

ဟာတိတာ

ပိဋက

ပါရကဓဂ္ဂ

|                         |      |      |    |
|-------------------------|------|------|----|
| ၆၁-ပါရက သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၅၄ |
| ၆၂-ဥပါဟန သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၅၄ |
| ၆၃-ယာန သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၅၄ |
| ၆၄-ဆယန သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၅၄ |
| ၆၅-ပလ္လတ္တိက သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၅၄ |
| ၆၆-ဝေဌိတ သိက္ခာပဒ       | ...  | .... | ၅၅ |
| ၆၇-ဩဂုဏ္ဍိတ သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၅၅ |
| ၆၈-ဆမာ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၅၅ |
| ၆၉-နိစာသန သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၅၅ |
| ၇၀-ဌိတ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၅၅ |
| ၇၁-ပစ္ဆတောဗ္ဗန သိက္ခာပဒ | .... | ...  | ၅၅ |
| ၇၂-ဥပ္ပဓေသန သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၅၆ |
| ၇၃-ဌိတောဥစ္စာရ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၅၆ |
| ၇၄-ဟရိတေဥစ္စာရ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၅၆ |
| ၇၅-ဥဒကေဥစ္စာရ သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၅၆ |
| အဓိကရဏသမထ               |      |      |    |
| အဓိကရဏသမထ               | ---  | .... | ၅၇ |

# သိက္ခာနိ ပါတိမောက္ခ ပါဠိ

မာတိကာ

ပိဋက

|                  |      |      |    |
|------------------|------|------|----|
| ပုဗ္ဗကရုဏ-၄      | .... | .... | ၅၉ |
| ပုဗ္ဗကိစ္စ-၅     | .... | .... | ၅၉ |
| ပတ္တကလ္လအင်္ဂါ-၄ | .... | .... | ၅၉ |
| နိဒါန            | .... | .... | ၆၀ |

## ပါရာဇိက

|                               |      |      |    |
|-------------------------------|------|------|----|
| ၁-မေထုနဓမ္မ သိက္ခာပဒ          | .... | ---  | ၆၁ |
| ၂-အဒိန္နာဒါန သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၆၁ |
| ၃-မနုဿဝိဂ္ဂဟ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၆၁ |
| ၄-ဥတ္တရိမနုဿဓမ္မ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၆၂ |
| ၅-ဥဗ္ဘဇာဏုမဏ္ဍလိကာ သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၆၂ |
| ၆-ဝဇ္ဇပုဋိစ္ဆာဒိကာ သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၆၂ |
| ၇-ဥက္ခိတ္တာနုဝတ္တိကာ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၆၃ |
| ၈-အဋ္ဌဝဇ္ဇုကာ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၆၃ |

## သံသာဒိသေသ

|                                    |      |      |    |
|------------------------------------|------|------|----|
| ၁-ဥဿယဝါဒိကာ သိက္ခာပဒ               | .... | ---  | ၆၄ |
| ၂-စောရိဝုဋ္ဌာပိကာ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၆၅ |
| ၃-ဧကဂါမန္တရဂမန သိက္ခာပဒ            | .... | .... | ၆၅ |
| ၄-ဥက္ခိတ္တကဩဿာရဏ သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၆၅ |
| ၅-ဘောဇနပဋိဂ္ဂဟဏ ပဌမ သိက္ခာပဒ....   | .... | ---  | ၆၅ |
| ၆-ဘောဇနပဋိဂ္ဂဟဏ ဒုတိယ သိက္ခာပဒ.... | .... | .... | ၆၆ |

# ဘိက္ခုနီပါတိမောက္ခပါဠိ

(၃)

မာတိကာ

ပိဋကံ

|                              |      |      |    |
|------------------------------|------|------|----|
| ၇-သဉ္ဇရိတ္တ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၆၆ |
| ၈-ဒုဋ္ဌဒေါသ သိက္ခာပဒ         | .... | ...  | ၆၆ |
| ၉-အညဘာဂိယ သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၆၆ |
| ၁၀-သိက္ခပစ္စာစိက္ခာ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၆၇ |
| ၁၁-အဓိကရဏကုပိတ သိက္ခာပဒ      | .... | ...  | ၆၈ |
| ၁၂-ပါပသမာစာရ ပဌမ သိက္ခာပဒ    | .... | ---  | ၆၉ |
| ၁၃-ပါပသမာစာရ ဒုတိယ သိက္ခာပဒ  | .... | ---  | ၆၉ |
| ၁၄-သံသတောဒက သိက္ခာပဒ         | .... | ---  | ၇၀ |
| ၁၅-ဘေဒါနုဝတ္တိကာ သိက္ခာပဒ    | ---  | ---  | ၇၁ |
| ၁၆-ဒုဗ္ဗစ သိက္ခာပဒ           | ---  | ---  | ၇၂ |
| ၁၇-ကုလဒုသက သိက္ခာပဒ          | .... | ---  | ၇၃ |

## နိဿဂ္ဂိယပါဠိတ္ထိယ

ပတ္တဝဂ္ဂ

|                               |      |      |    |
|-------------------------------|------|------|----|
| ၁-ပတ္တသန္နိဓယ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၇၄ |
| ၂-အကာလဇီဝရဘာဇန သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၇၅ |
| ၃-စိဝရပရိဝတ္တန သိက္ခာပဒ       | .... | ---  | ၇၅ |
| ၄-အညဝိညာပန သိက္ခာပဒ           | ---  | ---  | ၇၅ |
| ၅-အညစေတောပန သိက္ခာပဒ....      | .... | ---  | ၇၅ |
| ၆-ပဌမ သံသိကစေတောပန သိက္ခာပဒ   | ...  | .... | ၇၅ |
| ၇-ဒုတိယ သံသိကစေတောပန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၇၆ |
| ၈-ပဌမ ဂဏိကစေတောပန သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၇၆ |
| ၉-ဒုတိယ ဂဏိကစေတောပန သိက္ခာပဒ  | ---  | .... | ၇၆ |
| ၁၀-ပုဂ္ဂလိကစေတောပန သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၇၆ |

(၁)

သိက္ခာနိပါတ်မဟာနိပါတ်

မာတိကာ

ပိဋက

စိဝရဏ

|                            |      |      |    |
|----------------------------|------|------|----|
| ၁၁-ဂဗ္ဗပါဝုရဏ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၇၆ |
| ၁၂-လဟုပါဝုရဏ သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၇၇ |
| ၁၃-ကထိန သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၇၇ |
| ၁၄-ဥဒေါသိတ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၇၇ |
| ၁၅-အကာလစိဝရ သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၇၇ |
| ၁၆-အညာတကဝိညတ္တိ သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၇၇ |
| ၁၇-တတုတ္တရိ သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၇၈ |
| ၁၈-ပဌမ ဥပက္ခဋ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၇၈ |
| ၁၉-ဗုဒ္ဓိယ ဥပက္ခဋ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၇၈ |
| ၂၀-ရာဇ သိက္ခာပဒ            | .... | .... | ၇၉ |

ဇာတရူပဝဂ္ဂ

|                           |      |      |    |
|---------------------------|------|------|----|
| ၂၁-ရူပိယ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၈၀ |
| ၂၂-ရူပိယသံဝေါဟာရ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၈၀ |
| ၂၃-ကယဝိက္ခယ သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၈၁ |
| ၂၄-ဦးပဉ္စဗန္ဓန သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၈၁ |
| ၂၅-ဘေသဇ္ဇ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၈၁ |
| ၂၆-မိရအတ္ထိန္ဒန သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၈၂ |
| ၂၇-သုတ္တဝိညတ္တိ သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၈၂ |
| ၂၈-မဟာပေသကာရ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၈၂ |
| ၂၉-အစွေကစိဝရ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၈၂ |
| ၃၀-ပရိဏတ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၈၃ |

သုဒ္ဓပါဝိတ္ထိယ

ထသုဏ္ဍဝဂ္ဂ

|                              |     |     |    |
|------------------------------|-----|-----|----|
| ၁-လဆုဏ သိက္ခာပဒ              | ... | ... | ၈၃ |
| ၂-သမ္ဗာဓလောမ သိက္ခာပဒ        | ... | ... | ၈၃ |
| ၃-တလသဘာတက သိက္ခာပဒ           | ... | ... | ၈၃ |
| ၄-ဇတုမဋ္ဌက သိက္ခာပဒ          | ... | ... | ၈၄ |
| ၅-ဥဒကသုဒ္ဓိက သိက္ခာပဒ        | ... | ... | ၈၄ |
| ၆-ဥပတိဋ္ဌန သိက္ခာပဒ          | ... | ... | ၈၄ |
| ၇-အာမကဓည သိက္ခာပဒ            | ... | ... | ၈၄ |
| ၈-ပဌမ ဥစ္စာရဆဋ္ဌန သိက္ခာပဒ   | ... | ... | ၈၄ |
| ၉-ဒုတိယ ဥစ္စာရဆဋ္ဌန သိက္ခာပဒ | ... | ... | ၈၄ |
| ၁၀-နစ္စဂိတ သိက္ခာပဒ          | ... | ... | ၈၅ |

ရတ္တန္တကာရဝဂ္ဂ

|                                    |     |     |    |
|------------------------------------|-----|-----|----|
| ၁၁-ရတ္တန္တကာရ သိက္ခာပဒ             | ... | ... | ၈၅ |
| ၁၂-ဟိန္တန္တကာရ သိက္ခာပဒ            | ... | ... | ၈၅ |
| ၁၃-ဒာဠောကာရသလ္လပန သိက္ခာပဒ         | ... | ... | ၈၅ |
| ၁၄-ဒုတိယိကဥပေယျာဇန သိက္ခာပဒ        | ... | ... | ၈၆ |
| ၁၅-အနာယုတ္တပက္ခမန သိက္ခာပဒ         | ... | ... | ၈၆ |
| ၁၆-အနာယုတ္တပက္ခမနိသိဒန သိက္ခာပဒ... | ... | ... | ၈၆ |
| ၁၇-အနာယုတ္တသန္တရာသ သိက္ခာပဒ        | ... | ... | ၈၆ |
| ၁၈-ပရုတ္တပနက သိက္ခာပဒ              | ... | ... | ၈၆ |
| ၁၉-ပရုတ္တပနက သိက္ခာပဒ              | ... | ... | ၈၆ |
| ၂၀-ဓရာပန သိက္ခာပဒ                  | ... | ... | ၈၆ |

(တ)

သိက္ခာနိပါတ်ဓမ္မာယုပါဠိ

မာထိကာ

ပိဋက

နက္ခဝဂ္ဂ

|                            |     |     |    |
|----------------------------|-----|-----|----|
| ၂၁-နဂ္ဂ သိက္ခာပဒ           | ... | ... | ၈၇ |
| ၂၂-ဥဒကသင်္ဃိက သိက္ခာပဒ     | ... | ... | ၈၇ |
| ၂၃-စိဝရသိဗ္ဗန သိက္ခာပဒ     | ... | ... | ၈၇ |
| ၂၄-သင်္ဃာဋ္ဌိစာရ သိက္ခာပဒ  | ... | ... | ၈၇ |
| ၂၅-စိဝရသင်္ဃာဋ္ဌိ သိက္ခာပဒ | ... | ... | ၈၇ |
| ၂၆-ဂဏစိဝရ သိက္ခာပဒ         | ... | ... | ၈၇ |
| ၂၇-ပဋိဗာဟန သိက္ခာပဒ        | ... | ... | ၈၈ |
| ၂၈-စိဝရဒါန သိက္ခာပဒ        | ... | ... | ၈၈ |
| ၂၉-ကာလအတိက္ကမန သိက္ခာပဒ    | ... | ... | ၈၈ |
| ၃၀-ကထိနုဒ္ဓါရ သိက္ခာပဒ     | ... | ... | ၈၈ |

တုဝဋ္ဌဝဂ္ဂ

|                            |     |     |    |
|----------------------------|-----|-----|----|
| ၃၁-ကေမဉ္ဇတုဝဋ္ဌန သိက္ခာပဒ  | ... | ... | ၈၈ |
| ၃၂-ကေတ္တရဏတုဝဋ္ဌန သိက္ခာပဒ | ... | ... | ၈၈ |
| ၃၃-အဖာသုကရဏ သိက္ခာပဒ       | ... | ... | ၈၉ |
| ၃၄-န ဥပဋ္ဌာပန သိက္ခာပဒ     | ... | ... | ၈၉ |
| ၃၅-နိက္ကဋ္ဌန သိက္ခာပဒ      | ... | ... | ၈၉ |
| ၃၆-သံသဋ္ဌ သိက္ခာပဒ         | ... | ... | ၈၉ |
| ၃၇-အန္တောရဋ္ဌ သိက္ခာပဒ     | ... | ... | ၉၀ |
| ၃၈-တိဇေရဋ္ဌ သိက္ခာပဒ       | ... | ... | ၉၀ |
| ၃၉-အန္တောဝဿ သိက္ခာပဒ       | ... | ... | ၉၀ |
| ၄၀-စာဓိက န ပဏ္ဍမန သိက္ခာပဒ | ... | ... | ၉၀ |

မာတိကာ

ပိဋက

စိတ္တဒါရဏ

|                                       |      |     |    |
|---------------------------------------|------|-----|----|
| ၄၁-ဓာတုဒါရ သိက္ခာပဒ....               | ---  | --- | ၉၀ |
| ၄၂-အာသန္နိပရိဘူန သိက္ခာပဒ             | ---  | --- | ၉၁ |
| ၄၃-သုတ္တကန္တန သိက္ခာပဒ                | ---  | --- | ၉၁ |
| ၄၄-ဂိဟိဝေယျာဝစ္စ သိက္ခာပဒ             | .... | --- | ၉၁ |
| ၄၅-အဓိကရဏ သိက္ခာပဒ                    | ---  | --- | ၉၁ |
| ၄၆-ဘောဇနဒါန သိက္ခာပဒ                  | ---  | --- | ၉၁ |
| ၄၇-အာဝသထစိဝရ သိက္ခာပဒ                 | ---  | --- | ၉၂ |
| ၄၈-အာဝသထဝိဟာရ သိက္ခာပဒ                | .... | --- | ၉၂ |
| ၄၉-တိရစ္ဆာနဝိဇ္ဇာပရိပာဇာယုဏန သိက္ခာပဒ | ---  | --- | ၉၂ |
| ၅၀-တိရစ္ဆာနဝိဇ္ဇာဝါစန သိက္ခာပဒ        | ---  | --- | ၉၂ |

ဘာဓုပဏ္ဍ

|                            |      |     |    |
|----------------------------|------|-----|----|
| ၅၁-ဘာဓုပပဝိသန သိက္ခာပဒ     | ---  | --- | ၉၂ |
| ၅၂-ဘိက္ခုအက္ခောသန သိက္ခာပဒ | ---  | --- | ၉၂ |
| ၅၃-ဂဏပရိဘာသန သိက္ခာပဒ      | ---  | --- | ၉၂ |
| ၅၄-ပဝါရိတ သိက္ခာပဒ ....    | .... | --- | ၉၃ |
| ၅၅-ကုလမစ္ဆရိနိ သိက္ခာပဒ    | ---  | --- | ၉၃ |
| ၅၆-အဘိက္ခုကာဝါသ သိက္ခာပဒ   | .    | --- | ၉၃ |
| ၅၇-အပဝါရဏာ သိက္ခာပဒ        | ---  | --- | ၉၃ |
| ၅၈-ဩဝါဒ သိက္ခာပဒ ....      | ---  | --- | ၉၃ |
| ၅၉-ဩဝါဒပသကမန သိက္ခာပဒ      | ---  | --- | ၉၃ |
| ၆၀-ပသာဓေဇာထ သိက္ခာပဒ       | .... | --- | ၉၃ |

မာတိကာ

ပိဋကံ

## ဂဗ္ဘိနိဝဂ္ဂ

|                                    |      |    |
|------------------------------------|------|----|
| ၆၁-ဂဗ္ဘိနိ သိက္ခာပဒ ....           | .... | ၆၄ |
| ၆၂-ပါယန္တိ သိက္ခာပဒ ....           | .... | ၆၄ |
| ၆၃-ပဌမ သိက္ခမာန သိက္ခာပဒ ....      | .... | ၆၄ |
| ၆၄-ဒုတိယ သိက္ခမာန သိက္ခာပဒ ....    | .... | ၆၄ |
| ၆၅-ပဌမ ဂိဟိဂတ သိက္ခာပဒ ....        | .... | ၆၅ |
| ၆၆-ဒုတိယ ဂိဟိဂတ သိက္ခာပဒ ....      | .... | ၆၅ |
| ၆၇-တတိယ ဂိဟိဂတ သိက္ခာပဒ ....       | .... | ၆၅ |
| ၆၈-ပဌမ သဟဇီဝိနိ သိက္ခာပဒ ....      | .... | ၆၅ |
| ၆၉-ပဝတ္တိနိနာနုဗန္ဓန သိက္ခာပဒ .... | .... | ၆၅ |
| ၇၀-ဒုတိယ သဟဇီဝိနိ သိက္ခာပဒ ....    | .... | ၆၅ |

## ကုမာရိဘူတဝဂ္ဂ

|                                          |      |    |
|------------------------------------------|------|----|
| ၇၁-ပဌမ ကုမာရိဘူတ သိက္ခာပဒ ....           | .... | ၆၆ |
| ၇၂-ဒုတိယ ကုမာရိဘူတ သိက္ခာပဒ ....         | .... | ၆၆ |
| ၇၃-တတိယ ကုမာရိဘူတ သိက္ခာပဒ ....          | .... | ၆၆ |
| ၇၄-ဦးဒွါဒသဓဿ သိက္ခာပဒ ....               | .... | ၆၆ |
| ၇၅-ပရိပုဏ္ဏဒွါဒသဓဿ သိက္ခာပဒ ....         | .... | ၆၆ |
| ၇၆-ဒိဃျနဓမ္မ သိက္ခာပဒ ....               | .... | ၆၆ |
| ၇၇-ပဌမ သိက္ခမာန န ဝုဠာပန သိက္ခာပဒ ....   | .... | ၆၇ |
| ၇၈-ဒုတိယ သိက္ခမာန န ဝုဠာပန သိက္ခာပဒ .... | .... | ၆၇ |
| ၇၉-သောကာဝါသ သိက္ခာပဒ ....                | .... | ၆၇ |
| ၈၀-အနုညာတ သိက္ခာပဒ ....                  | .... | ၆၇ |
| ၈၁-ပါရိဝါသိက သိက္ခာပဒ ....               | .... | ၆၇ |
| ၈၂-အနုဝဿ သိက္ခာပဒ ....                   | .... | ၆၈ |
| ၈၃-ကေဝဿ သိက္ခာပဒ ....                    | .... | ၆၈ |

ဇာတိကာ

ပိုက်

ဆတ္တုပါဟနဝဂ္ဂ

|                                 |      |      |     |
|---------------------------------|------|------|-----|
| ၈၄-ဆတ္တုပါဟန သိက္ခာပဒ           | ---  | ---  | ၉၈  |
| ၈၅-ယာန သိက္ခာပဒ                 | ---  | ---  | ၉၈  |
| ၈၆-သင်္ဃာဏိ သိက္ခာပဒ            | ---  | ---  | ၉၈  |
| ၈၇-ဣတ္ထာလင်္ကာရ သိက္ခာပဒ        | .... | ---  | ၉၈  |
| ၈၈-ဂန္ဓဝဗ္ဗက သိက္ခာပဒ           | ---  | ---  | ၉၈  |
| ၈၉-ဝါသိတက သိက္ခာပဒ              | .... | .... | ၉၉  |
| ၉၀-ဘိက္ခုနီဥမ္ပဒ္ဓါပန သိက္ခာပဒ  | ---  | ---  | ၉၉  |
| ၉၁-သိက္ခမာနဥမ္ပဒ္ဓါပန သိက္ခာပဒ  | .... | ...  | ၉၉  |
| ၉၂-သမ္မာပေသီဥမ္ပဒ္ဓါပန သိက္ခာပဒ | ---  | ---  | ၉၉  |
| ၉၃-ဝိဟိနီဥမ္ပဒ္ဓါပန သိက္ခာပဒ    | ---  | .... | ၉၉  |
| ၉၄-ဇနာပုစ္ဆာ သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၉၉  |
| ၉၅-ပဉ္စာပုစ္ဆန သိက္ခာပဒ         | .... | ---  | ၉၉  |
| ၉၆-အသံကစ္စိက သိက္ခာပဒ           | .... | ---  | ၁၀၀ |

မုသာဝါဒဝဂ္ဂ

|                           |      |      |     |
|---------------------------|------|------|-----|
| ၉၇-မုသာဝါဒ သိက္ခာပဒ       | .... | ---  | ၁၀၀ |
| ၉၈-ဩမသင်္ဂါဒ သိက္ခာပဒ     | ---  | ---  | ၁၀၀ |
| ၉၉-ပေသုည သိက္ခာပဒ         | ---  | ---  | ၁၀၀ |
| ၁၀၀-ပဒေသာဓမ္မ သိက္ခာပဒ    | ---  | ---  | ၁၀၀ |
| ၁၀၁-ပဌမ သဟသေယျ သိက္ခာပဒ   | .... | ---  | ၁၀၀ |
| ၁၀၂-ဒုတိယ သဟသေယျ သိက္ခာပဒ | ---  | ---  | ၁၀၀ |
| ၁၀၃-တတိယ သဟသေယျ သိက္ခာပဒ  | ...  | .... | ၁၀၁ |
| ၁၀၄-ဘူတဘေဇာနိ သိက္ခာပဒ    | ---  | ---  | ၁၀၁ |

(န)

သိက္ခာနိပါတ်မောကပါဠိ

မာတိကာ

ပိဋကံ

၁၀၅- ဌာလ္လဘရောဓန သိက္ခာပဒ

....

...

၁၀၁

၁၀၆- ဟဏဝိခဏန သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၁

ဘူတဂါမဝဂ္ဂ

၁၀၇- ဘူတဂါမ သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၁

၁၀၈- အညဝါဒက သိက္ခာပဒ

....

...

၁၀၁

၁၀၉- ဥဇ္ဈာပနက သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၁

၁၁၀- ပဌမ သေနာသန သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၂

၁၁၁- ဒုတိယ သေနာသန သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၂

၁၁၂- အနုပဓဇ္ဇ သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၂

၁၁၃- နိက္ကမန သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၂

၁၁၄- ဝေဟာသကုဋ် သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၂

၁၁၅- မမာလ္လကဝိဟာရ သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၃

၁၁၆- သပ္ပူဏက သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၃

ဘောဇနဝဂ္ဂ

၁၁၇- အာဝသထပိဏ္ဍ သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၃

၁၁၈- ဂဏဘောဇန သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၃

၁၁၉- ကာဏမာတု သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၄

၁၂၀- ဝိကာလဘောဇန သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၄

၁၂၁- စန္ဒီမိကာရက သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၄

၁၂၂- ဒန္တပေါဏ သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၄

၁၂၃- ဥယျောဇန သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၄

၁၂၄- သဘောဇန သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၅

၁၂၅- ရဟောပဋိစ္ဆန္တ သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၅

၁၂၆- ရဟောနိသဇ္ဇ သိက္ခာပဒ

....

....

၁၀၅

မာတိကာ

ပိဋက

စာရိတ္တဝဂ္ဂ

|                             |      |      |     |
|-----------------------------|------|------|-----|
| ၁၂၇-စာရိတ္တ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၁၀၅ |
| ၁၂၈-မဟာနာမ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၀၅ |
| ၁၂၉-ဥယျုတ္တဓနာ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၁၀၆ |
| ၁၃၀-ဓနာဝါသ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၀၆ |
| ၁၃၁-ဥဇျောမိက သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၁၀၆ |
| ၁၃၂-ဆုရာပါန သိက္ခာပဒ        | —    | .... | ၁၀၆ |
| ၁၃၃-အင်္ဂုလိပထောဒက သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၀၆ |
| ၁၃၄-ယသဓမ္မ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၀၆ |
| ၁၃၅-အနာဒရိယ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၁၀၇ |
| ၁၃၆-ဘိ'ထာပန သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၁၀၇ |

ဇောတိဝဂ္ဂ

|                          |      |      |     |
|--------------------------|------|------|-----|
| ၁၃၇-ဇောတိ သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၁၀၇ |
| ၁၃၈-နဟာန သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၁၀၇ |
| ၁၃၉-ဗုဗ္ဗတ္တကရဏ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၀၇ |
| ၁၄၀-ဝိကပ္ပန သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၁၀၈ |
| ၁၄၁-အပနိဓာန သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၁၀၈ |
| ၁၄၂-ဆဋ္ဌိစူ သိက္ခာပဒ     | —    | .... | ၁၀၈ |
| ၁၄၃-သပ္ပါဏက သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၁၀၈ |
| ၁၄၄-ဥက္ကောဋန သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၁၀၈ |
| ၁၄၅-ထေယျသတ္တ သိက္ခာပဒ    | .... | —    | ၁၀၉ |
| ၁၄၆-အရိဋ္ဌ သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၁၀၉ |

(၆)

ဘိက္ခုနီပိတိမောက္ခပါဠိ

မာတိကာ

စာမျက်နှာ

ဒိဋ္ဌိဝဂ္ဂ

|                              |      |      |     |
|------------------------------|------|------|-----|
| ၁၄၇-ဥက္ခိတ္တသမ္ဘောဂ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၀၉ |
| ၁၄၈-ကဏ္ဍက သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၁၁၀ |
| ၁၄၉-သဟဓမ္မိက သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၁၁၀ |
| ၁၅၀-ဝိလေခန သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၁၁၁ |
| ၁၅၁-မောဟန သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၁၁၁ |
| ၁၅၂-ပဟာရ သိက္ခာပဒ            | .... | .... | ၁၁၂ |
| ၁၅၃-တလသတ္တိက သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၁၁၂ |
| ၁၅၄-အမူလက သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၁၁၂ |
| ၁၅၅-သဉ္စိစ္စ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၁၁၂ |
| ၁၅၆-ဥပဿုဝိ သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၁၁၂ |

ဓမ္မိကဝဂ္ဂ

|                               |      |      |     |
|-------------------------------|------|------|-----|
| ၁၅၇-ကမ္မပ္ပဋိဗာဟန သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၁၁၃ |
| ၁၅၈-ဆန္ဒအဒတျာဂမန သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၁၁၃ |
| ၁၅၉-ဒုဗ္ဗလ သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၁၁၃ |
| ၁၆၀-ဟိကောမန သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၁၁၃ |
| ၁၆၁-ရတန သိက္ခာပဒ              | .... | .... | ၁၁၃ |
| ၁၆၂-သုစိဃရ သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၁၁၄ |
| ၁၆၃-မဉ္ဇုပိဋ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၁၄ |
| ၁၆၄-တူလောနဒ္ဒ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၁၁၄ |
| ၁၆၅-ကဏ္ဍုပ္ပဋိစ္စာဒိ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၁၄ |
| ၁၆၆-နန္ဒ သိက္ခာပဒ             | .... | .... | ၁၁၄ |

မာတိကာ

ပိုဒ်

ပါဠိစာသနိယ

|                        |      |      |     |
|------------------------|------|------|-----|
| ၁-သမ္ပိတိညာပန သိက္ခာပဒ | .... | ---  | ၁၁၅ |
| ၂-တေလဝိညာပန သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၁၁၅ |
| ၃-မဇ္ဈိမိညာပန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၁၆ |
| ၄-ဗာဏိတဝိညာပန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၁၆ |
| ၅-မစ္ဆဝိညာပန သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၁၁၆ |
| ၆-ပံသဝိညာပန သိက္ခာပဒ   | .... | ---  | ၁၁၆ |
| ၇-ခိရဝိညာပန သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၁၁၆ |
| ၈-ဒဓိပိညာပန သိက္ခာပဒ   | .... | ---  | ၁၁၆ |

စာစိယ

ပရိမဏ္ဍထဝဂ္ဂ

|                             |      |      |     |
|-----------------------------|------|------|-----|
| ၁၂-ပရိမဏ္ဍလ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၁၁၇ |
| ၃၄-သုပ္ပဋိစ္စ သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၁၁၇ |
| ၅၆-သုသံဝုတ သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၁၈ |
| ၇၈-ဩက္ခိတ္တစက္ခုနိ သိက္ခာပဒ | .... | ...  | ၁၁၈ |
| ၉၁၀-ဥက္ခိတ္တက သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၁၁၈ |

ဥဇ္ဈိကဝဂ္ဂ

|                           |      |      |     |
|---------------------------|------|------|-----|
| ၁၁၁၂-ဥဇ္ဈိက သိက္ခာပဒ      | .... | .... | ၁၁၈ |
| ၁၃၁၄-ဥစ္စသဒ္ဓ သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၁၁၉ |
| ၁၅၁၆-ကာယပ္ပစာလက သိက္ခာပဒ  | .... | ---  | ၁၁၉ |
| ၁၇၁၈-ဗာဟုပ္ပစာလက သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၁၉ |
| ၁၉၂၀-သိသပ္ပစာလက သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၁၁၉ |

(၁)

သိက္ခာနိပါတ်မေက္ခပါဠိ

ဓမ္မတိကာ

ပိဋက

ဓမ္မိကထဝဂ္ဂ

|                               |      |      |     |
|-------------------------------|------|------|-----|
| ၂၁၂၂-ဓမ္မကတ သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၁၂၀ |
| ၂၁၂၄-ဩဂုဏ္ဍိတ သိက္ခာပဒ        | .... | .... | ၁၂၀ |
| ၂၅-ဥက္ကဋ္ဌိက သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၂၀ |
| ၂၆-ပလ္လတ္ထိက သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၂၀ |
| ၂၇-သက္ကစပဋိဂ္ဂဟဏ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၁၂၀ |
| ၂၈-ပတ္တသညိနိပဋိဂ္ဂဟဏ သိက္ခာပဒ | —    | —    | ၁၂၀ |
| ၂၉-သမသုပကပဋိဂ္ဂဟဏ သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၁၂၀ |
| ၃၀-သမတိတ္ထိက သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၂၀ |

သက္ကစဝဂ္ဂ

|                             |      |      |     |
|-----------------------------|------|------|-----|
| ၃၁-သက္ကစဘုဉ္ဇန သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၁၂၁ |
| ၃၂-ပတ္တသညိနိဘုဉ္ဇန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၂၁ |
| ၃၃-သပဓါန သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၁၂၁ |
| ၃၄-သမသုပက သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၁၂၁ |
| ၃၅-ထူပကတ သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၁၂၁ |
| ၃၆-ဩဒနပုဋိစ္ဆာဒန သိက္ခာပဒ   | .... | .... | ၁၂၂ |
| ၃၇-သုပေါဒနဝိညတ္တိ သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၁၂၂ |
| ၃၈-ဥဇ္ဈာနသညိနိ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၁၂၂ |
| ၃၉-ကဗဠ သိက္ခာပဒ             | .... | .... | ၁၂၂ |
| ၄၀-အာလောပ သိက္ခာပဒ          | .... | —    | ၁၂၂ |

ကဗဠဝဂ္ဂ

|                      |      |      |     |
|----------------------|------|------|-----|
| ၄၁-အနာဟဋ သိက္ခာပဒ    |      |      | ၁၂၂ |
| ၄၂-ဘုဉ္ဇမာန သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၂၂ |
| ၄၃-သကဗဠ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၁၂၃ |

# ဆိက္ခနိပါတိမောက္ခပါဠိ

(၈)

## ဇာတိကာ

ပိုဒ်

|                           |      |   |     |
|---------------------------|------|---|-----|
| ၄၄-ဝိဇ္ဇာကွေဟက သိက္ခာပဒ   | —    | — | ၁၂၃ |
| ၄၅-ကဗဠာဝဇ္ဇေဒက သိက္ခာပဒ   | .... | — | ၁၂၃ |
| ၄၆-အဝဂ္ဂဏ္ဍကာရက သိက္ခာပဒ  | ...  | — | ၁၂၃ |
| ၄၇-ဟတ္ထနိဒ္ဒါနက သိက္ခာပဒ  | .... | — | ၁၂၃ |
| ၄၈-သိတ္တာဝကကာရက သိက္ခာပဒ  | .... | — | ၁၂၃ |
| ၄၉-ဇိဝှါနိစ္ဆာရက သိက္ခာပဒ | ...  | — | ၁၂၃ |
| ၅၀-စပုစပုကာရက သိက္ခာပဒ    | —    | — | ၁၂၃ |

## သုရသုရတု

|                          |      |   |     |
|--------------------------|------|---|-----|
| ၅၁-သုရသုရကကာရက သိက္ခာပဒ  | —    | — | ၁၂၄ |
| ၅၂-ဟတ္ထနိလ္လေဟက သိက္ခာပဒ | .... | — | ၁၂၄ |
| ၅၃-ပတ္တနိလ္လေဟက သိက္ခာပဒ | —    | — | ၁၂၄ |
| ၅၄-ဩဋ္ဌနိလ္လေဟက သိက္ခာပဒ | .... | — | ၁၂၄ |
| ၅၅-သမိသ သိက္ခာပဒ         | —    | — | ၁၂၄ |
| ၅၆-သသိတ္တက သိက္ခာပဒ      | —    | — | ၁၂၄ |
| ၅၇-ဆတ္တပါဏိ သိက္ခာပဒ     | ...  | — | ၁၂၄ |
| ၅၈-ဒဏ္ဍပါဏိ သိက္ခာပဒ     | .... | — | ၁၂၅ |
| ၅၉-သတ္တပါဏိ သိက္ခာပဒ     | .... | — | ၁၂၅ |
| ၆၀-အာဝုဓပါဏိ သိက္ခာပဒ    | —    | — | ၁၂၅ |

## ပါရကတု

|                   |      |   |     |
|-------------------|------|---|-----|
| ၆၁-ပါဒက သိက္ခာပဒ  | .... | — | ၁၂၅ |
| ၆၂-ဥပါဟန သိက္ခာပဒ | .... | — | ၁၂၅ |
| ၆၃-ယာန သိက္ခာပဒ   | .... | — | ၁၂၅ |
| ၆၄-သယန သိက္ခာပဒ   | ...  | — | ၁၂၅ |

(ဃ)

သိက္ခာနိပါတ်မောက္ခပါဠိ

မာတိကာ

ပိဋက

|                            |      |      |     |
|----------------------------|------|------|-----|
| ၆၅-ပဏ္ဍိတိက သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၁၂၆ |
| ၆၆-ဝေဠိတ သိက္ခာပဒ          | .... | .... | ၁၂၆ |
| ၆၇-ဩဂုဏ္ဍိတ သိက္ခာပဒ       | .... | .... | ၁၂၆ |
| ၆၈-ဆမာ သိက္ခာပဒ            | .... | .... | ၁၂၆ |
| ၆၉-နိစာသန သိက္ခာပဒ         | .... | .... | ၁၂၆ |
| ၇၀-ဌိတာ သိက္ခာပဒ           | .... | .... | ၁၂၆ |
| ၇၁-ပစ္ဆေတဂစ္ဆန္တိ သိက္ခာပဒ | .... | .... | ၁၂၆ |
| ၇၂-ဥပထေနဂစ္ဆန္တိ သိက္ခာပဒ  | .... | .... | ၁၂၇ |
| ၇၃-ဌိတာဥစ္စာရ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၁၂၇ |
| ၇၄-ယရိယေဥစ္စာရ သိက္ခာပဒ    | .... | .... | ၁၂၇ |
| ၇၅-ဥဒကေဥစ္စာရ သိက္ခာပဒ     | .... | .... | ၁၂၇ |
| အဓိကရုဏသမထ                 |      |      |     |
| အဓိကရုဏ သမထ                | .... | .... | ၁၂၈ |

ဒေမာတိကပါဠိယာ မာတိကာ

နိဋ္ဌိတာ။

# ဒွေမာတိကာပါဠိ

## ဘိက္ခုပေါတိမောက္ခပါဠိ

နမော တဿ ဘဂဝတော အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ

ပုဗ္ဗ ကရုဏ-၄

သမ္ဗုဇ္ဇနီ ပဗ္ဗိပေါ စ၊ ဥဒကံ အာသနေန စ။  
ဥပေါသထဿ ဧတာနိ၊ “ပုဗ္ဗကရုဏ”န္တိ ဝုစ္စတိ”။

ပုဗ္ဗ ကိစ္စ-၅

ဆန္တ ပါရိသုဒ္ဓိ ဥတုက္ခာနံ၊ ဘိက္ခုဂဏနာ စ ဩဝါဒေါ။  
ဥပေါသထဿ ဧတာနိ၊ “ပုဗ္ဗကိစ္စ”န္တိ ဝုစ္စတိ”။

ပတ္တကလ္လ အင်္ဂါ-၄

ဥပေါသထော ယာဝတိကာ စ ဘိက္ခု၊ ကမ္မပ္ပတ္တာ၊  
သဘာဝါပတ္တိယော စ န ဝိဇ္ဇန္တိ။  
ဝဇ္ဇနီယာ စ ပုဂ္ဂလာ တသ္မိံ န ဟောန္တိ၊  
“ပတ္တကလ္လ”န္တိ ဝုစ္စတိ”။

ပုဗ္ဗကရုဏပုဗ္ဗကိစ္စာနိ သမာပေတွာ ဒေသိတာပတ္တိ-  
ကဿသမဂ္ဂဿ ဘိက္ခုသံဃဿ အနုမတိယာ ပါတိမောက္ခံ  
ဥပ္ပိသိတုံ အာရာဓနံ ကရောမ။

## နိဒါန

သုဏ္ဍာတု မေ ဘန္တေ သံဃော၊ အဇ္ဈပေါသထော  
ပန္နရသော၊ ယဒိ သံဃဿ ပတ္တကလ္လံ၊ သံဃော ဥပေါသထံ  
ကရေယျ၊ ပါတိမောက္ခံ ဥဒ္ဓိသေယျ။

ကို သံဃဿ ပုဗ္ဗကိစ္စံ? ပါရိသုဒ္ဓိံ အာယသ္မန္တော  
အာရောစေထ၊ ပါတိမောက္ခံ ဥဒ္ဓိသိဿာမိ၊ တံ သဗ္ဗေဝ  
သန္တာ သာဓုကံ သုဏ္ဍောမ မနသိ ကရောမ။ ယဿ  
သိယာ အာပတ္တိ၊ သော အာဝိကရေယျ၊ အသန္တိယာ  
အာပတ္တိယာ တုဏှိ ဘဝိတဗ္ဗံ၊ တုဏှိဘာဝေန ခေါ ပနာ-  
ယသ္မန္တေ “ပါရိသုဒ္ဓါ”တိ ဝေဒိဿာမိ။ ယထာ ခေါ ပန  
ပစ္စေကပုဋ္ဌဿ ဝေယျာကရဏံ ဟောတိ၊ ဧဝမေဝ ဧဝရူပါယ  
ပါရိသာယ ယာဝတတိယံ အနုသာဝိတံ ဟောတိ။ ယောပန  
ဘိက္ခု ယာဝတတိယံ အနုသာဝိယမာနေ သရမာနော  
သန္တိံ အာပတ္တိံ နာဝိကရေယျ၊ သမ္ပဇာနမုသာဝါဒ’ဿ  
ဟောတိ။ သမ္ပဇာနမုသာဝါဒေါ ခေါ ပနာ’ယသ္မန္တော  
အန္တရာယိကော ဓမ္မော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ၊ တသ္မာ  
သရမာနေန ဘိက္ခုနာ အာပန္နေန ဝိသုဒ္ဓါပေက္ခန သန္တိ  
အာပတ္တိ အာဝိကာတဗ္ဗာ၊ အာဝိကတာ ဟိ’ဿ ဖာသု  
ဟောတိ။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌံ ခေါ အာယသ္မန္တော နိဒါနံ။ တတ္ထာယသ္မန္တေ  
ပုစ္ဆာမိ၊ ကစိတ္တ ပါရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယမိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစိတ္တ  
ပါရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယမိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစိတ္တ ပါရိသုဒ္ဓါ၊ ပါရိသုဒ္ဓေတ္တာ-  
ယသ္မန္တော၊ တသ္မာ တုဏှိ၊ ဧဝမေတံ ဓာရယာမိတိ။

နိဒါနံ နိဋ္ဌိတံ။

ပါရာဇိက

တပြီမေ စတ္တာရော ပါရာဇိကာ ဓမ္မာ ဥဒ္ဓေသံ  
အာဂစ္ဆန္တိ။

မေထုနဓမ္မ သိက္ခာပဒ

၁။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုနံ သိက္ခာသာဇီဝသမာ-  
ပန္နော သိက္ခံ အပ္ပစ္စက္ခာယ ဒုဗ္ဗလံ အနာဝိကတွာ မေထုနံ  
ဓမ္မံ ပဋိသေဝေယျ၊ အန္တမသော တိရစ္ဆာနဂတာယပိ  
ပါရာဇိကော ဟောတိ အသံဝါသော။

အဒိန္နာဒါန သိက္ခာပဒ

၂။ ယော ပန ဘိက္ခု ဂါမာ ဝါ အရညာ ဝါ အဒိန္နံ  
ထေယျသင်္ခါတံ အာဒိယေယျ၊ ယထာရူပေ အဒိန္နာဒါနော  
ရာဇာနော စောရံ ဂဟေတွာ ဟနေယျံ ဝါ ဗန္ဓေယျံ  
ဝါ ပဗ္ဗာဇေယျံ ဝါ “စောရေသိ ဗာလောသိ မူဠောသိ  
ထေနေသိ”တိ၊ တထာရူပံ ဘိက္ခု အဒိန္နံ အာဒိယမာနော  
အယမ္ပိ ပါရာဇိကော ဟောတိ အသံဝါသော။

မနုဿ ဝိဂ္ဂဟ သိက္ခာပဒ

၃။ ယော ပန ဘိက္ခု သဗ္ဗိစ္စ မနုဿဝိဂ္ဂဟံ ဇီဝိတာ  
ဝေါရောပေယျ၊ သတ္တဟာရကံ ဝါဿ ပရိယေသေယျ၊  
မရဏဝဏ္ဏံ ဝါ သံဝဏ္ဏေယျ၊ မရဏာယ ဝါ သမာဒပေယျ  
“အဗ္ဗော ပုရိသ ကိ” တုယိမိနာ ပါပကေန ဒုဇ္ဈိဝိတေန  
မတံ တေ ဇီဝိတာ သေယျော”တိ၊ ဣတိ ဝိတ္တမနော ဝိတ္တံ

သက်ပွေါ အနေကပရိယာယေန မရဏဝဏ္ဏံ ဝါ သံ-  
ဝဏ္ဏေယျ၊ မရဏာယ ဝါ သမာဒပေယျ၊ အယမ္ပိ ပါရာဇိ-  
ကော ဟောတိ အသံဝါသော။

ဥတ္တရိ မနုဿဓမ္မ သိက္ခာသဒ္ဓ

၄။ ယော ပန ဘိက္ခု အနဘိဇာနံ ဥတ္တရိမနုဿဓမ္မံ  
အတ္တုပနာယိကံ အလမရိယဉာဏဒဿနံ သမုဒါစရေယျ  
“ဣတိ ဇာနာမိ၊ ဣတိ ပဿာမိ”တိ၊ တတော အပရေန  
သမယေန သမနုဂ္ဂါဟီယမာနော ဝါ အသမနုဂ္ဂါဟီယမာ-  
နော ဝါ အာပန္နော ဝိသုဒ္ဓါပေက္ခော ဧဝံ ဝဒေယျ “အဇာ-  
နမေဝံ အာဝုသော အဝဏံ ဇာနာမိ၊ အပဿံ ပဿာမိ၊ တုစ္ဆံ  
မုဿာ ဝိလပိ”န္တိ၊ အညတြ အဓိမာနာ၊ အယမ္ပိ ပါရာဇိကော  
ဟောတိ အသံဝါသော။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါ အာယသုန္နော စတ္တာရော ပါရာဇိကာ  
ဓမ္မာ။ ယေသံ ဘိက္ခု အညတရံ ဝါ အညတရံ ဝါ အာပဋ္ဌိ-  
တွာ န လဘတိ ဘိက္ခုဟိ သဒ္ဓိံ သံဝါသံ ယဏာ ပုရေ  
တဏာ ပစ္ဆာ၊ ပါရာဇိကော ဟောတိ အသံဝါသော။  
တတ္တာယသုန္နော ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊  
ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊  
ပရိသုဒ္ဓေတ္တာယသုန္နော၊ တသ္မာ တုဏှိ၊ ဧဝမေဓံ ဓာရ-  
ယာမိတိ။

ပါရာဇိကံ နိဋ္ဌိတံ။

သံဃာဒိဿေသ

ဣမေ ခေါ ပနာယသ္မန္တော တေရသ သံဃာဒိဿေသာ  
ဓမ္မာ ဥဒ္ဓေသံ အာဂစ္ဆန္တိ။

သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ သိက္ခာပဒ

၁။ \*သဉ္ဇေတနိကာ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ အညတြ သုပိနန္တာ  
သံဃာဒိဿေသော<sup>၁</sup>။

ကာယ သံသဂ္ဂ သိက္ခာပဒ

၂။ \*ယော ပန ဘိက္ခု၊ ဩတိဇ္ဈော ဝိပရိဏတေန  
စိတ္တေန မာတုဂါမေန သမ္ဘိန္ဒိ ကာယသံသဂ္ဂံ သမာပဇ္ဇေယျ  
ဟတ္ထဂ္ဂါဟံ ဝါ ဝေဏီဂ္ဂါဟံ ဝါ အညတရဿ ဝါ အည-  
တရဿ ဝါ အင်္ဂဿ ပရာမသနံ၊ သံဃာဒိဿေသော<sup>၂</sup>။

ဒုဋ္ဌုလ္လဝါစာ သိက္ခာပဒ

၃။ \*ယော ပန ဘိက္ခု၊ ဩတိဇ္ဈော ဝိပရိဏတေန  
စိတ္တေန မာတုဂါမံ ဒုဋ္ဌုလ္လဝါဟိ ဝါစာဟိ ဩဘာသေယျ  
ယထာ တံ ယုဝါ ယုဝတိ<sup>၃</sup> မေထုနုပသံဟိတာဟိ၊ သံဃာဒိ-  
ဿေသော<sup>၃</sup>။

အတ္တကာယ ပါရိစရိယ သိက္ခာပဒ

၄။ \*ယော ပန ဘိက္ခု၊ ဩတိဇ္ဈော ဝိပရိဏတေန  
စိတ္တေန မာတုဂါမဿ သန္တိကေ အတ္တကာမပါရိစရိယာ-  
ယ ဝဏ္ဏံ ဘာသေယျ “တေဒဂ္ဂံ ဘဂိနိ ပါရိစရိယာနံ ယာ

---

\*ဣပိနာ လက္ခဏေန ဝဿိတသိက္ခာပဒါနိ ဘိက္ခုနိဝိဘဏ် နတ္ထိ။

၁-ဝိ ၁၊၁၅၃။

၂-ဝိ ၁၊၁၅၃။

၃-ဝိ ၁၊၁၈၇။

မာဒိသံ သီလဝန္တံ ကလျာဏဓမ္မံ ဗြဟ္မစာရိံ ဧတေန ဓမ္မေန ပရိစရေယျာ”တိ မေထုနပသံဟိတေန၊ သံဃာဒိသေသော”။

သဉ္ဇရိတ္တံ သိက္ခာပဒ

၅။ \* ယော ပန ဘိက္ခု သဉ္ဇရိတ္တံ သမာပဇ္ဇေယျ ဣတ္ထိယာ ဝါ ပုရိသမတိံ၊ ပုရိသဿ ဝါ ဣတ္ထိမတိံ ဇာယတ္တနေ ဝါ ဇာရတ္တနေ ဝါ၊ အန္တမသော တင်္ဂဏိ- ကာယဝိ၊ သံဃာဒိသေသော”။

ကုဋိကာရ သိက္ခာပဒ

၆။ \* သညာစိကာယ ပန ဘိက္ခုနာ ကုဋိံ ကာရယ- မာနေန အဿာမိကံ အတ္တုဒ္ဓေသံ ပမာဏိကာ ကာရေ- တဗ္ဗာ၊ တတြိဒံ ပမာဏံ၊ ဒီဃသော ဒွါဒသ ဝိဒတ္ထိယော သုဂတဝိဒတ္ထိယာ၊ တိရိယံ သတ္တန္တရာ။ ဘိက္ခု အဘိနေ- တဗ္ဗာ ဝတ္ထုဒေသနာယ၊ တေဟိ ဘိက္ခုဟိ ဝတ္ထု ဒေသေ- တဗ္ဗံ အနာရမ္ဘံ သပရိက္ကမနံ။ သာရဗ္ဗေ စေ ဘိက္ခု ဝတ္ထုသ္မိံ အပရိက္ကမနေ သညာစိကာယ ကုဋိံ ကာရေယျ၊ ဘိက္ခု ဝါ အနဘိနေယျ ဝတ္ထုဒေသနာယ၊ ပမာဏံ ဝါ အတိက္ကမေယျ၊ သံဃာဒိသေသော”။

ဝိဟာရကာရ သိက္ခာပဒ

၇။ \* မဟလ္လကံ ပန ဘိက္ခုနာ ဝိဟာရံ ကာရယမာနေန သဿာမိကံ အတ္တုဒ္ဓေသံ ဘိက္ခု အဘိနေတဗ္ဗာ ဝတ္ထုဒေ- သနာယ၊ တေဟိ ဘိက္ခုဟိ ဝတ္ထု ဒေသေတဗ္ဗံ အနာရမ္ဘံ သပရိက္ကမနံ။ သာရဗ္ဗေ စေ ဘိက္ခု ဝတ္ထုသ္မိံ အပရိက္ကမနေ မဟလ္လကံ ဝိဟာရံ ကာရေယျ၊ ဘိက္ခု ဝါ အနဘိနေယျ ဝတ္ထုဒေသနာယ၊ သံဃာဒိသေသော”။

ဒုဋ္ဌဒေါသ သိက္ခာပဒ

၈။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခု၊ ဒုဋ္ဌော ဒေါသော အပ္ပတီတော အမူလကေန ပါရာဇိကေန ဓမ္မေန အနုဒ္ဓိသေယျ “အပ္ပေဝ နာမ နံ ဣမမှာ ဗြဟ္မစရိယာ စာဝေယျ”န္တိ၊ တတော အပရေန သမယေန သမနုဂ္ဂါဟီယမာနော ဝါ အသမနုဂ္ဂါဟီယမာနော ဝါ အမူလကဉ္စေဝ တံ အဓိကရဏံ ဟောတိ၊ ဘိက္ခု စ ဒေါသံ ပတိဋ္ဌာတိ၊ သံဃာဒိသေသော”။

အညဘာဂိယ သိက္ခာပဒ

၉။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခု၊ ဒုဋ္ဌော ဒေါသော အပ္ပတီတော အညဘာဂိယဿ အဓိကရဏဿ ကိပ္ပိဒေသံ လေသမတ္တံ ဥပါဒါယ ပါရာဇိကေန ဓမ္မေန အနုဒ္ဓိသေယျ “အပ္ပေဝ နာမ နံ ဣမမှာ ဗြဟ္မစရိယာ စာဝေယျ”န္တိ၊ တတော အပရေန သမယေန သမနုဂ္ဂါဟီယမာနော ဝါ အသမနုဂ္ဂါဟီယမာနော ဝါ အညဘာဂိယဉ္စေဝ တံ အဓိကရဏံ ဟောတိ ကောစိဒေသော လေသမတ္တော ဥပါဒိန္နော၊ ဘိက္ခု စ ဒေါသံ ပတိဋ္ဌာတိ၊ သံဃာဒိသေသော

သံသဘော သိက္ခာပဒ

၁၀။ ယော ပန ဘိက္ခု သမဂ္ဂဿ သံသဿ ဘေဒါယ ပရက္ကမေယျ၊ ဘေဒနသံဝတ္တနိကံ ဝါ အဓိကရဏံ သမာဒါယ ပဂ္ဂယု တိဋ္ဌေယျ၊ သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယော “မာယသ္မာ သမဂ္ဂဿ သံသဿ ဘေဒါယ ပရက္ကမိ၊ ဘေဒနသံဝတ္တနိကံ ပါ အဓိကရဏံ သမာဒါယ ပဂ္ဂယု

အဋ္ဌာသိ၊ သမေတာယသ္မာ သံဃေန၊ သမဂ္ဂေါ ဟိ သံဃော  
 သမ္မောဒမာနော အဝိဝဒမာနော ဧကုဒ္ဓေသော ဖာသု  
 ဝိဟရတိ”တိ၊ ဧဝံ သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ဝုစ္စမာနော  
 တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ယာဝတတိယံ  
 သမနုဘာသိကဗ္ဗော တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိ-  
 ယဉ္ဇေ သမနုဘာသိယမာနော တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣဗ္ဗေတ  
 ကုသလံ၊ နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ သံဃာဒိသေသော”။

ဘေဒါနဝတ္ထက သိက္ခာပဒ

၁၁။ တဿေဝ ခေါ ပန ဘိက္ခုဿ ဘိက္ခု ဟောန္တိ  
 အနုဝတ္ထကာ ဝဂ္ဂဝါဒကာ ဧကော ဝါ ဒွေ ဝါ တယော ဝါ၊  
 တေ ဧဝံ ဝဒေယျံ “မာယသ္မန္တာ ဧတံ ဘိက္ခု ကိဉ္စ  
 အဝစုတ္တ၊ ဓမ္မဝါဒီ စေ’သော ဘိက္ခု၊ ဝိနယဝါဒီ စေ’သော  
 ဘိက္ခု၊ အမှာကဉ္ဇေ’သော ဘိက္ခု ဆန္ဒန္တ ရုစိန္တ အာဒါယ  
 ဝေါဟရတိ၊ ဇာနာတိ၊ နော ဘာသတိ၊ အမှာက’ဓမ္မတံ  
 ခမတိ”တိ၊ တေ ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယာ  
 “မာယသ္မန္တာ ဧဝံ အဝစုတ္တ၊ န စေ’သော ဘိက္ခု ဓမ္မဝါဒီ၊  
 န စေ’သော ဘိက္ခု ဝိနယဝါဒီ၊ မာယသ္မန္တာနမ္ပိ သံဃ-  
 တေဒေါ ရုစိတ္တ၊ သမေတာယသ္မန္တာနံ သံဃေန၊ သမဂ္ဂေါ  
 ဟိ သံဃော သမ္မောဒမာနော အဝိဝဒမာနော ဧကုဒ္ဓေသော  
 ဖာသု ဝိဟရတိ”တိ၊ ဧဝံ တေ ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ဝုစ္စမာနာ  
 ဘထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ တေ ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ယာဝတတိယံ  
 သမနုဘာသိကဗ္ဗော တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိယဉ္ဇေ  
 သမနုဘာသိယမာနော တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣဗ္ဗေတံ ကုသလံ၊  
 နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ သံဃာဒိသေသော”။

ဒုဗ္ဗေ သိက္ခာပဒ

၁၂။ ဘိက္ခု ပနေဝ ဒုဗ္ဗေဇာတိကော ဟောတိ ဥဒ္ဓေသ-  
ပရိယာပနန္တသု သိက္ခာပဒေသု ဘိက္ခုဟိ သဟဓမ္မိကံ ဝုစ္စ-  
မာနော အတ္တာနံ အဝစနိယံ ကရေတိ “မာ မံ အာယသ္မု-  
န္တော ကိဉ္စိ အဝစုတ္တ ကလျာဏံ ဝါ ပါပကံ ဝါ၊ အဟမ္ဘ-  
ယသ္မုန္တေန န ကိဉ္စိ ဝက္ခာမိ ကလျာဏံ ဝါ ပါပကံ ဝါ၊  
ဝိရမထာယသ္မုန္တော မမ ဝစနာယာ”တိ၊ သော ဘိက္ခု  
ဘိက္ခုဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယော “မာယသ္မာ အတ္တာနံ အဝ-  
စနိယံ အကာလိ၊ ဝစနိယမေဝါ’ယသ္မာ အတ္တာနံ ကရေတု၊  
အာယသ္မာပိ ဘိက္ခု ဝဒတု သဟဓမ္မေန၊ ဘိက္ခုပိ အာယ-  
သ္မန္တံ ဝက္ခန္တိ သဟဓမ္မေန၊ ဧဝံ သံဝဠာ ဟိ တဿ  
ဘဂဝတော ပရိသာ ယဒိဒံ အညမညဝစနေန အညမည-  
ဝုဠာပနေနာ”တိ၊ ဧဝံ သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ဝုစ္စမာနော  
တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ယာဝတတိယံ  
သမနုဘာသိတဗ္ဗော တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိ-  
ယဉ္စေ သမနုဘာသိယမာနော တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣစ္စေတံ  
ကုသလံ၊ နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ သံဃာဒိသေသော”။

ကုလဒ္ဓသက သိက္ခာပဒ

၁၃။ ဘိက္ခု ပနေဝ အညတရံ ဂါမံ ဝါ နိဂမ ဝါ  
ဥပနိဿာယ ဝိဟရတိ ကုလဒ္ဓသကော ပါပသမာစာရော၊  
တဿ ခေါ ပါပကာ သမာစာရာ ဒိဿန္တိ စေ သုယုန္တိ  
စ၊ ကုလာနိ စ တေန ဒုဠာနိ ဒိဿန္တိ စေ သုယုန္တိ စ၊  
သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယော “အာယသ္မာခေါ  
ကုလဒ္ဓသကော ပါပသမာစာရော၊ အာယသ္မတော ခေါ

ပါပကာ သမာစာရာ ဒိဿန္တိ စေဝ သုယုန္တိ စ၊ ကုလာနိ စာယသ္မတာ ဒုဋ္ဌာနိ ဒိဿန္တိ စေဝ သုယုန္တိ စ၊ ပက္ကမတာ'ယသ္မာ ဣမမှာ အာဝါသာ၊ အလံ တေ ဣဓ ဝါသေနာ"တိ၊ ဧဝံ သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ဝုစ္စမာနော တေ ဘိက္ခု ဧဝံ ဝဒေယျ "ဆန္ဒဂါမိနော စ ဘိက္ခု၊ ဒေါသဂါမိနော စ ဘိက္ခု၊ မောဟဂါမိနော စ ဘိက္ခု၊ ဘယဂါမိနော စ ဘိက္ခု၊ တာဒိသိကာယ အာပတ္တိယာ ကေစုံ ပဗ္ဗာဇေန္တိ၊ ကေစုံ န ပဗ္ဗာဇေန္တိ"တိ၊ သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယော "မာယသ္မာ ဧဝံ အဝစ၊ န စ ဘိက္ခု ဆန္ဒဂါမိနော၊ န စ ဘိက္ခု ဒေါသဂါမိနော၊ န စ ဘိက္ခု မောဟဂါမိနော၊ န စ ဘိက္ခု ဘယဂါမိနော၊ အာယသ္မာ ခေါ ကုလဒူသကော ပါပသမာစာရော၊ အာယသ္မတော ခေါ ပါပကာ သမာစာရာ ဒိဿန္တိ စေဝ သုယုန္တိ စ၊ ကုလာနိ စာယသ္မတာ ဒုဋ္ဌာနိ ဒိဿန္တိ စေဝ သုယုန္တိ စ၊ ပက္ကမတာယသ္မာ ဣမမှာ အာဝါသာ၊ အလံ တေ ဣဓ ဝါသေနာ"တိ၊ ဧဝံ သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ဝုစ္စမာနော တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ယာဝတတိယံ သမနုဘာသိတဗ္ဗော တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိယဉ္စေ သမနုဘာသိယမာနော တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣစ္ဆေတံ ကုသလံ၊ နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ သံဃာဒိသေသော"။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါ အာယသ္မန္တော တေရသ သံဃာဒိသေသာ ဓမ္မာ နဝ ပဌမာပတ္တိကာ၊ စတ္တာရော ယာဝတတိယကာ။ ယေသံ ဘိက္ခု အညတရံ ဝါ အညတရံ ဝါ အာပဇ္ဇိတွာ

ယၤဝတီဟံ ဇာနံ ပဋိစ္ဆာဒေတိ၊ တာဝတီဟံ တေန  
 ဘိက္ခုနာ အကာမာ ပရိဝတ္ထဗ္ဗံ။ ပရိဝတ္ထပရိဝါသေန  
 ဘိက္ခုနာ ဥတ္တရိ ဆာရတ္တံ ဘိက္ခုမာနတ္တာယ ပဋိပဋိတဗ္ဗံ၊  
 စိဏ္ဏမာနတ္တော ဘိက္ခု ယတ္ထ သိယာ ဝိသတိဂဏော  
 ဘိက္ခုသံဃော၊ တတ္ထ သော ဘိက္ခု အဟေတဗ္ဗော။  
 ဧကေနပိ စေ ဦနော ဝိသတိဂဏော ဘိက္ခုသံဃော တံ  
 ဘိက္ခု အဟေယျ၊ သော စ ဘိက္ခု အနဋ္ဌိတော၊ တေ စ  
 ဘိက္ခု ဂါရယာ၊ အယံ တတ္ထ သာဗီရိ။ တတ္ထာယသ္မန္တေ  
 ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ  
 ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ပရိသုဒ္ဓေတ္တာ-  
 ယသ္မန္တော၊ တသ္မာ တုဏှိ၊ ဧဝမေတံ ဇာရယာဗီတိ။

သံဃာဒိသေသော နိဋ္ဌိတော။

## အနိယတ

ဣမေ ခေါ ပနာယသ္မန္တော ဒွေ အနိယတာ ဓမ္မာ  
 ဥဒ္ဓေသံ အာဂစ္ဆန္တိ။

ပဌမ အနိယတ သိက္ခာပဒ

၁။ \*ယော ပန ဘိက္ခု မာတုဂါယေန သပ္ပိန္နံ ဧကော  
 ဧကာယ ရဟော ပဋိစ္ဆန္တေ အာသနေ အလံကမ္မနိယေ  
 နိသဇ္ဇံ ကပ္ပေယျ၊ တမေနံ သဒ္ဓေယျဝစသာ ဥပါသိကာ  
 ဒိသ္မာ ဟိဏ္ဏံ ဓမ္မာနံ အညတရေန ဝဒေယျ ပါရာဇိကေန ဝါ  
 သံဃာဒိသေသေန ဝါ ပါစိတ္တိယေန ဝါ၊ နိသဇ္ဇံ ဘိက္ခု

ပဋိဇာနဗာနေော တိဏ္ဍံ ဓမ္မာနံ အညတရေန ကာရေတဗ္ဗော  
 ပါရာဇိကေန ဝါ သံဃာဒိသေသေန ဝါ ပါစိတ္တိယေန ဝါ၊  
 ယေန ဝါ သာ သဒ္ဓေယျဝစသာ ဥပါသိကာ ဝဒေယျ၊ တေန  
 သော ဘိက္ခု ကာရေတဗ္ဗော၊ အယံ ဓမ္မော အနိယတော။

ဒုတိယ အနိယတ သိက္ခာစာ

၂။ \*န ဟေဝ ခေါ ပန ပဋိစ္ဆန္တံ အာသနံ ဟောတိ၊  
 နာလံကမ္မနိယံ၊ အလဉ္စ ခေါ ဟောတိ မာတုဂါမံ ဒုဋ္ဌုလ္လာဟိ  
 ဝါစာဟိ ဩဘာသိတုံ၊ ယော ပန ဘိက္ခု တထာရူပေ  
 အာသနေ မာတုဂါမေန သဒ္ဓိံ ဧကော ဧကာယ ရဟော  
 နိသဇ္ဇံ ကပ္ပေယျ၊ တမေနံ သဒ္ဓေယျဝစသာ ဥပါသိကာ  
 ဒိသ္မာ ဒိန္တံ ဓမ္မာနံ အညတရေန ဝဒေယျ သံဃာဒိသေသေန  
 ဝါ ပါစိတ္တိယေန ဝါ၊ နိသဇ္ဇံ ဘိက္ခု ပဋိဇာနဗာနေော ဒိန္တံ  
 ဓမ္မာနံ အညတရေန ကာရေတဗ္ဗော သံဃာဒိသေသေန  
 ဝါ ပါစိတ္တိယေန ဝါ၊ ယေန ဝါ သာ သဒ္ဓေယျဝစသာ  
 ဥပါသိကာ ဝဒေယျ၊ တေန သော ဘိက္ခု ကာရေတဗ္ဗော၊  
 အယမ္ပိ ဓမ္မော အနိယတော။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါ အာယသ္မန္တော ဒွေ အနိယတာ ဓမ္မာ။  
 တတ္ထာယသ္မန္တေ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစိတ္တ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယမ္ပိ  
 ပုစ္ဆာမိ၊ ကစိတ္တ ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစိတ္တ  
 ပရိသုဒ္ဓါ၊ ပရိသုဒ္ဓေတ္ထာယသ္မန္တော၊ တသ္မာ တုဏှိ၊ ဧဝမေတံ  
 ဓာရယာမိတိ။

အနိယတော နိဋ္ဌိတော။

နိဿဂ္ဂိယ ပါစိတ္တိယ

ဣဗေ ခေါ ပနာယသ္မန္တော တိံသ နိဿဂ္ဂိယာ ပါစိတ္တိယာ  
ဓမ္မာ ဥဒ္ဓေသံ အာဂစ္ဆန္တိ။

ကထိနဝဂ္ဂ

ကထိန သိက္ခာပဒ

၁။ နိဋ္ဌိတစိဝရသ္မိံ ဘိက္ခုနာ ဥပ္ပတသ္မိံ ကထိနေ  
ဒဿာဟပရမံ အတိရေကစိဝရံ ဓာရေတဗ္ဗံ၊ တံ အတိက္ကာမ-  
ယကော နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ဥပစာဏိတ သိက္ခာပဒ

၂။ နိဋ္ဌိတစိဝရသ္မိံ ဘိက္ခုနာ ဥပ္ပတသ္မိံ ကထိနေ  
ဧကရတ္တမ္ပိ စေ ဘိက္ခု တိစိဝရေန ဝိပ္ပဝသေယျ အညတြ  
ဘိက္ခုသမ္ပုတိယာ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

အကာလစိဝရ သိက္ခာပဒ

၃။ နိဋ္ဌိတစိဝရသ္မိံ ဘိက္ခုနာ ဥပ္ပတသ္မိံ ကထိနေ  
ဘိက္ခုနော ပနော အကာလစိဝရံ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ၊ အာကန္တ-  
မာနေန ဘိက္ခုနာ ပဋိဂ္ဂဟေတဗ္ဗံ၊ ပဋိဂ္ဂဟေတွာ ဝိပ္ပမေဝ  
ကာရေတဗ္ဗံ၊ နော စ'ဿ ပါရိပူရိ၊ မာသပရမံ တေန  
ဘိက္ခုနာ တံ စိဝရံ နိက္ခိပိတဗ္ဗံ ဥိနဿ ပါရိပူရိယာ  
သတိယာ ပစ္စာသာယ။ တတော စေ ဥတ္တရိ နိက္ခိပေယျ  
သတိယာပိ ပစ္စာသာယ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ပုရာဏ စီဝရ သိက္ခာပဒ

၄။ \* ယော ပန ဘိက္ခု အညာတိကာယ ဘိက္ခုနိယာ ပုရာဏစီဝရံ ဓောဝါပေယျ ဝါ ရဇာပေယျ ဝါ အာကော-  
ဋ္ဌာပေယျ ဝါ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

စီဝရ ပဋိဂ္ဂဟဏ သိက္ခာပဒ

၅။ \* ယော ပန ဘိက္ခု အညာတိကာယ ဘိက္ခုနိယာ  
ဟတ္ထတော စီဝရံ ပဋိဂ္ဂဟေယျ အညတြ ပါရိဝတ္တကာ၊  
နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

အညာတက ဝိညတ္တိ သိက္ခာပဒ

၆။ ယော ပန ဘိက္ခု အညာတကံ ဂဟပတိံ ဝါ ဂဟ-  
ပတာနိံ ဝါ စီဝရံ ဝိညာပေယျ အညတြ သမယာ၊ နိဿဂ္ဂိယံ  
ပါစိတ္တိယံ။ တတ္ထာယံ သမယော၊ အစ္ဆိန္ဒစီဝရော ဝါ  
ဟောတိ ဘိက္ခု၊ နဋ္ဌစီဝရော ဝါ၊ အယံ တတ္ထ သမယော။

တတုတ္တရိ သိက္ခာပဒ

၇။ တဉ္စေ အညာတကော ဂဟပတိ ဝါ ဂဟပတာနိ  
ဝါ ဗဟူဟိ စီဝရေဟိ အဘိဟဋ္ဌံ ပဝါရေယျ၊ သန္တရုတ္တရ-  
ပရမံ တေန ဘိက္ခုနာ တတော စီဝရံ သာဒိတဗ္ဗံ။ တတော  
စေ ဥတ္တရိ သာဒိယေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ပဌမ ဥပက္ခန္ဓ သိက္ခာပဒ

၈။ ဘိက္ခု ပနော ဥဒ္ဓိဿ အညာတကဿ ဂဟပတိဿ  
ဝါ ဂဟပတာနိယာ ဝါ စီဝရစေတာပန္နံ ဥပက္ခန္ဓံ ဟောတိ  
“ဣမိနာ စီဝရစေတာပန္နေန စီဝရံ စေတာပေတွာ ဣတ္ထ-  
န္တာမံ ဘိက္ခု စီဝရေန အစ္ဆာဒေဿာမီ” ဟိ၊ တတြ စေ သော

ဘိက္ခု ပုဗ္ဗေ အပ္ပဝါရိတော ဥပသင်္ကမိတွာ စိဝရေ ဝိကပ္ပံ  
အာပဇ္ဇေယျ “သာဓု ဝတ မံ အာယသ္မော ဣမိနာ စိဝရစေ-  
တာပန္နေန ဧဝရူပံ ဝါ ဧဝရူပံ ဝါ စိဝရံ စေတာပေတွာ  
အစ္ဆာဒေဟိ”တိ ကလျာဏကမ္ပတံ ဥပါဒါယ၊ နိဿဂ္ဂိယံ  
ပါစိတ္တိယံ”။

ဒုတိယ ဥပက္ခန္ဓ သိက္ခာပဒ

၉။ ဘိက္ခု ပနေဝ ဥဒ္ဓိဿ ဥဘိန္တံ အညာတကာနံ ဂဟ-  
ပတိနံ ဝါ ဂဟပတာနိနံ ဝါ ပဇ္ဇေကစိဝရစေတာပန္နာနိ  
ဥပက္ခန္ဓာနိ ဟောန္တိ “ဣမေဟိ မယံ ပဇ္ဇေကစိဝရစေတာ-  
ပန္နေဟိ ပဇ္ဇေကစိဝရာနိ စေတာပေတွာ ဣတ္ထန္တာမံ ဘိက္ခု  
စိဝရေဟိ အစ္ဆာဒေဿာမာ”တိ၊ တတြ စေ သော ဘိက္ခု  
ပုဗ္ဗေ အပ္ပဝါရိတော ဥပသင်္ကမိတွာ စိဝရေ ဝိကပ္ပံ အာပဇ္ဇေ-  
ယျ “သာဓု ဝတ မံ အာယသ္မန္တော ဣမေဟိ ပဇ္ဇေကစိဝရ-  
စေတာပန္နေဟိ ဧဝရူပံ ဝါ ဧဝရူပံ ဝါ စိဝရံ စေတာပေတွာ  
အစ္ဆာဒေတ ဥဘောဝ သန္တာ ဧကေနာ”တိ ကလျာဏ-  
ကမ္ပတံ ဥပါဒါယ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ”။

ရာဇ သိက္ခာပဒ

၁၀။ ဘိက္ခု ပနေဝ ဥဒ္ဓိဿ ရာဇော ဝါ ရာဇဘောဂ္ဂေါ  
ဝါ မြာဟ္မဏော ဝါ ဂဟပတိကော ဝါ ဒူတေန စိဝရစေ-  
တာပန္နံ ပဟိဏေယျ “ဣမိနာ စိဝရစေတာပန္နေန စိဝရံ  
စေတာပေတွာ ဣတ္ထန္တာမံ ဘိက္ခု စိဝရေန အစ္ဆာဒေဟိ”တိ။  
သော စေ ဒူတော တံ ဘိက္ခု ဥပသင်္ကမိတွာ ဧဝံ ဝဒေယျ  
“ဣဒံ ခေါ ဘန္တေ အာယသ္မန္တံ ဥဒ္ဓိဿ စိဝရစေတာပန္နံ

အာဘတံ၊ ပဋိဂ္ဂဏှာတု အာယသ္မာ စိဝရစေတာပန္နံ”န္တိ။  
 တေန ဘိက္ခုနာ သော ဒူတော ဧဝမဿ ဝစနိယော “န  
 ခေါ မယံ အာဂုသော စိဝရစေတာပန္နံ ပဋိဂ္ဂဏှာမ၊ စိဝရဉ္စ  
 ခေါ မယံ ပဋိဂ္ဂဏှာမ ကာလေန ကပ္ပိယ”န္တိ။ သော စေ  
 ဒူတော တံ ဘိက္ခုံ ဧဝံ ဝဒေယျ “အတ္ထိ ပနာယသ္မတော  
 ကောစိ ဝေယျာဝစ္စကရော”တိ။ စိဝရတ္ထိကေန ဘိက္ခဝေ  
 ဘိက္ခုနာ ဝေယျာဝစ္စကရော နိဒ္ဒိသိတဗ္ဗော အာရာမိကော  
 ဝါ ဥပါသကော ဝါ “ဧသော ခေါ အာဂုသော ဘိက္ခုနံ  
 ဝေယျာဝစ္စကရော”တိ။ သော စေ ဒူတော တံ ဝေယျာဝစ္စ-  
 ကရံ သညာပေတွာ တံ ဘိက္ခုံ ဥပသင်္ကမိတွာ ဧဝံ ဝဒေယျ  
 “ယံ ခေါ ဘန္တေ အာယသ္မာ ဝေယျာဝစ္စကရံ နိဒ္ဒိသိ၊  
 သညတ္တော သော မယာ၊ ဥပသင်္ကမတာယသ္မာ ကာလေန၊  
 စိဝရေန တံ အစ္စာဒေဿတိ”တိ။ စိဝရတ္ထိကေန ဘိက္ခဝေ  
 ဘိက္ခုနာ ဝေယျာဝစ္စကရော ဥပသင်္ကမိတွာ ဒုတ္တိက္ခတ္တံ  
 စောဒေတဗ္ဗော သာရေတဗ္ဗော “အတ္တော မေ အာဂုသော  
 စိဝရေနာ”တိ၊ ဒုတ္တိက္ခတ္တံ စောဒယမာနော သာရယမာနော  
 တံ စိဝရံ အဘိနိပ္ပါဒေယျ၊ ဣစ္စေတံ ကုသလံ။ နော စေ  
 အဘိနိပ္ပါဒေယျ၊ စတုက္ခတ္တံ ပဉ္စက္ခတ္တံ ဆက္ခတ္တုပရမံ တုဏှိ-  
 ဘူတေန ဥဒ္ဓိဿ ဌာတဗ္ဗံ၊ စတုက္ခတ္တံ ပဉ္စက္ခတ္တံ ဆက္ခတ္တုပရမံ  
 တုဏှိဘူတော ဥဒ္ဓိဿ တိဋ္ဌမာနော တံ စိဝရံ အဘိနိပ္ပါဒေယျ၊  
 ဣစ္စေတံ ကုသလံ။ တတော စေ ဥတ္တရိ ဝါယမမနော  
 တံ စိဝရံ အဘိနိပ္ပါဒေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။  
 နော စေ အဘိနိပ္ပါဒေယျ၊ ယတ’ဿ စိဝရစေတာပန္နံ  
 အာဘတံ၊ တတ္ထ သာမံ ဝါ ဂန္တဗ္ဗံ၊ ဒူတော ဝါ ပါဟေ-  
 တဗ္ဗော “ယံ ခေါ တုမေ အာယသ္မန္တော ဘိက္ခုံ ဥဒ္ဓိဿ  
 စိဝရစေတာပန္နံ ပဟိဏိတ္ထ၊ န တံ တဿ ဘိက္ခုနော ကိဉ္စိ

အတ္တံ အနုဘောတိ၊ ယုဉ္ဇန္တောယသုန္ဓော သကံ၊ မာ ဝေါ သကံ ဝိနဿာ”တိ၊ အယံ တတ္ထ သာမိဓိ”။

ကထိနဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

### ကောသိယဝဂ္ဂ

ကောသိယ သိက္ခာပဒ

၁၁။ \*ယော ပန ဘိက္ခု၊ ကောသိယမိဿကံ သန္တတံ ကာရာပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ”။

သ္မု ကာဠက သိက္ခာပဒ

၁၂။ \*ယော ပန ဘိက္ခု၊ သုဒ္ဓကာဠကာနံ ဇ္ဇေကလောမာနံ သန္တတံ ကာရာပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ”။

ဒွေဘာဂ သိက္ခာပဒ

၁၃။ \*နဝံ ပန ဘိက္ခုနာ သန္တတံ ကာရယမာနေန ဒွေ ဘာဂါ သုဒ္ဓကာဠကာနံ ဇ္ဇေကလောမာနံ အာဒါတဗ္ဗာ၊ တတိယံ ဩဒါတာနံ၊ စတုတ္ထံ ဂေါစရိယာနံ။ အနာဒါ စေ ဘိက္ခု၊ ဒွေ ဘာဂေ သုဒ္ဓကာဠကာနံ ဇ္ဇေကလောမာနံ၊ တတိယံ ဩဒါတာနံ၊ စတုတ္ထံ ဂေါစရိယာနံ နဝံ သန္တတံ ကာရာပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ”။

ဆဗ္ဗထ သိက္ခာပဒ

၁၄။ \*နဝံ ပန ဘိက္ခုနာ သန္တတံ ကာရာပေတွာ ဆဗ္ဗဿာနိ ဓာရေတဗ္ဗံ၊ ဩရေန စေ ဆန္တံ ဝဿာနံ တံ သန္တတံ ဝိဿဇ္ဇေတွာ ဝါ အဝိဿဇ္ဇေတွာ ဝါ အညံ နဝံ သန္တတံ ကာရာပေယျ၊ အညတြ ဘိက္ခုသမ္ပုတိယာ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ”။

နိဿိဒန သန္တတ သိက္ခာပဒ

၁၅။ \*နိဿိဒနသန္တတံ ပန ဘိက္ခုနာ ကာရယမာနေန ပုရာဏသန္တတဿ သာမန္တာ သုဂတဝိဒတ္ထိ အာဒါတဗ္ဗာ ဒုဗ္ဗဏ္ဏကရဏာယ။ အနာဒါ စေ ဘိက္ခု ပုရာဏသန္တတဿ သာမန္တာ သုဂတဝိဒတ္ထိ နဝံ နိဿိဒနသန္တတံ ကာရာဓေ ယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ဣန္ဒက လောမ သိက္ခာပဒ

၁၆။ \*ဘိက္ခုနော ပနေဝ အဒ္ဓါနမဂ္ဂပ္ပဋိပန္နဿ ဣန္ဒက-  
လောမာနိ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ။ အာကင်္ခမာနေန ဘိက္ခုနာ ပဋိဂ္ဂဟေ-  
တဗ္ဗာနိ၊ ပဋိဂ္ဂဟေတွာ တိယောဇနပရမံ သဟတ္တာ ဟရိ-  
တဗ္ဗာနိ အသန္တေ ဟာရကေ။ တတော စေ ဥတ္တရိ ဟရေယျ  
အသန္တေပိ ဟာရကေ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ဣန္ဒက လောမ ဓောဝါယန သိက္ခာပဒ

၁၇။ \*ယော ပန ဘိက္ခု အညာတိကာယ ဘိက္ခုနိယာ  
ဣန္ဒကလောမာနိ ဓောဝါပေယျ ဝါ ရဇာပေယျ ဝါ ဝိဇ္ဇာ-  
ပေယျ ဝါ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ဣပ္ပိယ သိက္ခာပဒ

၁၈။ ယော ပန ဘိက္ခု ဇာတရူပရဇတံ ဥဂ္ဂဏေယျ ဝါ  
ဥဂ္ဂဏာပေယျ ဝါ ဥပနိက္ခိတ္တံ ဝါ သာဒိယေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ  
ပါစိတ္တိယံ။

ဣပ္ပိယ သံဝေါဟာရ သိက္ခာပဒ

၁၉။ ယော ပန ဘိက္ခု နာနပ္ပကာရကံ ဣပ္ပိယသံ-  
ဝေါဟာရံ သမာပဇ္ဇေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ကယ ဝိက္ကယ သိက္ခာပဒ

၂၀။ ယော ပန ဘိက္ခု နာနပ္ပကာရကံ ကယဝိက္ကယံ သမာပဇ္ဇေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ကောသိယဝဂ္ဂေါ ဒုတိယော။

### ပတ္တဝဂ္ဂ

ပတ္တ သိက္ခာပဒ

၂၁။ \*ဒဿာဟပရမံ အတိရေကပတ္တော ဓာရေတဗ္ဗော။ တံ အတိက္ကာမယတော နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ဥန ပဉ္စဗန္ဓန သိက္ခာပဒ

၂၂။ ယော ပန ဘိက္ခု ဥနပဉ္စဗန္ဓနေန ပတ္တေန အညံ နဝံ ပတ္တံ စေတာပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။ တေန ဘိက္ခုနာ သော ပတ္တော ဘိက္ခုပရိသာယ နိဿဠိတဗ္ဗော၊ ယော စ တဿာ ဘိက္ခုပရိသာယ ပတ္တပရိယန္တော၊ သော တဿ ဘိက္ခုနော ပဒါတဗ္ဗော “အယံ တေ ဘိက္ခု ပတ္တော ယာဝ ဘေဒနာယ ဓာရေတဗ္ဗော”တိ၊ အယံ တတ္ထ သာဇိမိ။

ဘေသဗ္ဗ သိက္ခာပဒ

၂၃။ ယာနိ ခေါ ပန တာနိ ဂိလာနာနံ ဘိက္ခုနံ ပဋိသာယနိယာနိ ဘေသဗ္ဗာနိ၊ သေယျထိဒံ၊ သပ္ပိ နဝနိတံ တေလံ မဓု ဖာဏိတံ၊ တာနိ ပဋိဂ္ဂဟေတွာ သတ္တာဟပရမံ သန္တိမိကာရကံ ပရိဘုဉ္ဇိတဗ္ဗာနိ။ တံ အတိက္ကာမယတော နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ဝဏ္ဏိကသာဒ္ဓိက သိက္ခာပဒ

၂၄။ \* “မာသော သေသော ဂိမ္မာန”န္တိ ဘိက္ခုနာ  
ဝဏ္ဏိကသာဒ္ဓိကစိဝရံ ပရိယေသိတဗ္ဗံ။ “အဋ္ဌမာသော  
သေသော ဂိမ္မာန”န္တိ ကတွာ နိဝါသေတဗ္ဗံ။ ဩရေန စေ  
“မာသော သေသော ဂိမ္မာန”န္တိ ဝဏ္ဏိကသာဒ္ဓိကစိဝရံ  
ပရိယေသေယျ။ “ဩရေနဋ္ဌမာသော သေသော ဂိမ္မာန”န္တိ  
ကတွာ နိဝါသေယျ။ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ”။

ပိဝေကစွန့်န သိက္ခာပဒ

၂၅။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုဿ သာမံ စိဝရံ ဒတွာ  
ကုပိတော အနတ္တမနော အတ္ထိန္ဒေယျ ဝါ အတ္ထိန္ဒာပေယျ ဝါ။  
နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ”။

သုတ္တဝိညတ္တိ သိက္ခာပဒ

၂၆။ ယော ပန ဘိက္ခု သာမံ သုတ္တံ ဝိညာပေတွာ  
တန္တဝါယေဟိ စိဝရံ ဝါယာပေယျ။ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ”။

မဟာပေသကာရ သိက္ခာပဒ

၂၇။ ဘိက္ခု ပနေဝ ဥဒ္ဓိဿ အညာတကော ဂဟပတိ  
ဝါ ဂဟပတာနိ ဝါ တန္တဝါယေဟိ စိဝရံ ဝါယာပေယျ။  
တဏှံ စေ သော ဘိက္ခု ပုဗ္ဗေ အပ္ပဝါရိတော တန္တဝါယေ  
ဥပသင်္ကမိတွာ စိဝရေ ဝိကပ္ပံ အာပဇ္ဇေယျ “ဣဒံ ခေါ  
အာရသော စိဝရံ မံ ဥဒ္ဓိဿ ဝိယျတိ။ အာယတဉ္စ ကရောထ။  
ပိတ္တတဉ္စ အပ္ပိတဉ္စ သုဝိတဉ္စ သုပ္ပဝါယိတဉ္စ သုဝိလေခိ-  
တဉ္စ သုဝိတန္တိတဉ္စ ကရောထ။ အပ္ပဝ နာမ မယဗ္ဗိ  
အာယသုန္တာနံ ဂိဗ္ဗိယန္တံ အနုပဇ္ဇေယျာမာ”တိ။ ဧသေ

ဘိက္ခု ဝတော ကိဉ္စိမတ္တံ အနုပဒဇ္ဇေယျ အန္တမသော  
ဝိဇ္ဇာပါတမတ္တမ္ပိ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

အဇ္ဈက စိဝရ သိက္ခာဟ

၂၈။ ဒဿာဟာနာဂတံ ကတ္တိကတေမာသိကပုဏ္ဏမံ  
ဘိက္ခုနော ပနေဝ အဇ္ဈကစိဝရံ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ၊ အဇ္ဈကံ  
မညမာနေန ဘိက္ခုနာ ပဋိဂ္ဂဟေတဗ္ဗံ၊ ပဋိဂ္ဂဟေတွာ ယာဝ  
စိဝရကာလသမယံ နိက္ခိပိတဗ္ဗံ။ တတော စေ ဥတ္တရိ  
နိက္ခိပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

သာသကံ သိက္ခာဟ

၂၉။ \*ဥပဝဿံ ခေါ ပန ကတ္တိကပုဏ္ဏမံ ယာနိ ခေါ  
ပန တာနိ အာရညကာနိ သေနာသနာနိ သာသကံသမ္ပတာနိ  
သပ္ပဋိဘယာနိ၊ တထာရူပေသု ဘိက္ခု သေနာသနေသု  
ဝိဟရန္တော အာကင်္ခမာနော တိဏ္ဍံ စိဝရာနံ အညတရံ  
စိဝရံ အန္တရသရေ နိက္ခိပေယျ၊ သိယာ စ တဿ ဘိက္ခုနော  
ကောစိဒေဝ ပစ္စယော တေန စိဝရေန ဝိပွဝါသာယ၊  
ဆာရတ္ထပရမံ တေန ဘိက္ခုနာ တေန စိဝရေန ဝိပွဝသိတဗ္ဗံ။  
တတော စေ ဥတ္တရိ ဝိပွဝသေယျ အညတြိ ဘိက္ခု-  
သမ္ပုတိယာ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ပရိဏာတ သိက္ခာဟ

၃၀။ ယော ပန ဘိက္ခု ဇာနံ သံသိကံ လာဘံ ပရိဏာတံ  
အတ္တနော ပရိဏာမေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ပတ္တဝဂ္ဂေါ တတိယော။

ဥဒ္ဓိန္ဒာ ခေါ် အာယသ္မန္တော တိံသ နိဿဂ္ဂိယာ  
 ပါစိတ္တိယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထာယသ္မန္တေ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ  
 ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယမ္ပိ  
 ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ပရိသုဒ္ဓေတ္ထာယသ္မန္တော၊ တသ္မာ  
 တုဏှိ၊ ဧဝမေတံ ဓာရယာမိတိ။

နိဿဂ္ဂသ ပါစိတ္တိယာ နိဋ္ဌိတာ။

### သုဒ္ဓါပါစိတ္တိယ

ဣမေ ခေါ် ပနာယသ္မန္တော ဒွေ နဂုတိ ပါစိတ္တိယာ  
 ဓမ္မာ ဥဒ္ဓေသံ အာဂစ္ဆန္တိ။

### မုသာဝါဒဝဂ္ဂ

မုသာဝါဒ သိက္ခာပဒ

၁။ သမ္ပဇာနမုသာဝါဒေ ပါစိတ္တိယံ။

ဩမသဝါဒ သိက္ခာပဒ

၂။ ဩမသဝါဒေ ပါစိတ္တိယံ။

ပေသုည သိက္ခာပဒ

၃။ ဘိက္ခုပေသုညေ ပါစိတ္တိယံ။

ပဒသောဓမ္မ သိက္ခာပဒ

၄။ ယော ပန ဘိက္ခု အနုပသမ္ပန္တံ ပဒသော ဓမ္မံ  
 ဝါစေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ပဌမ သဟသေယျ သိက္ခာယ

၅။ ယော ပန ဘိက္ခု အနုပသမ္ပန္နေန ဥတ္တရိဒိရတ္တတိရတ္တံ  
သဟသေယျံ ကပ္ပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဒုတိယ သဟသေယျ သိက္ခာယ

၆။ ယော ပန ဘိက္ခု မာတုဂါမေန သဟသေယျံ  
ကပ္ပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဓမ္မ ဒေသနာ သိက္ခာယ

၇။ ယော ပန ဘိက္ခု မာတုဂါမဿ ဥတ္တရိဆပ္ပဉ္စ-  
ဝါစာဟိ ဓမ္မံ ဒေသေယျ အညတြိ ဝိညနာ ပုရိသဝိဂ္ဂဟေန၊  
ပါစိတ္တိယံ။

ဘူတာရောစန သိက္ခာယ

၈။ ယော ပန ဘိက္ခု အနုပသမ္ပန္နဿ ဥတ္တရိမနဿ-  
ဓမ္မံ အာရောစေယျ၊ ဘူတသ္မိံ ပါစိတ္တိယံ။

ဒုဋ္ဌုလ္လာရောစန သိက္ခာယ

၉။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုဿ ဒုဋ္ဌုလ္လံ အာပတ္တိံ  
အနုပသမ္ပန္နဿ အာရောစေယျ အညတြိ ဘိက္ခုသမ္ပုတိယာ၊  
ပါစိတ္တိယံ။

ပထဝီ ခဏန သိက္ခာယ

၁၀။ ယော ပန ဘိက္ခု ပထဝီ ခဏေယျ ဝါ ခဏာ-  
ပေယျ ဝါ ပါစိတ္တိယံ။

မုသာဝါဒဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

၁-ဝိ ၂၊၂၇။

၄-ဝိ ၂၊၃၇။

၂-ဝိ ၂၊၃၁။

၅-ဝိ ၂၊၄၇။

၃-ဝိ ၂၊၃၄။

၆-ဝိ ၂၊၄၉။

## ဘူတဂါမဝဂ္ဂ

ဘူထဂါမ သိက္ခာပဒ

၁၁။ ဘူတဂါမပါတဗျတာယ ပါစိတ္တိယံ။

အညဝါဒက သိက္ခာပဒ

၁၂။ အညဝါဒကေ၊ ဝိဟေသကေ ပါစိတ္တိယံ။

ဥဇ္ဈာပနက သိက္ခာပဒ

၁၃။ ဥဇ္ဈာပနကေ၊ ဝိယျာနကေ ပါစိတ္တိယံ။

ပဌမ သေနာသန သိက္ခာပဒ

၁၄။ ယော ပန ဘိက္ခု သံဃိကံ မဉ္ဇ ဝါ ဝိဋ္ဌ ဝါ ဘိသိ  
 ဝါ ကောဉ္စ ဝါ အဇ္ဈောကာသေ သန္တရိတွာ ဝါ  
 သန္တရာပေတွာ ဝါ တံ ပက္ကမန္တော နေဝ ဥဒ္ဓရေယျ၊ န  
 ဥဒ္ဓရာပေယျ၊ အနာပုဉ္စ ဝါ ဂစ္ဆေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဒုတိယ သေနာသန သိက္ခာပဒ

၁၅။ ယော ပန ဘိက္ခု သံဃိကေ ဝိဟာရေ သေယျံ  
 သန္တရိတွာ ဝါ သန္တရာပေတွာ ဝါ တံ ပက္ကမန္တော နေဝ  
 ဥဒ္ဓရေယျ၊ န ဥဒ္ဓရာပေယျ၊ အနာပုဉ္စ ဝါ ဂစ္ဆေယျ၊  
 ပါစိတ္တိယံ။

အနုပဓဇ္ဇ သိက္ခာပဒ

၁၆။ ယော ပန ဘိက္ခု သံဃိကေ ဝိဟာရေ ဇာနံ  
 ပုဗ္ဗုပဂတံ ဘိက္ခု အနုပဓဇ္ဇ သေယျံ ကပ္ပေယျ “ယဿ  
 သမ္မာဓော ဘဝိဿဘိ၊ သော ပက္ကမိဿတိ”တိ ဧတဒေဝ  
 ပစ္စယံ ကရိတွာ အနညံ၊ ပါစိတ္တိယံ။

နိက္ကမ္မန သိက္ခာပဒ

၁၇။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခု ကုပိတော အနတ္တမနော  
သံဃိကာ ဝိဟာရာ နိက္ကမေယျ ဝါ နိက္ကမာပေယျ ဝါ၊  
ပါဏိတ္တိယံ။

ဝေဟာသကုဋိ သိက္ခာပဒ

၁၈။ ယော ပန ဘိက္ခု သံဃိကေ ဝိဟာရေ ဥပရိ-  
ဝေဟာသကုဋိယာ အာဟစ္စပါဒကံ မဉ္ဇ ဝါ ဝိဠ ဝါ  
အဘိနိသီဒေယျ ဝါ အဘိနိပဇ္ဇေယျ ဝါ၊ ပါဏိတ္တိယံ။

မဟလ္လကင်္ဂဟာရ သိက္ခာပဒ

၁၉။ မဟလ္လကံ ပန ဘိက္ခုနာ ဝိဟာရံ ကာရယမာနေန  
ယာဝ ခွါရကောသာ အဂ္ဂဋ္ဌပနာယ အာလောက-  
သန္ဓိပရိကမ္ဘာယ ခုတ္တိစ္ဆဒနဿ ပရိယာယံ အပ္ပဟရိတေ  
ဌိတေန အဓိဋ္ဌာတဗ္ဗံ၊ တတော စေ ဥတ္တရိ အပ္ပဟရိတေပိ  
ဌိတော အဓိဋ္ဌဟေယျ၊ ပါဏိတ္တိယံ။

သပ္ပါဏက သိက္ခာပဒ

၂၀။ ယော ပန ဘိက္ခု ဇာနံ သပ္ပါဏကံ ဥဒကံ တိဏံ  
ဝါ မတ္တိကံ ဝါ သိဇ္ဈေယျ ဝါ သိဘာပေယျ ဝါ၊ ပါဏိတ္တိယံ။  
ဣတဂါမဝဂ္ဂေါ ဒုတိယော။

## ဩဝါဒဝဂ္ဂ

ဩဝါဒ သိက္ခာပဒ

၂၁။ \*ယော ပန ဘိက္ခု အသမ္ပတော ဘိက္ခုနိယော  
ဩဝဒေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

အတ္တင်္ဂသိက္ခာပဒ

၂၂။ \*သမ္ပတောပိ စေ ဘိက္ခု အတ္တင်္ဂတေ သူရိယေ  
ဘိက္ခုနိယော ဩဝဒေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဘိက္ခုနုပဿယ သိက္ခာပဒ

၂၃။ \*ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုနုပဿယံ ဥပသင်္က-  
မိတွာ ဘိက္ခုနိယော ဩဝဒေယျ အညတြ သမယာ၊ ပါ-  
စိတ္တိယံ။ တတ္ထာယံ သမယော၊ ဂိလာနာ ဟောတိ ဘိက္ခုနိ၊  
အယံ တတ္ထ သမယော။

အာနိသ သိက္ခာပဒ

၂၄။ \*ယော ပန ဘိက္ခု ဧဝံ ဝဒေယျ “အာနိသဟေဟု  
ထေရာ ဘိက္ခု ဘိက္ခုနိယော ဩဝဒန္တိ”တိ၊ ပါစိတ္တိယံ။

စိဝရ ခါန သိက္ခာပဒ

၂၅။ \*ယော ပန ဘိက္ခု အညာတိကာယ ဘိက္ခုနိယာ  
စိဝရံ ဝဒေယျ အညတြ ပါရိဝတ္တကာ၊ ပါစိတ္တိယံ။

စိဝရ သိဗ္ဗန သိက္ခာပဒ

၂၆။ \*ယော ပန ဘိက္ခု အညာတိကာယ ဘိက္ခုနိယာ  
စိဝရံ သိဗ္ဗေယျ ဝါ သိဗ္ဗာပေယျ ဝါ၊ ပါစိတ္တိယံ။

သံဝိဇာန သိက္ခာပဒ

၂၇။ \*ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုနိယာ သဒ္ဓိံ သံဝိဇာယ  
ဧကန္တါနမဂ္ဂံ ပဋိပဇ္ဇေယျ အန္တမသော ဂါမန္တရဗ္ဗိ အညတြ  
သမယာ၊ ပါမိတ္တိယံ။ တတ္ထာယံ သမယော၊ သတ္တဂမနီယော  
ဟောတိ မဂ္ဂေါ၊ သာသင်္ဂသမ္ပတော၊ သပ္ပဋိဘယော၊ အယံ  
တတ္ထ သမယော။

နာဘိဘိရဟန သိက္ခာပဒ

၂၈။ \*ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုနိယာ သဒ္ဓိံ သံဝိဇာယ  
ဧကံ နာဝံ အဘိရဟေယျ ဥဒ္ဓံဂါမိနံ ဝါ အဓောဂါမိနံ ဝါ  
အညတြ တိရိယံ တရဏာယ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ပရိပါမိတ သိက္ခာပဒ

၂၉။ \*ယော ပန ဘိက္ခု ဇာနံ ဘိက္ခုနိပရိပါမိတံ  
ပိဏ္ဍပါတံ ဘုဇ္ဈေယျ အညတြ ပုဗ္ဗ ဂိဟိသမာရန္တာ၊  
ပါမိတ္တိယံ။

ရာဟာနိသန္တ သိက္ခာပဒ

၃၀။ \*ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုနိကာ သဒ္ဓိံ ဧကော  
ဧကာယ ရဟော နိသန္တံ ကပ္ပေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဩဝါဒဝဂ္ဂေါ တတိယော။

## ဘောဇနဝဂ္ဂ

အာဇာတ ပိစ္ဆ သိက္ခာယ

၃၁။ အဂ္ဂိလာနေန ဘိက္ခုနာ ဧကော အာဝသထ-  
ပိဏ္ဏော ဘုဒ္ဓိတဗ္ဗော။ တတော စေ ဥတ္တရိ ဘုဉ္ဇေယျ၊  
ပါစိတ္တိယံ။

ဏတ ဘောဇန သိက္ခာယ

၃၂။ ဂဏဘောဇနေ အညတြ သမယာ ပါစိတ္တိယံ။  
တတ္ထာယံ သမယော၊ ဂိလာနသမယော စီဝရဒါနသမ-  
ယော စီဝရကာရသမယော အဒ္ဓါနဂမနသမယော နာဝါဘိ-  
ရုဟနသမယော မဟာသမယော သမဏဘတ္တသမယော၊  
အယံ တတ္ထ သမယော။

ပရမ္ပရ ဘောဇန သိက္ခာယ

၃၃။ \* ပရမ္ပရဘောဇနေ အညတြ သမယာ ပါစိတ္တိယံ။  
တတ္ထာယံ သမယော၊ ဂိလာနသမယော စီဝရဒါနသမယော  
စီဝရကာရသမယော၊ အယံ တတ္ထ သမယော။

ကဏ မာတု သိက္ခာယ

၃၄။ ဘိက္ခု ပနေဝ ကုလံ ဥပဂတံ ပူဝေဟိ ဝါ မန္တေဟိ  
ဝါ အဘိဟဋ္ဌံ ပဝါရေယျ၊ အာကန္ဓမာနေန ဘိက္ခုနာ  
ဒုတ္တိပတ္တပူရာ ပဋိဂ္ဂဟေတဗ္ဗာ။ တတော စေ ဥတ္တရိ ပဋိဂ္ဂ-  
ဏေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။ ဒုတ္တိပတ္တပူရေ ပဋိဂ္ဂဟေတွာ တတော  
နိဟရိတွာ ဘိက္ခုဟိ သဒ္ဓိံ သံဝိဘဇိတဗ္ဗံ၊ အယံ တတ္ထ  
သာမိဓိ။

ပဌမ ပဝါရဏာ သိက္ခာပဒ

၃၅။ \*ယော ပန ဘိက္ခု ဘုတ္တာဝိ ပဝါရိတော  
အနတ္တိရိတ္တံ ခါဒနီယံ ဝါ ဘောဇနီယံ ဝါ ခါဒေယျ ဝါ  
ဘုဇ္ဈေယျ ဝါ ပါစိတ္တိယံ။

ဒုတိယ ပဝါရဏာ သိက္ခာပဒ

၃၆။ \*ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခု ဘုတ္တာဝိ ပဝါရိတံ  
အနတ္တိရိတ္တေန ခါဒနီယေန ဝါ ဘောဇနီယေန ဝါ  
အဘိဟဋ္ဌံ ပဝါရေယျ “ဟန္တ ဘိက္ခု ခါဒ ဝါ ဘုဇ္ဈ ဝါ”တိ  
အာသာဒနာပေက္ခော၊ ဘုတ္တသ္မိံ ပါစိတ္တိယံ။

ဝိကာလ ဘောဇန သိက္ခာပဒ

၃၇။ ယော ပန ဘိက္ခု ဝိကာလေ ခါဒနီယံ ပါ  
ဘောဇနီယံ ဝါ ခါဒေယျ ဝါ ဘုဇ္ဈေယျ ဝါ၊ ပါစိတ္တိယံ။

သန္တိမိကာရကသိက္ခာပဒ

၃၈။ ယော ပန ဘိက္ခု သန္တိမိကာရကံ ခါဒနီယံ ဝါ  
ဘောဇနီယံ ဝါ ခါဒေယျ ဝါ ဘုဇ္ဈေယျ ဝါ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ပဏိတဘောဇန သိက္ခာပဒ

၃၉။ \*ယာနိ ခေါ ပန တာနိ ပဏိတဘောဇနာနိ၊  
သေယျထိဒံ၊ သပ္ပိ၊ နဝနိဘံ၊ တေလံ၊ မရ၊ ဖာဏိတံ၊ မစ္ဆော၊  
မံသံ၊ ဒိရံ၊ ဒမိ။ ယော ပန ဘိက္ခု ဧဝရူပါနိ ပဏိတ-  
ဘောဇနာပနိ အဂ္ဂိလာနော အတ္တနော အတ္တာယ ဝိညာ-  
ပေဟော ဘုဇ္ဈေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဓန္တပေါန သိက္ခာပဒ

၄၀။ ယော ပန ဘိက္ခု အဒိန္နံ မုခဒ္ဒါရံ အာဟာရံ  
အာဟာရေယျ အညတြ ဥပကဒန္တပေါနာ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဘောဇနဝဂ္ဂေါ စတုတ္ထော။

### အစေလကဝဂ္ဂ

အစေလက သိက္ခာပဒ

၄၁။ \*ယော ပန ဘိက္ခု အစေလကဿ ဝါ ပရိဗ္ဗာ-  
ဇကဿ ဝါ ပရိဗ္ဗာဇိကာယ ဝါ သဟတ္တာ ခါဒနီယံ ဝါ  
ဘောဇနီယံ ဝါ ဒဒေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဥယျောဇန သိက္ခာပဒ

၄၂။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခု “ဟောရသော၊ ဂါမံ ဝါ  
နိဂမံ ဝါ ပိဏ္ဍာယ ပဝိသိဿာမာ”တိ တဿ ဒါပေတွာ  
ဝါ အဒါပေတွာ ဝါ ဥယျောဇေယျ “ဂစ္ဆာရသော၊ န မေ  
တယာ သဒ္ဓိံ ကထာ ဝါ နိသဇ္ဇာ ဝါ ဖာသု ဟောတိ၊  
ဧကကဿ မေ ကထာ ဝါ နိသဇ္ဇာ ဝါ ဖာသု ဟောတိ”တိ  
ဧတဒေဝ ပစ္စယံ ကရိတွာ အနညံ၊ ပါစိတ္တိယံ။

သဘောဇန သိက္ခာပဒ

၄၃။ ယော ပန ဘိက္ခု သဘောဇနေ ကုလေ အနုပခဇ္ဇ  
နိသဇ္ဇံ ကပ္ပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ရဟော ပဋိစ္စန္တ သိက္ခာသမ္ဘ

၄၄။ ယော ပန ဘိက္ခု မာတုဂါမေန သဗ္ဗိံ ရဟော ပဋိစ္စန္တေ အာသနေ နိသဇ္ဇံ ကပ္ပေယျ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။

ရဟော နိသဇ္ဇ သိက္ခာသမ္ဘ

၄၅။ ယော ပန ဘိက္ခု မာတုဂါမေန သဗ္ဗိံ ဧကော ဧကာယ ရဟော နိသဇ္ဇံ ကပ္ပေယျ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။

စာရိတ္တ သိက္ခာသမ္ဘ

၄၆။ ယော ပန ဘိက္ခု နိမန္တိတော သဘတ္တော သမာနော သန္တံ ဘိက္ခု အနာပုစ္ဆာ ပုရောဘတ္တံ ဝါ ပစ္ဆာ-  
ဘတ္တံ ဝါ ကုလေသု စာရိတ္တံ အာပဇ္ဇေယျ အညတြိ  
သမယာ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။ တတ္ထာယံ သမယော၊ စိဝရဒါန-  
သမယော စိဝရကာရသမယော၊ အယံ တတ္ထ သမယော။

မဟာနာသ သိက္ခာသမ္ဘ

၄၇။ အဂ္ဂိလာနေန ဘိက္ခုနာ စတုမာသပ္ပစ္စယပဝါ-  
ရဏာ သာဒိတဗ္ဗာ အညတြိ ပုနပပါရဏာယ၊ အညတြိ  
နိစ္စပဝါရဏာယ။ တတော စေ ဥတ္တရိ သာဒိယေယျ၊  
ပါဠိတ္ထိယံ။

ဥယျုတ္တ သေနာ သိက္ခာသမ္ဘ

၄၈။ ယော ပန ဘိက္ခု ဥယျုတ္တံ သေနံ ဘဿနာယ  
ဂစ္ဆေယျ အညတြိ တထာရူပပ္ပစ္စယာ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။

သေနာသိသ သိက္ခာပစ္စည်း

၄၉။ သိယာ စ တဿ ဘိက္ခုနော ကောစိဒေဝ  
ပစ္စယော သေနံ ဂမနာယ၊ ဒိရတ္တတိရတ္တံ တေန ဘိက္ခုနာ  
သေနာယ ဝသိတဗ္ဗံ။ တတော စေ ဥတ္တရိ ဝသေယျ၊  
ပါစိတ္တိယံ။

ဥယျောဓိက သိက္ခာပစ္စည်း

၅၀။ ဒိရတ္တတိရတ္တံ စေ ဘိက္ခု သေနာယ ဝသမာနော  
ဥယျောဓိကံ ဝါ ဗလဂ္ဂံ ဝါ သေနာဗျူဟံ ဝါ အနိကဒဿနံ  
ဝါ ဂစ္ဆေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

အစေလကဝဂ္ဂေါ ပဉ္စမော။

### သုဇုပါနဝဂ္ဂ

သုဇုပါန သိက္ခာပစ္စည်း

၅၁။ သုရာမေရယပါနေ ပါစိတ္တိယံ။

အင်္ဂုလိ ပတောဒက သိက္ခာပစ္စည်း

၅၂။ အင်္ဂုလိပတောဒကေ ပါစိတ္တိယံ။

ဟသဓမ္မ သိက္ခာပစ္စည်း

၅၃။ ဥဒကေ ဟသဓမ္မေ ပါစိတ္တိယံ။

အနာဒရိယ သိက္ခာပစ္စည်း

၅၄။ အနာဒရိယေ ပါစိတ္တိယံ။

သီသာဗန သိက္ခာပဓ

၅၅။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခု၊ ဘိသေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဇောဏိ သိက္ခာပဓ

၅၆။ ယော ပန ဘိက္ခု၊ အဂ္ဂိလာနော ဝိသိဗ္ဗနာပေက္ခော  
ဇောတိံ သမာဒဟေယျ၊ ဝါ သမာဒဟာပေယျ၊ ဝါ အညတြ  
ဟထာရူပပ္ပစ္စယာ၊ ပါမိတ္တိယံ။

နဟာန သိက္ခာပဓ

၅၇။ ယော ပန ဘိက္ခု၊ ဩရေနဒ္ဓမာသံ နဟာယေယျ  
အညတြ သမယာ၊ ပါမိတ္တိယံ။ တတ္ထာယံ သမယော၊  
ဒိယဇော မာသော သေသော ဂိမ္မာနန္တိ ဝဿာနဿ  
ပဌမော မာသော ဣစ္စေတေ အမုတေယျမာသာ  
ဥက္ကသမယော၊ ပရိဋ္ဌာဟသမယော၊ ဂိလာနသမယော၊  
ကမ္မသမယော၊ အဒ္ဓါနဂမနသမယော၊ ဝါတဝုဋ္ဌိသမယော၊  
အယံ တတ္ထ သမယော။

ဒုဗ္ဗဏ္ဏ ကရုဏ သိက္ခာပဓ

၅၈။ နဝံ ပန ဘိက္ခုနာ ဝီဝရလာဘေန တိဏ္ဍံ ဒုဗ္ဗဏ္ဏ-  
ကရုဏာနံ အညတရံ ဒုဗ္ဗဏ္ဏကရုဏံ အာဒါတဗ္ဗံ နီလံ ပါ  
ကဒ္ဓမံ ဝါ ကာဠသာမံ ဝါ။ အနာဒါ ဧ ဘိက္ခု တိဏ္ဍံ  
ဒုဗ္ဗဏ္ဏကရုဏာနံ အညတရံ ဒုဗ္ဗဏ္ဏကရုဏံ နဝံ ဝီဝရံ  
ပရိဘုဉ္ဇေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဝိကပ္ပန သိက္ခာပဒ

၅၉။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုဿ ဝါ ဘိက္ခုနိယာ ဝါ သိက္ခမာနာယ ဝါ သာမဏေရဿ ဝါ သာမဏေရိယာ ဝါ သာမံ စိဝရံ ဝိကပ္ပေတွာ အပ္ပစ္စုဒ္ဓါရဏံ ပရိဘုဉ္ဇေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

အပနိဓာန သိက္ခာပဒ

၆၀။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုဿ ပတ္တံ ဝါ စိဝရံ ဝါ နိသီဒနံ ဝါ သူစိဃရံ ဝါ ကာယဗန္ဓနံ ဝါ အပနိဓေယျ ဝါ အပနိဓာပေယျ ဝါ အန္တမသော ဟဿာပေက္ခောပိ၊ ပါစိတ္တိယံ။

သုရာပါနဝဂ္ဂေါ ဆဋ္ဌော။

### သပ္ပါဏကဝဂ္ဂ

သဗ္ဗိစ္စ သိက္ခာပဒ

၆၁။ ယော ပန ဘိက္ခု သဗ္ဗိစ္စ ပါဏံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

သပ္ပါဏက သိက္ခာပဒ

၆၂။ ယော ပန ဘိက္ခု ဇာနံ သပ္ပါဏကံ ဥဒကံ ပရိဘုဉ္ဇေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဥာဏ္ဍာဋ္ဌန သိက္ခာပဒ

၆၃။ ယော ပန ဘိက္ခု ဇာနံ ယထာဓမ္မံ နိဟတာမိ-  
ကရဏံ ပုနကမ္ဘာယ ဥက္ကောဋ္ဌေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဇနုဇ္ဈ သိက္ခာပဒ

၆၄။ \*ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုဿ ဇာနံ ဒုဇ္ဈလံ အာပတ္တိံ ပဋိစ္ဆာဒေယျ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။

ဒ္ဓိန ဝိသတိဿ သိက္ခာပဒ

၆၅။ \*ယော ပန ဘိက္ခု ဇာနံ ဥနဝိသတိဝဿံ ပုဂ္ဂလံ ဥပသမ္ပာဒေယျ၊ သော စ ပုဂ္ဂလော အနုပသမ္ပန္နော၊ တေ စ ဘိက္ခု ဂါရယှာ၊ ဣဒံ တသ္မိံ ပါဠိတ္ထိယံ။

ထေယျသတ္တ သိက္ခာပဒ

၆၆။ ယော ပန ဘိက္ခု ဇာနံ ထေယျသတ္တေန သဒ္ဓိံ သံဝိဇာယ ကေဠာနမဂ္ဂံ ပဋိပဇ္ဇေယျ အန္တမသော ဂါမန္တရမ္ပိ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။

သံဝိဇာန သိက္ခာပဒ

၆၇။ \*ယော ပန ဘိက္ခု မာတုဂါမေန သဒ္ဓိံ သံဝိဇာယ ကေဠာနမဂ္ဂံ ပဋိပဇ္ဇေယျ အန္တမသော ဂါမန္တရမ္ပိ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။

အနိစ္စ သိက္ခာပဒ

၆၈။ ယော ပန ဘိက္ခု ဧဝံ ဝဒေယျ “တထာဟံ ဘဂဝတာ ဓမ္မံ ဒေသိတံ အာဇာနာမိ၊ ယထာ ယေ'မေ အန္တရာယိကာ ဓမ္မာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ တေ ပဋိသေဝတော နာလံ အန္တရာယာယာ”တိ၊ သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယော “မာ'ယသ္မာ ဧဝံ အဝစ၊ မာ ဘဂဝန္တံ အတ္တာပိက္ခိ၊ န ဟိ သာဓု ဘဂဝတော အပ္ပက္ခာနံ၊ န ဟိ ဘဂဝါ ဧဝံ ဝဒေယျ၊ အနေနပရိယာယေနာ'ဝသော အန္တရာယိကာ

ဓမ္မာ အန္တရာယိကာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ အလဉ္စ ပန တေ ပဋိသေဝတော အန္တရာယာယာ”တိ။ ဧဝံ သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ဝုစ္စမာနော တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ သော ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ ယာဝတတိယံ သမနဘာသိတဗ္ဗော တဿ ပဋိ-  
နိဿဂ္ဂါယ။ ယာဝတတိယဉ္စ သမနဘာသိယမာနော တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣစ္ဆေတံ ကုသလံ။ နော စေ ပဋိ-  
နိဿဇ္ဇေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ”။

ဥက္ခိတ္တ သမ္ဘာသ သိက္ခာပဒ

၆၉။ ယော ပန ဘိက္ခု ဇာနံ တထာဝါဒိနာ ဘိက္ခုနာ အကဇ္ဇာနုဓမ္မေန တံ ဒိဋ္ဌိံ အပ္ပဋိနိဿဇ္ဇေန သဒ္ဓိံ သမ္ဘုဇ္ဇေယျ ဝါ သံဝသေယျ ဝါ သဟ ဝါ သေယျံ ကပ္ပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ”။

ဏဏုက သိက္ခာပဒ

၇၀။ သမဏုဗ္ဗေသောပိ စေ ဧဝံ ဝဒေယျ “တထာဟံ ဘဂဝတာ ဓမ္မံ ဒေသိတံ အာဇာနာမ်၊ ယထာ ယေ’မေ အန္တရာယိကာ ဓမ္မာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ တေ ပဋိသေ-  
ဝတော နာလံ အန္တရာယာယာ”တိ၊ သော သမဏုဗ္ဗေသော ဘိက္ခုဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယော “မာဝသော သမဏုဗ္ဗေသ ဧဝံ အဝစ၊ မာ ဘဂဝန္တံ အပ္ပာစိက္ခိ၊ န ဟိ သာဓု ဘဂဝတော အပ္ပက္ခာနံ၊ န ဟိ ဘဂဝါ ဧဝံ ဝဒေယျ၊ အနေကပရိယာ-  
ယေနာ ဝသော သမဏုဗ္ဗေသ အန္တရာယိကာ ဓမ္မာ အန္တရာ-  
ယိကာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ အလဉ္စ ပန တေ ပဋိသေဝတော အန္တရာယာယာ”တိ၊ ဧဝံ သော သမဏုဗ္ဗေသော ဘိက္ခုဟိ ဝုစ္စမာနော တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ သော သမဏုဗ္ဗေသော ဘိက္ခုဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယော “အဇ္ဇတဂ္ဂေ တေ အာဝသော

သမဏုဒ္ဓေသ န စေဝသော ဘဂဝါသတ္တာ အပဒိသိတဗ္ဗေ၊  
ယမ္ပိ စ'ညေ သမဏုဒ္ဓေသာ လဘန္တိ ဘိက္ခုပိ သဒ္ဓိံ ဒိရတ္တ-  
တိရတ္တံ သဟဿေယျံ၊ သာပိတေ နတ္ထိ၊ စရ ပိရေ၊ ဝိနဿာ"တိ။  
ယော နပ ဘိက္ခု ဇာနံ တထာနာသိတံ သမဏုဒ္ဓေသံ ဥပ-  
လာပေယျ ဝါ ဥပဋ္ဌာပေယျ ဝါ သန္တုဉ္ဇေယျ ဝါ သမာ  
ဝါ သေယျံ ကပ္ပေယျ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။

သပ္ပါဏကဝဂ္ဂေါ သတ္တမော။

### သဟဓမ္မိကဝဂ္ဂ

သဟဓမ္မိက သိက္ခာဟ

၇၁။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုဟိ သဟဓမ္မိကံ ဝုစ္စမာ-  
နော ဧဝံ ဝဒေယျ “န တာဝါဟံ အာဝုသော တေသ္မိံ  
သိက္ခာပဒေ သိက္ခိဿာမိ၊ ယာဝ န အညံ ဘိက္ခု၊ ဗျတ္တံ  
ဝိနယဓရံ ပရိပုစ္ဆာမိ”တိ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။ သိက္ခမာနေန ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခုနာ အညာတဗ္ဗံ ပရိပုစ္ဆိတဗ္ဗံ ပရိပဉ္စိတဗ္ဗံ၊ အယံ  
တတ္ထ သာဗိဓိ။

ဝိလေခန သိက္ခာဟ

၇၂။ ယော ပန ဘိက္ခု ပါတိမောက္ခေ ဥဒ္ဓိဿမာနေ  
ဧဝံ ဝဒေယျ “ကိံ ပနိမေဟိ ခုဒ္ဓါနုခုဒ္ဓကေဟိ သိက္ခာပဒေဟိ  
ဥဒ္ဓိဋ္ဌေဟိ၊ ယာဝဒေဝ ကုက္ကုစ္စာယ ဝိဟေသာယ ဝိလေခါယ  
သံဝတ္တန္တိ”တိ၊ သိက္ခာပဒဝိဝတ္တကေ ပါဠိတ္ထိယံ။

မောက္ခ သိက္ခာပဒ

၇၃။ ယော ပန ဘိက္ခု အန္တဒ္ဓမာသံ ပါတိမောက္ခေ ဥဒ္ဓိဿမာနေ ဧဝံ ဝဒေယျ“ဣဒါနေဝ ခေါ အဟံ ဇာနာမိ၊ အယမ္ပိ ကိရ ဓမ္မော သုတ္တာဂတော သုတ္တပရိယာပန္တော အန္တဒ္ဓမာသံ ဥဒ္ဓေသံ အာဂစ္ဆတိ”တိ။ တဉ္စ ဘိက္ခု၊ အညေ ဘိက္ခု ဇာနေယျ၊ နိသိန္နပုဗ္ဗံ ဣမိနာ ဘိက္ခုနာ ဒုတ္တိက္ခတ္တံ၊ ပါတိမောက္ခေ ဥဒ္ဓိဿမာနေ၊ ကော ပန ဝါဒေါ ဘိယျော၊ န စ တဿ ဘိက္ခုနော အညာဏကေန မုတ္တိ အတ္တိ၊ ယဉ္စ တတ္ထ အာပတ္တိံ အာပန္တော၊ တဉ္စ ယထာဓမ္မော ကာရေ တဗ္ဗော ဥတ္တရိ စ’ဿ မောဟော အာရောပေတဗ္ဗော “တဿ တေ အာဂုသော အလာဘာ၊ တဿ တေ ဒုလ္လဉ္စ၊ ယံ ဟံ ပါတိမောက္ခေ ဥဒ္ဓိဿမာနေ န သာဓုကံ အဋ္ဌိံ ကဏ္ဍာ မနသိ ကာရေသိ”တိ၊ ဣဒံ တသ္မိံ မောဟာနကေ ပါစိတ္တိယံ”။

ပစ္စာရ သိက္ခာပဒ

၇၄။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုဿ ကုပိတော အနတ္တ-  
ဇနော ပဟာရံ ဒဒေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ”။

တလသတ္တိက သိက္ခာပဒ

၇၅။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုဿ ကုပိတော အနတ္တ-  
ဇနော တလသတ္တိကံ ဥဂ္ဂိရေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ”။

အမူလကသိက္ခာပဒ

၇၆။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခု၊ အမူလကေန  
သံဃာဒိသေသေန အနုဒ္ဓိသေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ”။

သဒ္ဓိစ္စ သိက္ခာပဒ

၇၇။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုဿ သဒ္ဓိစ္စ ကုက္ကုစ္စံ ဥပဒဟေယျ “ဣတိဿ မုဟုတ္တဗ္ဗိ အဗာသု ဘဝိဿတိ”တိ ဧတဒေဝ ပစ္စယံ ကရိတွာ အနညံ၊ ပါစိတ္တိယံ”။

ဥပဏ္ဍတိ သိက္ခာပဒ

၇၈။ ယော ပန ဘိက္ခု ဘိက္ခုနံ ဘဏ္ဍနဇာတာနံ ကလဟဇာတာနံ ဝိဝါဒါပန္နာနံ ဥပဿုတိ” တိဋ္ဌေယျ “ယံ ဣမေ ဘဏိဿန္တိ၊ တံ သောဿာမီ”တိ ဧတဒေဝ ပစ္စယံ ကရိတွာ အနညံ၊ ပါစိတ္တိယံ”။

ကမ္ပပ္ပုဋ္ဌိဗာဟု သိက္ခာပဒ

၇၉။ ယော ပန ဘိက္ခု ဓမ္မိကာနံ ကမ္မာနံ ဆန္တံ ဒတွာ ပစ္ဆာ ဝိယနဓမ္မံ အာပဋ္ဌေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ”။

ဆန္တံ အဒတွာ ဂမန သိက္ခာပဒ

၈၀။ ယော ပန ဘိက္ခု သံဃေဝိနိစ္ဆယကထာယ ဝတ္တမာနာယ ဆန္တံ အဒတွာ ဥဋ္ဌာယာသနာ ပက္ကမေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ”။

ဣဗ္ဗလ သိက္ခာပဒ

၈၁။ ယော ပန ဘိက္ခု သမဂ္ဂေန သံဃေန ဝိဝရံ ဒတွာ ပစ္ဆာ ဝိယနဓမ္မံ အာပဋ္ဌေယျ “ယထာသန္တုတံ ဘိက္ခု သံဃိကံ လာဘံ ပရိဏာမေန္တိ”တိ၊ ပါစိတ္တိယံ”။

ပရိစ္ဆာယန သိက္ခာသမ္ဘ

၈၂။ ယော ပန ဘိက္ခု ဇာနံ သံဃိကံ လာဘံ ပရိဏတံ  
ပုဂ္ဂလဿ ပရိဏာမေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

သဟဓမ္မိကဝဂ္ဂေါ အဋ္ဌမော။

### ရတနဝဂ္ဂ

အန္တပုရ သိက္ခာသမ္ဘ

၈၃။ \*ယော ပန ဘိက္ခု ရညော ခတ္တိယဿ မုဒ္ဒါဘိ-  
သိတ္တဿ အနိက္ခန္တရာဇကေ အနိဂ္ဂတရတနကေ ပုဗ္ဗေ  
အပ္ပုဋ္ဌိသံဝိဒိတော ဣန္ဒြိယံ အတိက္ကာမေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ရတန သိက္ခာသမ္ဘ

၈၄။ ယော ပန ဘိက္ခု ရတနံ ဝါ ရတနသမ္ပတံ ဝါ  
အညတြိ အဇ္ဈာရာမာ ဝါ အဇ္ဈာဝသထာ ဝါ ဥဂ္ဂဏေယျ  
ဝါ ဥဂ္ဂဏာပေယျ ဝါ၊ ပါစိတ္တိယံ။ ရတနံ ဝါ ပန ဘိက္ခုနာ  
ရတနသမ္ပတံ ဝါ အဇ္ဈာရာမေ ဝါ အဇ္ဈာဝသထေ ဝါ  
ဥဂ္ဂဟေတွာ ဝါ ဥဂ္ဂဟာပေတွာ ဝါ နိက္ခိပိတဗ္ဗံ “ယဿ  
ဘဝိဿတိ၊ သော ဟရိဿတိ”တိ၊ အယံ တတ္ထ သာမိဓိ။

ဝိကာလဂါမပ္ပတေသန သိက္ခာသမ္ဘ

၈၅။ \*ယော ပန ဘိက္ခု သန္တံ ဘိက္ခု အနာပုစ္ဆာ  
ဝိကာလေ ဂါမံ ပဝိသေယျ အညတြိ တထာရူပါ အစွာ-  
ယိကာ ကရဏီယာ၊ ပါစိတ္တိယံ။

သုစိတ္တ သိက္ခာပဒ

၈၆။ ယော ပန ဘိက္ခု အဋ္ဌမယံ ဝါ ဒန္တမယံ ဝါ  
ဝိသာဏမယံ ဝါ သုစိတ္တရံ ကာရာပေယျ၊ ဘေဒနကံ  
ပါရိတ္တိယံ။

မုပ္ပိန္ဒ သိက္ခာပဒ

၈၇။ နဝံ ပန ဘိက္ခုနာ မပ္ပံ ဝါ ပိဋံ ဝါ ကာရယမာနေန  
အဋ္ဌင်္ဂလပါဒကံ ကာရေတဗ္ဗံ သုဂတင်္ဂလေန အညတြိ  
ဟေဋ္ဌိမာယ အဋ္ဌနိယာ။ တံ အတိက္ကာမယတော ဘေဒနကံ  
ပါရိတ္တိယံ။

တုလောနဒ္ဒ သိက္ခာပဒ

၈၈။ ယော ပန ဘိက္ခု မပ္ပံ ဝါ ပိဋံ ဝါ တုလောနဒ္ဒံ  
ကာရာပေယျ၊ ဥဒ္ဓါလနကံ ပါရိတ္တိယံ။

နိဿိဒ္ဓ သိက္ခာပဒ

၈၉။ \*နိဿိဒ္ဓံ ပန ဘိက္ခုနာ ကာရယမာနေန ပမာ-  
ဏိကံ ကာရေတဗ္ဗံ၊ တတြိဒံ ပမာဏံ၊ ဒီဃသော ဒွေ  
ဝိဒတ္ထိယော သုဂတဝိဒတ္ထိယာ၊ တိရိယံ ဒီယနံ၊ ဒဿာ  
ဝိဒတ္ထိ။ တံ အတိက္ကာမယတော ဘေဒနကံ ပါရိတ္တိယံ။

ကဏ္ဍပုဋိစ္ဆာစိ သိက္ခာပဒ

၉၀။ ကဏ္ဍပုဋိစ္ဆာဒိံ ပန ဘိက္ခုနာ ကာရယမာနေန  
ပမာဏိကာ ကာရေတဗ္ဗံ၊ တတြိဒံ ပမာဏံ၊ ဒီဃသော  
စတသော ဝိဒတ္ထိယော သုဂတဝိဒတ္ထိယာ၊ တိရိယံ

ဒွေ ဝိဒတ္ထိယော။ တံ အတိက္ကာမယတော ဆေဒနကံ ပါစိတ္တိယံ။

ဝဏ္ဏိက သာဓိုက သိက္ခာပဒ

၉၁။ \*ဝဏ္ဏိကသာဓိုကံ ပန ဘိက္ခုနာ ကာရယမာ-  
နေန ပမာဏိကာ ကာရေတဗ္ဗာ၊ တတြိဒံ ပမာဏံ၊ ဒီဃ-  
သော ဆ ဝိဒတ္ထိယော သုဂတဝိဒတ္ထိယာ၊ တိရိယံ အမု-  
တေယျာ။ တံ အတိက္ကာမယတော ဆေဒနကံ ပါစိတ္တိယံ။

နန္ဒ သိက္ခာပဒ

၉၂။ ယော ပန ဘိက္ခု သုဂတစိဝရပ္ပမာဏံ စိဝရံ  
ကာရာပေယျ၊ အတိရေကံ ဝါ၊ ဆေဒနကံ ပါစိတ္တိယံ။  
တတြိဒံ သုဂတဿ သုဂတစိဝရပ္ပမာဏံ၊ ဒီဃသော နဝ  
ဝိဒတ္ထိယော သုဂတဝိဒတ္ထိယာ၊ တိရိယံ ဆ ဝိဒတ္ထိယော၊  
ဣဒံ သုဂတဿ သုဂတစိဝရပ္ပမာဏန္တိ။

ရတနဝဂ္ဂေါ နဝမော။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါအာယသ္မန္တော ဒွေနုဝတိ ပါစိတ္တိယာ ဓမ္မာ။  
တတ္ထာယသ္မန္တေ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊  
ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊  
ပရိသုဒ္ဓေတ္ထာယသ္မန္တော၊ တသ္မာ တုဏှိ၊ ဝေမေတံ ဓာရ-  
ယာမိတိ။

ပါစိတ္တိယာ နိဋ္ဌိတာ။



ကုလေသု ပုဗ္ဗေ အနိမန္တတော အဂ္ဂိလာနော ခါဒနီယံ ဝါ  
ဘောဇနီယံ ဝါ သဟတ္တာ ပဋိဂ္ဂဟေတွာ ခါဒေယျ ဝါ  
ဘုဉ္ဇေယျ ဝါ၊ ပဋိဒေသေတဗ္ဗံ တေန ဘိက္ခုနာ “ဂါရယံ  
အာရုသော ဓမ္မံ အာပဋ္ဌိ” အသပ္ပါယံ ပါဋိဒေသနီယံ၊ တံ  
ပဋိဒေသေမီ”တိ။

ဓာတ္တု ပါဋိဒေသနီယ သိက္ခာသဒ္ဓ

၄။ \*ယာနိ ခေါ ပန တာနိ အာရညကာနိ သေနာ-  
သနာနိ သာသင်္ကသမ္ပတာနိ သပ္ပင်္ဂတယာနိ၊ ယော ပန  
ဘိက္ခု တထာရူပေသု သေနာသနေသု ပုဗ္ဗေ အပ္ပင်္ဂသံဝိဒိတံ  
ခါဒနီယံ ဝါ ဘောဇနီယံ ဝါ အဇ္ဈာရာမေ သဟတ္တာ  
ပဋိဂ္ဂဟေတွာ အဂ္ဂိလာနော ခါဒေယျ ဝါ ဘုဉ္ဇေယျ ဝါ၊  
ပဋိဒေသေတဗ္ဗံ တေန ဘိက္ခုနာ “ဂါရယံ အာရုသော ဓမ္မံ  
အာပဋ္ဌိ” အသပ္ပါယံ ပါဋိဒေသနီယံ၊ တံ ပဋိဒေသေမီ”တိ။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါ အာယသ္မန္တော စတ္တာရော ပါဋိဒေသနီယာ  
ဓမ္မာ။ တတ္ထာယသ္မန္တေ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယမ္ပိ  
ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ  
ပရိသုဒ္ဓါ၊ ပရိသုဒ္ဓေတ္ထာယသ္မန္တော၊ တသ္မာတုဏှိ၊ ဧဝမေတံ  
ဓာရယာမီတိ။

ပါဋိဒေသနီယာ နိဋ္ဌိတာ။

သေဝိယ

ပရိမဏ္ဍလဝဂ္ဂ

ဣမေ ခေါ ပနာယသ္မန္တော သေဝိယာ ဓမ္မာ ဥဒ္ဓေသံ  
အာဂစ္ဆန္တိ။

ပရိမဏ္ဍလ သိက္ခာပဒ

၁။ \* ပရိမဏ္ဍလံ နိဝါသေဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီ-  
ယာ<sup>၁</sup>။

၂။ \* ပရိမဏ္ဍလံ ပါရုပိဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၂</sup>။

သုပ္ပဋိစ္ဆန္တ သိက္ခာပဒ

၃။ \* သုပ္ပဋိစ္ဆန္တော အန္တရဃရေ ဂမိဿာမီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ<sup>၃</sup>။

၄။ \* သုပ္ပဋိစ္ဆန္တော အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမီတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၄</sup>။

သုသံဝုတ သိက္ခာပဒ

၅။ \* သုသံဝုတော အန္တရဃရေ ဂမိဿာမီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ<sup>၅</sup>။

၆။ \* သုသံဝုတော အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ<sup>၆</sup>။

---

\* သေဝိယသိက္ခာပဒေသု ဣမိနာ လက္ခဏေန ဆဗ္ဗိသတိ သာဓုပ္ပသိက္ခာပဒါနိ  
ဒဏ္ဍိတာနံ။

၁-ဝိ ၂၊ ၂၃၉။

၂-ဝိ ၂၊ ၂၄၀။

၃-ဝိ ၂၊ ၂၄၀။

၄-ဝိ ၂၊ ၂၄၀။

၅-ဝိ ၂၊ ၂၄၁။

၆-ဝိ ၂၊ ၂၄၁။

ဩက္ခိတ္တဓမ္မာ သိက္ခာပဒ

၇။ \*ဩက္ခိတ္တဓမ္မာ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၁</sup>။

၈။ \*ဩက္ခိတ္တဓမ္မာ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၂</sup>။

ဥက္ခိတ္တက သိက္ခာပဒ

၉။ \*န ဥက္ခိတ္တကာယ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၃</sup>။

၁၀။ \*န ဥက္ခိတ္တကာယ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၄</sup>။

ပရိမဏ္ဍလဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

## ဥဇ္ဇန္တိကဝဂ္ဂ

ဥဇ္ဇန္တိက သိက္ခာပဒ

၁၁။ \*န ဥဇ္ဇန္တိကာယ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၅</sup>။

၁၂။ \*န ဥဇ္ဇန္တိကာယ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၆</sup>။

ဥစ္စာသဒ္ဓ သိက္ခာပဒ

၁၃။ \*အပ္ပသဒ္ဓေါ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ<sup>၁</sup>။

၁၄။ \*အပ္ပသဒ္ဓေါ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ<sup>၂</sup>။

ကာယပ္ပစာလက သိက္ခာပဒ

၁၅။ \*န ကာယပ္ပစာလကံ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၃</sup>။

၁၆။ \*န ကာယပ္ပစာလကံ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၄</sup>။

ဗဟုပ္ပစာလက သိက္ခာပဒ

၁၇။ \*န ဗဟုပ္ပစာလကံ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၅</sup>။

၁၈။ \*န ဗဟုပ္ပစာလကံ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၆</sup>။

သိဿပ္ပစာလက သိက္ခာပဒ

၁၉။ \*န သိဿပ္ပစာလကံ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၇</sup>။

၂၀။ \*န သိဿပ္ပစာလကံ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၈</sup>။

ဥဇ္ဇေယျိကဝဂ္ဂေါ ဒုတိယော။

၁-ဝိ ၂၊ ၂၄၄။

၅-ဝိ ၂၊ ၂၄၅။

၂-ဝိ ၂၊ ၂၄၄။

၆-ဝိ ၂၊ ၂၄၅။

၃-ဝိ ၂၊ ၂၄၄။

၇-ဝိ ၂၊ ၂၄၆။

၄-ဝိ ၂၊ ၂၄၅။

၈-ဝိ ၂၊ ၂၄၆။

## ခန္တကတဝဂ္ဂ

ခန္တကတ သိက္ခာပဒ

၂၁။ \*န ခန္တကတော အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၁</sup>။

၂၂။ \*န ခန္တကတော အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၂</sup>။

ဩဇ္ဈိတ သိက္ခာပဒ

၂၃။ \*န ဩဇ္ဈိတော အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၃</sup>။

၂၄။ \*န ဩဇ္ဈိတော အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၄</sup>။

ဥက္ကဋ္ဌိက သိက္ခာပဒ

၂၅။ \*န ဥက္ကဋ္ဌိကာယ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၅</sup>။

ပလ္လတ္ထိက သိက္ခာပဒ

၂၆။ \*န ပလ္လတ္ထိကာယ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၆</sup>။

သက္ကစ္စ ပဋိဂ္ဂဟက သိက္ခာပဒ

၂၇။ †သက္ကစ္စ ပိဏ္ဍပါတံ ပဋိဂ္ဂဟေဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ<sup>၇</sup>။

---

† ဣမံနာ လက္ခဏေန တိသ ဘောဇနပ္ပဋိသံယုတ္တသိက္ခာပဒါနိ ဒဿိတာနိ။  
 ၁-ဝိ ၂၊ ၂၄၇။      ၂-ဝိ ၂၊ ၂၄၇။      ၃-ဝိ ၂၊ ၂၄၇။      ၄-ဝိ ၂၊ ၂၄၈။  
 ၅-ဝိ ၂၊ ၂၄၈။      ၆-ဝိ ၂၊ ၂၄၈။      ၇-ဝိ ၂၊ ၂၄၉။

ပတ္တသညံ ပဋိဂ္ဂဟဏ သိက္ခာယံ

၂၈။ †ပတ္တသညံ ဝိဇ္ဇာပဝါတံ ပဋိဂ္ဂဟေဿာမီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

သမဿဟဏ ပဋိဂ္ဂဟဏ သိက္ခာယံ

၂၉။ †သမဿဟကံ ဝိဇ္ဇာပဝါတံ ပဋိဂ္ဂဟေဿာမီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

သမတိတ္ထိက သိက္ခာယံ

၃၀။ †သမတိတ္ထိကံ ဝိဇ္ဇာပဝါတံ ပဋိဂ္ဂဟေဿာမီတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ခမ္ဘကတဝဂ္ဂေါ တတိယော။

### သက္ကစ္စဝဂ္ဂ

သက္ကစ္စ ဘဉ္စန သိက္ခာယံ

၃၁။ †သက္ကစ္စံ ဝိဇ္ဇာပဝါတံ ဘုဒ္ဓိဿာမီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

ပတ္တသညံ ဘဉ္စန သိက္ခာယံ

၃၂။ †ပတ္တသညံ ဝိဇ္ဇာပဝါတံ ဘုဒ္ဓိဿာမီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

သပဒါန သိက္ခာယံ

၃၃။ †သပဒါနံ ဝိဇ္ဇာပဝါတံ ဘုဒ္ဓိဿာမီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

သမသုပက သိက္ခာပဒ

၃၄။ †သမသုပကံ ပိဏ္ဍပါတံ ဘုဒ္ဓိဿာဗီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

န ထူပကတ သိက္ခာပဒ

၃၅။ †န ထူပကတော ဩမဒ္ဓိတွာ ပိဏ္ဍပါတံ ဘုဒ္ဓိ-  
ဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဩဒန္တုဒ္ဓိန္နာဒန သိက္ခာပဒ

၃၆။ †န သူပံ ဝါ ဗျဉ္ဇနံ ဝါ ဩဒန္တုဒ္ဓိန္နာဒေဿာဗီ  
ဘိယျောကဗျတံ ဥပါဒါယာတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သုပေါဒန ဝိညတ္တိ သိက္ခာပဒ

၃၇။ †န သူပံ ဝါ ဩဒန္တံ ဝါ အဂ္ဂိလာနော အတ္တနော  
အတ္ထာယ ဝိညာပေတွာ ဘုဒ္ဓိဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဥဇ္ဈာနသညိ သိက္ခာပဒ

၃၈။ †န ဥဇ္ဈာနသညိ ပရေသံ ပတ္တံ ဩလောကေဿာ-  
ဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ကဗဠ သိက္ခာပဒ

၃၉။ †နာတိမဟန္တံ ကဗဠံ ကရိဿာဗီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

အာလောပ သိက္ခာပဒ

၄၀။ †ပရိမဏ္ဍလံ အာလောပံ ကရိဿာဗီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

သက္ကစ္စဝဂ္ဂေါ စတုတ္ထော။

ကဗလဝဂ္ဂ

အနာဟဋ သိက္ခာပဒ

၄၁။ †န အနာဟဋေ ကဗဠေ မုခဒ္ဒါရံ ဝိဝရိဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၁</sup>။

ဘုဗ္ဗမန သိက္ခာပဒ

၄၂။ †န ဘုဗ္ဗမာနော သဗ္ဗံ ဟတ္ထံ မုခေ ပက္ခိယိဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၂</sup>။

သကဗဠ သိက္ခာပဒ

၄၃။ †န သကဗဠေန မုခေန ဗျာဟရိဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၃</sup>။

ပိဏ္ဍုက္ခေပက သိက္ခာပဒ

၄၄။ †န ပိဏ္ဍုက္ခေပကံ ဘုဒ္ဓိဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၄</sup>။

ကဗဠာဝစ္ဆေဒက သိက္ခာပဒ

၄၅။ †န ကဗဠာဝစ္ဆေဒကံ ဘုဒ္ဓိဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၅</sup>။

အဝဂ္ဂဏ္ဏကာရက သိက္ခာပဒ

၄၆။ †န အဝဂ္ဂဏ္ဏကာရကံ ဘုဒ္ဓိဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၆</sup>။

ဟတ္ထ နိဗ္ဗုဒ္ဓက သိက္ခာပဒ

၄၇။ †န ဟတ္ထနိဗ္ဗုဒ္ဓကံ ဘုဒ္ဓိဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ<sup>၇</sup>။

သိတ္တာဝကာရက သိက္ခာပဒ

၄၈။ †န သိတ္တာဝကာရကံ ဘုဒ္ဓိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

ဇိဂ္ဂါနိစ္ဆာရက သိက္ခာပဒ

၄၉။ †န ဇိဂ္ဂါနိစ္ဆာရကံ ဘုဒ္ဓိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

စပုစပုကာရက သိက္ခာပဒ

၅၀။ †န စပုစပုကာရကံ ဘုဒ္ဓိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

ကဗ္ဗေဝဂ္ဂေါ ပဉ္စမော။

### သုရသုရဝဂ္ဂ

သုရသုရကာရက သိက္ခာပဒ

၅၁။ †န သုရသုရကာရကံ ဘုဒ္ဓိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

ဟတ္တနိဗ္ဗေဟက သိက္ခာပဒ

၅၂။ †န ဟတ္တနိဗ္ဗေဟကံ ဘုဒ္ဓိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

ပတ္တနိဗ္ဗေဟက သိက္ခာပဒ

၅၃။ †န ပတ္တနိဗ္ဗေဟကံ ဘုဒ္ဓိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

ဩဇ္ဇ နိဗ္ဗဟက သိက္ခာပုဒ်

၅၄။ †န ဩဇ္ဇနိဗ္ဗဟကံ ဘုဒ္ဓိဿာပီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

သမိသ သိက္ခာပုဒ်

၅၅။ †န သာမိသေန ဗာဏ္ဏေန ပါနိယထာလကံ  
ပဋိဂ္ဂဟေဿာပီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သသိတ္တက သိက္ခာပုဒ်

၅၆။ †န သသိတ္တကံ ပတ္တဇောဝနံ အန္တရသရေ  
ဆဇ္ဇေဿာပီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဆတ္တပါဏိ သိက္ခာပုဒ်

၅၇။ †န ဆတ္တပါဏိဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေ-  
ဿာပီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဒတ္တပါဏိ သိက္ခာပုဒ်

၅၈။ †န ဒတ္တပါဏိဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေ-  
ဿာပီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သတ္တပါဏိ သိက္ခာပုဒ်

၅၉။ †န သတ္တပါဏိဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေ  
ဿာပီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

---

† ဣပိန္ဒာ လက္ခဏေန ကျေနိသ ဓမ္မဝေသနာပဋိသံယုတ္တသိက္ခာပုဒ်  
စသိတာနိ။

၁၀၀၀ ၂၂၆၀။

၄၀၀၀ ၂၂၆၂။

၂၀၀၀ ၂၂၆၀။

၅၀၀၀ ၂၂၆၃။

၃၀၀၀ ၂၂၆၁။

၆၀၀၀ ၂၂၆၃။

အာဝုဇပါဏိ သိက္ခာပဒ

၆၀။ \*\* န အာဝုဇပါဏိဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ  
ဒေသေဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သုရသုရဝဂ္ဂေါ ဆဋ္ဌော။

### ပါဒုကဝဂ္ဂ

ပါဒုက သိက္ခာပဒ

၆၁။ \*\* န ပါဒုကာရဋ္ဌဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ  
ဒေသေဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဥပါဟန သိက္ခာပဒ

၆၂။ \*\* န ဥပါဟနာရဋ္ဌဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ  
ဒေသေဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ယာန သိက္ခာပဒ

၆၃။ \*\* န ယာနဂဓာဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ  
ဒေသေဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သယန သိက္ခာပဒ

၆၄။ \*\* န သယနဂဓာဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ  
ဒေသေဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ပလ္လတ္တိလ သိက္ခာပဒ

၆၅။ \*\* န ပလ္လတ္တိကာယ နိသိန္နဿ အဂ္ဂိလာနဿ  
ဓမ္မံ ဒေသေဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဝေဠိတ သိက္ခာပုဒ်

၆၆။ †န ဝေဠိတသီသဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဩဂုဏ္ဍိတ သိက္ခာပုဒ်

၆၇။ †န ဩဂုဏ္ဍိတသီသဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဆမာ သိက္ခာပုဒ်

၆၈။ †န ဆမာယံ နိသီဒိတွာ အာသနေ နိသိန္နဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

နိဝာသန သိက္ခာပုဒ်

၆၉။ †န နိဝေ အာသနေ နိသီဒိတွာ ဥစ္စေ အာသနေ နိသိန္နဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဌိတ သိက္ခာပုဒ်

၇၀။ †န ဌိတော နိသိန္နဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ပစ္ဆိမောဓန သိက္ခာပုဒ်

၇၁။ †န ပစ္ဆိမော ဂစ္ဆန္တော ပုရတော ဂစ္ဆန္တဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဥပ္ပထေနမန သိက္ခာပဒ

၇၂။ န ဥပ္ပထေန ဂစ္ဆန္တော ပထေန ဂစ္ဆန္တဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာဓိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဋ္ဌိတောဥစ္စာရ သိက္ခာပဒ

၇၃။ န ဋ္ဌိတော အဂ္ဂိလာနော ဥစ္စာရံ ဝါ ပဿာဝံ ဝါ ကရိဿာဓိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဟရိတေဥစ္စာရ သိက္ခာပဒ

၇၄။ န ဟရိတေ အဂ္ဂိလာနော ဥစ္စာရံ ဝါ ပဿာဝံ ဝါ ခေဋ္ဌံ ဝါ ကရိဿာဓိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဥဒကေဥစ္စာရ သိက္ခာပဒ

၇၅။ န ဥဒကေ အဂ္ဂိလာနော ဥစ္စာရံ ဝါ ပဿာဝံ ဝါ ခေဋ္ဌံ ဝါ ကရိဿာဓိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ပါဒကဝဂ္ဂေါ သတ္တမော။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာခေါ အာယသ္မန္တော သေဝိယာ မ္မော။ တတ္ထာ-  
ယသ္မန္တေ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္တ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယဗ္ဗိ ပုစ္ဆာမိ၊  
ကစ္စိတ္တ ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယဗ္ဗိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္တ ပရိသုဒ္ဓါ၊  
ပရိသုဒ္ဓေတ္တာယသ္မန္တော၊ တသ္မာ တုဏှိ၊ ဧဝမေတံ  
ဓာရယာဓိတိ။

သေဝိယာ နိဋ္ဌိတာ။

## အဓိကရဏသမထ

ဣမေ ခေါ ပနာယသ္မန္တော သတ္တ အဓိကရဏသမထာ  
ဓမ္မာ ဥဒ္ဓေသံ အာဂစ္ဆန္တိ။

ဥပ္ပန္နုပ္ပန္နာနံ အဓိကရဏာနံ သမထာယ ဝုပသမာယ  
သမ္ပုခေါဒ်နယော ဒါကဗ္ဗော၊  
သတိဝိနယော ဒါတဗ္ဗော၊  
အမုဋ္ဌဝိနယော ဒါတဗ္ဗော၊  
ပဋိညာယ ကာရေတဗ္ဗံ၊  
ယေဘုယျသိကာ၊  
တဿပါပိယသိကာ၊  
တိဏဝတ္ထာရကောတိ။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါ အာယသ္မန္တော သတ္တ အဓိကရဏသမထာ  
ဓမ္မာ၊ တတ္ထာယသ္မန္တေ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္တ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယမ္ပိ  
ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္တ ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္တ  
ပရိသုဒ္ဓါ၊ ပရိသုဒ္ဓေတ္ထာယသ္မန္တော၊ တသ္မာ တုဏှိ၊ ဧဝမေတံ  
ဓာရယာမိတိ။

အဓိကရဏသမထာ နိဋ္ဌိတာ။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌံ ခေါ အာယသ္မန္တော နိဒါနံ၊  
ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ဗဟ္မာဓရာ ပါရဇိကာ မဗ္ဗာ၊  
ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ဟေရသ သံဃာဒိသောသာ ဓမ္မာ၊  
ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ဒွေ အနိယတာ မဗ္ဗာ၊

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ တိဿ နိဿဂ္ဂိယာ ပါစိတ္တိယာ ဓမ္မာ၊  
 ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခွေနဝုတိ ပါစိတ္တိယာ ဓမ္မာ၊  
 ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ စက္ကာရော ပါဠိဒေသနိယာ ဓမ္မာ၊  
 ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ သေဝိယာ ဓမ္မာ၊  
 ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ သတ္တ အဓိကရဏသမထာ ဓမ္မာ၊ ဧတ္တကံ  
 တဿ ဘဂဝတော သုတ္တာဂတံ သုတ္တပရိယာပနံ အန္တဒ္ဓမာသံ  
 ဥဒ္ဓေသံ အာဂစ္ဆတိ၊ တတ္ထ သဗ္ဗေဟေဝ သမဂ္ဂေဟိ သမ္ပော-  
 ဒမာနေဟိ အဝိဝဒမာနေဟိ သိက္ခိတဗ္ဗန္တိ။

ဘိက္ခုပါတိမောက္ခံ နိဋ္ဌိတံ။

# ဘိက္ခုနီပါတိမောက္ခပါဠိ

---

နမော တဿ ဘဂဝတော အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ

ပုဗ္ဗ ကရုဏာ

သမ္ဗုဒ္ဓနိ ပဒီပေါ စ၊ ဥဒကံ အာသနေန စ။  
ဥပေါသထဿ ဧတာနိ၊ “ပုဗ္ဗကရုဏာ”န္တိ ဝုစ္စတိ။

ပုဗ္ဗ ကိစ္စာ

ဆန္တ ပါရိသုဒ္ဓိ ဥတုက္ခာနံ၊  
ဘိက္ခုနီဂဏနာ စ ဩဝါဒေါ။  
ဥပေါသထဿ ဧတာနိ၊  
“ပုဗ္ဗကိစ္စ”န္တိ ဝုစ္စတိ။

ပတ္တကလ္လ ထင်္ဂါ

ဥပေါသထော ယာဝတိကာ စ ဘိက္ခုနီ ကမ္မပ္ပတ္တာ၊  
သဘာဂါပတ္တိယော စ န ဝိဇ္ဇန္တိ။  
ဝဇ္ဇနိယာ စ ပုဂ္ဂလာ တသ္မိံ န ဟောန္တိ၊  
“ပတ္တကလ္လ”န္တိ ဝုစ္စတိ။

ပုဗ္ဗကရုဏာပုဗ္ဗကိစ္စာနိ သမာပေတွာ ဒေသိတာပတ္တိ-  
ကဿ သမဂ္ဂဿ ဘိက္ခုနီသံဃဿ အနုမတိယာ ပါတိ-  
မောက္ခံ ဥဌိသိတုံ အာရာဓနံ ကရောမ။

## နိဒါန

သုဏ္ဍာတု မေ အယျေ သံဃော၊ အဇ္ဈပေါသထော  
ပန္နရသော၊ ယဒိ သံဃဿ ပတ္တကလ္လံ၊ သံဃော ဥပေါသထံ  
ကရေယျ၊ ပါတိမောက္ခံ ဥဒ္ဓိသေယျံ။

ကို သံဃဿ ပုဗ္ဗကိစ္စံ? ပါရိသုဒ္ဓိံ အယျာယော  
အာရောစေထ၊ ပါတိမောက္ခံ ဥဒ္ဓိသိဿဿိ၊ တံ သဗ္ဗဝ  
သန္တာ သာဓုကံ သုဏ္ဍာမ မနသိ ကရောမ။ ယဿာ  
သိယာ အာပတ္တိ၊ သာ အာဝိကရေယျ၊ အသန္တိယာ  
အာပတ္တိယာ တု၊ ဤ ဘဝိတဗ္ဗံ၊ တုဏှိဘာဝေန ခေါ ပနာ-  
ယျာယော “ပါရိသုဒ္ဓိ”တိ ဝေဒိဿာမိ။ ယထာ ခေါ ပန  
ပစ္စေကပုဋ္ဌဿာ ဝေယျာကရဏံ ဟောတိ၊ ဧဝမေဝ ဧဝ-  
ရူပါယ ပရိသာယ ယဝတတိယံ အနုသင်္ဂတံ ဟောတိ။  
ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ယဝတတိယံ အနုသင်္ဂယမာနေ  
သရမာနာ သန္တိ အာပတ္တိံ နာဝိကရေယျ၊ သမ္ပဇာနမုသာ-  
ဝါဒဿာ ဟောတိ။ သမ္ပဇာနမုသာဝါဒေါ ခေါ ပနာ-  
ယျာယော အန္တရာယိကော ဓမ္မော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ၊  
တသ္မာ သရမာနာယ ဘိက္ခုနီယာ အာပန္နာယ ဝိသုဒ္ဓိ-  
ပေက္ခာယ သန္တိ အာပတ္တိ အာဝိကာတဗ္ဗာ၊ အာဝိကတာ  
ဟိဿာ ဖာသု ဟောတိ။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌံ ခေါ အယျာယော နိဒါနံ။ တတ္ထာယျာယော  
ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓိ၊ ဒုတိယမိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓိ၊  
တတိယမိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓိ၊ ပရိသုဒ္ဓေတ္ထာယျာ-  
ယော၊ တသ္မာ တုဏှိ၊ ဧဝမေတံ ဓာရယာမိတိ။

နိဒါနံ နိဋ္ဌိတံ။

ပါရာဇိက

တပြီမေ အဋ္ဌ ပါရာဇိကာ ဓမ္မာ ဥဒ္ဓေသံ အာဂစ္ဆန္တိ။

မေထုန ဓမ္မ သိက္ခာပဒ

၁။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဆန္တသော မေထုန ဓမ္မံ ပဋိသေဝေယျ၊ အန္တမသော တိရစ္ဆာနဂတေနပိ၊ ပါရာဇိကာ ဟောတိ အသံဝါသာ။

အဒိန္နာဒါန သိက္ခာပဒ

၂။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဂါမာ ဝါ အရညာ ဝါ အဒိန္နံ ထေယျသင်္ခါတံ အာဒိယေယျ၊ ယထာရူပေ အဒိန္နာဒါနေန ရာဇာနော စောရံ ဂဟေတွာ ဟနေယျ၊ ဝါ ဗန္ဓေယျ၊ ဝါ ပဗ္ဗာဇေယျ၊ ဝါ စောရာသိ ဗာလာသိ မုဋ္ဌာသိ ထေနာသီတိ၊ တထာရူပံ ဘိက္ခုနီ အဒိန္နံ အာဒိယမာနာ အယမ္ပိ ပါရာဇိကာ ဟောတိ အသံဝါသာ။

မနုဿ ဝိဂ္ဂဟ သိက္ခာပဒ

၃။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သဗ္ဗိစ္စ မနုဿဝိဂ္ဂဟံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေယျ၊ သတ္တဟာရကံ ဝါဿ ပရိယေသေယျ၊ မရဏဝဏ္ဏံ ဝါ သံဝဏ္ဏေယျ၊ မရဏာယ ဝါ သမာဒပေယျ “အန္တော ပုရိသ ကိ” တုယိမိနာ ပါပကေန ဖုဇ္ဈိဝိတေန၊ မတံ တေ ဇီဝိတာ သေယျော”တိ၊ ဣတိ စိတ္တမနာ စိတ္တသင်္ကပ္ပါ အနေနပရိယာယေန မရဏဝဏ္ဏံ ဝါ သံဝဏ္ဏေယျ၊ မရဏာယ ဝါ သမာဒပေယျ၊ အယမ္ပိ ပါရာဇိကာ ဟောတိ အသံဝါသာ။

ဥတ္တရိ မနုဿ ဓမ္မ သိက္ခာပဒ

၄။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အနဘိဇာနံ ဥတ္တရိမနုဿဓမ္မံ  
အတ္တုပနာယိကံ အလမရိယဉာဏဒဿနံ သမုဒါစရေယျ  
“ဣတိ ဇာနာမိ၊ ဣတိ ပဿာမိ”တိ၊ တတော အပရေန  
သမယေန သမနုဂ္ဂါဟီယမာနာ ဝါ အသမနုဂ္ဂါဟီယမာနာ  
ဝါ အာပန္နာ ဝိသုဒ္ဓါပေက္ခာ ဧဝံ ဝဒေယျ “အဇာနမေဝံ  
အယျေ အဝစံ ဇာနာမိ၊ အပဿံ ပဿာမိ၊ တုစ္ဆံ မုဿာ  
ဝိလပိ”န္တိ၊ အညတြိ အဓိမာနာ၊ အယမ္ပိ ပါရာဇိကာ ဟောတိ  
အသံဝါသာ”။

ဥပ္ပဇာဏုမဏ္ဍလိကာ သိက္ခာပဒ

၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဝဿုတာ အဝဿုတဿ  
ပုရိသပုဂ္ဂလဿ၊ အက္ခေကံ ဥပ္ပဇာဏုမဏ္ဍလံ အာမသနံ ဝါ  
ပရာမသနံ ဝါ ဂဟဏံ ဝါ ဆုပနံ ဝါ ပဋိဝီဠနံ ဝါ  
သာဒိယေယျ၊ အယမ္ပိ ပါရာဇိကာ ဟောတိ အသံဝါသာ  
ဥပ္ပဇာဏုမဏ္ဍလိကာ”။

ဝဇ္ဇပုဋိစ္ဆသိကာ သိက္ခာပဒ

၆။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဇာနံ ပါရာဇိကံ ဓမ္မံ အဇ္ဈာပန္နံ  
ဘိက္ခုနီ နေဝ’တ္တနာ ပဋိစောဒေယျ၊ န ဂဏဿ အာရော-  
ဓေယျ၊ ယဒါ စ သာ ဌိတာ ဝါ အဿ စုတာ ဝါ နာသိတာ  
ဝါ အဝဿဇ္ဇာ ဝါ၊ သာ ပစ္ဆာ ဧဝံ ဝဒေယျ “ပုဗ္ဗေဝါဟံ  
အယျေ အညာသံ” ဧတံ ဘိက္ခုနီ ‘ဧဝရူပါ စ ဧဝရူပါ စ  
သာ ဘဂိနီ’တိ၊ နော စ ခေါ အတ္တနာ ပဋိစောဒေဿံ၊ န

\*ဣပိနာ လက္ခဏန ဒဿိတသိက္ခာယပါနိ သိက္ခုဝိဘဏ် နန္တိ။

ဂဏဿ အာရောစေဿ”န္တိ၊ အယမ္ပိ ပါရာဇိကာ ဟောတိ  
အသံဝါသာ ဝဇ္ဇပ္ပုဋိစ္ဆာဒိကာ”။

ဥက္ခိတ္တာနုတ္တိကာ သိက္ခသဒ္ဓ

၇။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သမဂ္ဂေန သံဃေန ဥက္ခိတ္တံ  
ဘိက္ခု၊ ဓမ္မေန ဝိနယေန သတ္တုဿာသနေန အနာဒရံ  
အပ္ပုဋိကာရံ အကတသဟာယံ တမနုဝတ္တေယျ၊ သာ  
ဘက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယာ “ဧသော ခေါ  
အယေ ဘိက္ခု သမဂ္ဂေန သံဃေန ဥက္ခိတ္တော၊ ဓမ္မေန  
ဝိနယေန သတ္တုဿာသနေန အနာဒရော အပ္ပုဋိကာရော  
အကတသဟာယော၊ မာ’ယေ ဧတံ ဘိက္ခု၊ အနုဝတ္တိ”တိ။  
ဧဝဉ္စ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဝုပ္ပမာနာ တထေဝ  
ပဂ္ဂဏေယျ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ယာဝတတိယံ သမန-  
ဘာသိတဗ္ဗာ တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိယဉ္စ  
သမနဘာသိယမာ၊ တ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣန္ဒြေတံ  
ကုသလံ၊ နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ အယမ္ပိ ပါရာဇိကာ  
ဟောတိ အသံဝါသာ ဥက္ခိတ္တာနုတ္တိကာ။

အပ္ပုဋိကာ သိက္ခသဒ္ဓ

၈။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဝဿတာ အဝဿတဿ  
ပုရိသပုဂ္ဂလဿ၊ ဟဗ္ဗဂ္ဂဟဏံ ဝါ သာဒိယေယျ၊ သဗ္ဗာဋိ-  
ကဏ္ဍဂ္ဂဟဏံ ဝါ သာဒိယေယျ၊ သန္တိဋ္ဌေယျ ဝါ၊ သလ္လပေယျ  
ဝါ သင်္ကေတံ ဝါ ဂစ္ဆေယျ၊ ပုရိသဿ ဝါ အတ္တာဂမနံ  
သာဒိယေယျ၊ ဓာန္တ ဝါ အနုပရိယေယျ၊ ကာယံ ဝါ

တဒတ္ထာယ ဥပသံဟရေယျ တေဿ အသဒ္ဓမ္မဿ ပဋိသေဝ-  
နတ္ထာယ၊ အယမ္ပိ ပါရာဇိကာ ဟောတိ အသံဝါသာ  
အဋ္ဌဝတ္ထုကာ။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါ အယျာယော အဋ္ဌ ပါရာဇိကာ ဓမ္မာ။  
ယေသံ ဘိက္ခုနီ အညတရံ ဝါ အညတရံ ဝါ အပဋိတွာ  
န လဘတိ ဘိက္ခုနီဟံ သဒ္ဓိံ သံဝါသံ ယထာ ပုရေ၊ တထာ  
ပစ္ဆာ၊ ပါရာဇိကာ ဟောတိ အသံဝါသာ။ တတ္ထာ'ယျာယော  
ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိ-  
သုဒ္ဓါ၊ တတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ပရိသုဒ္ဓေတ္ထာ-  
ယျာယော၊ တသ္မာ တုဏှိ၊ ဧဝမေတံ ဓာရယာဇိတိ။

ပါရာဇိကံ နိဋ္ဌိတံ။

### သံဃာဒိသေသ

ဣမေ ခေါ ပနာယျာယော သတ္တရသ သံဃာဒိသေသာ  
ဓမ္မာ ဥဒ္ဓေသံ အာဝစ္ဆန္တိ။

ဥဿယဝါဒိကာ သိက္ခာယ

၁။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဥဿယဝါဒိကာ ဝိဟရေယျ  
ဂဟပတိနာ ဝါ ဂဟပတိပုတ္တေန ဝါ ဒါသေန ဝါ ကမ္မ-  
ကာဓရေန ဝါ အန္တမသော သမဏပရိဗ္ဗာဇကေနာပိ၊ အယမ္ပိ  
ဘိက္ခုနီ ပဌမာပတ္တိကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ  
သံဃာဒိသေသံ။

ဆာရီ ဝုဋ္ဌသိကာ သိက္ခာပဒ

၂။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဇာနံ စောရိံ ဝဋ္ဌံ ဝိဒိတံ  
အနုပလောကေတွာ ရာဇာနံ ဝါ သံဃံ ဝါ ဂဏံ ဝါ ပူဂံ  
ဝါ သေဏိံ ဝါ အညတြ ကပ္ပါ ဝုဋ္ဌာပေယျ၊ အယမ္ဗိ  
ဘိက္ခုနီ ပဌမာပတ္တိကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ  
သံဃာဒိဿေသံ။

ဧက ဂါမန္တရ ဇန သိက္ခာပဒ

၃။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဧကာ ဝါ ဂါမန္တရံ ဂစ္ဆေယျ၊  
ဧကာ ဝါ နဒီပါရံ ဂစ္ဆေယျ၊ ဧကာ ဝါ ရေတ္တိံ ဝိပုဝသေယျ၊  
ဧကာ ဝါ ဂဏမှာ ဩဟိယေယျ၊ အယမ္ဗိ ဘိက္ခုနီ ပဌမာ-  
ပတ္တိကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာဒိဿေသံ။

ဥက္ခိတ္တက ဩသရဏ သိက္ခာပဒ

၄။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သမဂ္ဂေန သံဃေန ဥက္ခိတ္တံ  
ဘိက္ခုနီ ဓမ္မေန ဝိနယေန သတ္တုသာသနေန အနုပလော-  
ကေတွာ ကာရကသံဃံ၊ အနညာယ ဂဏဿ ဆန္တံ ဩသာ-  
ရေယျ၊ အယမ္ဗိ ဘိက္ခုနီ ပဌမာပတ္တိကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာ-  
ရဏီယံ သံဃာဒိဿေသံ။

ဘောဇန ပဋိဂ္ဂဟဏ ပဌမ သိက္ခာပဒ

၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဝဿုတာ အဝဿုတဿ  
ပုရိသပုဂ္ဂလဿ ဟတ္ထတော ခါဒနီယံ ဝါ ဘောဇနီယံ ဝါ  
သဟတ္တာ ပဋိဂ္ဂဟေတွာ ခါဒေယျ ဝါ ဘုဉ္ဇေယျ ဝါ၊ အယမ္ဗိ  
ဘိက္ခုနီ ပဌမာပတ္တိကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာ-  
ဒိဿေသံ။

ဘောဇန ပဋိဂ္ဂဟဏ ဒုတိယ သိက္ခာပဒ

၆။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဧဝံ ဝဒေယျ “ကိ” တေ အယျေ ဧသော ပုရိသပုဂ္ဂလော ကရိဿတိ အဝဿုတော ဝါ အနဝဿုတော ဝါ၊ ယတော တံ အနဝဿုတာ၊ ဣဓံ အယျေ ယံ တေ ဧသော ပုရိသပုဂ္ဂလော ဒေတိ ခါဒနီယံ ဝါ ဘောဇနီယံ ဝါ၊ တံ တံ သဟတ္ထာ ပဋိဂ္ဂဟေတွာ ခါဒ ဝါ ဘုဉ္ဇ ဝါ”တိ၊ အယမ္ပိ ဘိက္ခုနီ ပဌမာပတ္တိကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာဒိသေသံ။

ဆန္ဒရိတ္တ သိက္ခာပဒ

၇။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သဗ္ဗရိတ္တံ သမာပဇ္ဇေယျ ဣတ္ထိယာ ဝါ ပုရိသမတိ၊ ပုရိသဿ ဝါ ဣတ္ထိမတိ၊ ဇာယတ္တနေ ဝါ ဇာရတ္တနေ ဝါ အန္တမသော တင်္ဂဏိကာယဝိ၊ အယမ္ပိ ဘိက္ခုနီ ပဌမာပတ္တိကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာဒိသေသံ။

စုဠဒေါသ သိက္ခာပဒ

၈။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီ ဒုဠာ ဒေါသာ အပ္ပတိတာ အမူလကေန ပါရာဇိကေန ဓမ္မေန အနုဉ္စံသေယျ “အပ္ပေဝ နာမ နံ ဣမမှာ မြဟ္မစရိယာ စာဝေယျ”န္တိ၊ တတော အပရေန သမယေန သမနုဂ္ဂါဟိယမာနာ ဝါ အသမနုဂ္ဂါဟိယမာနာ ဝါ အမူလကဉ္စေဝ တံ အဓိကရဏံ ဟောတိ၊ ဘိက္ခုနီ စ ဒေါသံ ပတိဋ္ဌာတိ၊ အယမ္ပိ ဘိက္ခုနီ ပဌမာပတ္တိကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာဒိသေသံ။

အညဘာဂိယ သိက္ခာပဒ

၉။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီ ဒုဠာ ဒေါသာ အပ္ပတိတာ အညဘာဂိယဿ အဓိကရဏဿ ကိဉ္စိဒေသံ လေသ-

မတ္တံ ဥပါဒါယ ပါရာဇိကေန ဓမ္မေန အနုဒ္ဓံသေယျ “အပ္ပေဝ  
နာမ နံ ဣမမှာ ဗြဟ္မစရိယာ စာဝေယျ”န္တိ၊ တတော  
အပရေန သမယေန သမနုဂ္ဂါဟီယမာနာ ဂါ အသမနုဂ္ဂါ-  
ဟီယမာနာ ဝါ အညဘာဂိယဉ္ဇေဝ တံ အဓိကရဏံ ဟောတိ၊  
ကောစိဒေသော လေသမတ္တော ဥပါဒိန္နော၊ ဘိက္ခုနီ စ  
ဒေါသံ ပတိဋ္ဌာတိ၊ အယမ္ပိ ဘိက္ခုနီ ပဌမာပတ္တိကံ ဓမ္မံ  
အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာဒိသေသံ။

သိက္ခာ ပစ္စာမိက္ခာ သိက္ခာသဒ္ဓ

၁၀။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ကုပိတာ အနတ္တမနာ ဧဝံ  
ဝဒေယျ “ဗုဒ္ဓံ ပစ္စာမိက္ခာမိ၊ ဓမ္မံ ပစ္စာမိက္ခာမိ၊ သံဃံ ပစ္စာ-  
မိက္ခာမိ၊ သိက္ခာ ပစ္စာမိက္ခာမိ၊ ကိန္နုမာဝ သမဏိယော ယာ  
သမဏိယော သကျမိတရော၊ သန္တညာပိ သမဏိယော  
လဋ္ဌိနိယော ကုက္ကုစ္စိကာ သိက္ခာကာမာ၊ တာသာဟံ သန္တိ-  
ကေ ဗြဟ္မစရိယံ စရိဿာပီ”တိ။ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ  
ဧဝမဿ ဝစနိယာ “မာ’ယျေ ကုပိတာ အနတ္တမနာ ဧဝံ  
အဝစ ‘ဗုဒ္ဓံ ပစ္စာမိက္ခာမိ၊ ဓမ္မံ ပစ္စာမိက္ခာမိ၊ သံဃံ ပစ္စာ-  
မိက္ခာမိ၊ သိက္ခာ ပစ္စာမိက္ခာမိ၊ ကိန္နုမာဝ သမဏိယော ယာ  
သမဏိယော သကျမိတရော၊ သန္တညာပိ သမဏိယော လဋ္ဌိ-  
နိယော ကုက္ကုစ္စိကာ သိက္ခာကာမာ၊ တာသာဟံ သန္တိကေ  
ဗြဟ္မစရိယံ စရိဿာပီ’တိ၊ အဘိရမာ’ယျေ၊ သွာက္ခာတော  
ဓမ္မော၊ စရ ဗြဟ္မစရိယံ သမ္မာ ဒုက္ခဿ အန္တကိရိယာယာ”တိ။  
ဧဝံ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဝုစ္စမာနာ တထေဝ ပဂ္ဂ-  
ဏေယျ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ယာဝတတိယံ သမန-

ဘာသိတဗ္ဗာ တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိယဉ္ဇေ  
သမနုဘာသိယမာနာ တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣစ္စေတံ ကုသလံ၊  
နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ အယမ္ပိ ဘိက္ခုနီ ယာဝတတိယကံ  
ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာဒိသေသံ”။

အဓိကရဏ ကုပိတ သိက္ခာသဒ္ဓ

၁၁။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ကိသ္မိပ္ပိဒေဝ အဓိကရဏေ  
ပစ္စာကတာ ကုပိတာ အနတ္တမနာ ဧဝံ ဝဒေယျ “ဆန္ဒဂါမိ-  
နိယော စ ဘိက္ခုနိယော၊ ဒေါသဂါမိနိယော စ ဘိက္ခုနိ-  
ယော၊ မောဟဂါမိနိယော စ ဘိက္ခုနိယော၊ ဘယဂါမိနိ-  
ယော စ ဘိက္ခုနိယော”တိ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ  
ဧဝမဿ ဝစနိယာ “မာ’ယျေ ကိသ္မိပ္ပိဒေဝ အဓိကရ-  
ဏေ ပစ္စာကတာ ကုပိတာ အနတ္တမနာ ဧဝံ အဝစ  
‘ဆန္ဒဂါမိနိယော စ ဘိက္ခုနိယော၊ ဒေါသဂါမိနိယော စ  
ဘိက္ခုနိယော၊ မောဟဂါမိနိယော စ ဘိက္ခုနိယော၊ ဘယ-  
ဂါမိနိယော စ ဘိက္ခုနိယော’တိ၊ အယျာ ခေါ ဆန္ဒာပိ  
ဂစ္ဆေယျ၊ ဒေါသာပိ ဂစ္ဆေယျ၊ မောဟာပိ ဂစ္ဆေယျ၊  
ဘယာပိ ဂစ္ဆေယျာ”တိ။ ဧဝံ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ  
ဝုစ္စမာနာ တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ  
ယာဝတတိယံ သမနုဘာသိတဗ္ဗာ တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊  
ယာဝတတိယဉ္ဇေ သမနုဘာသိယမာနာ တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊  
ဣစ္စေတံ ကုသလံ၊ နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ အယမ္ပိ ဘိက္ခုနီ  
ယာဝတတိယကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာ-  
ဒိသေသံ”။

ပါပဿာစာရ ပဌမ သိက္ခာပဒ

၁၂။ \*ဘိက္ခုနိယော ပနေဝ သံသဋ္ဌာ ဝိဟရန္တိ ပါပါစာရာ ပါပသဒ္ဓါ ပါပသိလောကာ ဘိက္ခုနိသံဃဿ ဝိဟေသိကာ အညမညိဿာ ဝဇ္ဇပ္ပုဋိစ္ဆာဒိကာ၊ တာ ဘိက္ခုနိယော ဘိက္ခုနိဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယာ “ဘဂိနိယော ခေါ သံသဋ္ဌာ ဝိဟရန္တိ ပါပါစာရာ ပါပသဒ္ဓါ ပါပသိလောကာ ဘိက္ခုနိသံဃဿ ဝိဟေသိကာ အညမညိဿာ ဝဇ္ဇပ္ပုဋိစ္ဆာဒိကာ၊ ဝိဝိစ္စထာယျေ၊ ဝိဝေကညေဝ ဘဂိနိနံ သံဃော ဝဏ္ဏေတိ”တိ။ ဧဝံ တာ ဘိက္ခုနိယော ဘိက္ခုနိဟိ ဝုစ္စမာနာ တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ တာ ဘိက္ခုနိယော ဘိက္ခုနိဟိ ယာဝတတိယံ သမနဘာသိတဗ္ဗာ တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိယဉ္စေ သမနဘာသိယမာနာ တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣဇ္ဇေတံ ကုသလံ၊ နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣမာပိ ဘိက္ခုနိယော ယာဝတတိယကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာဒိဿေသံ”။

ပါပဿာစာရ ဒုတိယ သိက္ခာပဒ

၁၃။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနိ ဧဝံ ဝဒေယျ “သံသဋ္ဌာဝ အယျေ တုမေ ဝိဟရထ၊ မာ တုမေ နာနာ ဝိဟရိတ္ထ၊ သန္တိ သံဃေ အညာပိ ဘိက္ခုနိယော ဧဝါစာရာ ဧဝံသဒ္ဓါ ဧဝံသိလောကာ ဘိက္ခုနိသံဃဿ ဝိဟေသိကာ အညမညိဿာ ဝဇ္ဇပ္ပုဋိစ္ဆာဒိကာ၊ တာ သံဃော န ကိဉ္စိ အာဟ၊ တုမှညေဝ သံဃော ဥညာယ ပရိဘဝေန အက္ခန္တိယာ ဝေဘဿိယာ ဒုဗ္ဗလျာ ဧဝမာဟ ‘ဘဂိနိယော ခေါ သံသဋ္ဌာ ဝိဟရန္တိ ပါပါစာရာ ပါပသဒ္ဓါ ပါပသိလောကာ

ဘိက္ခုနီသံဃဿ ဝိဟေသိကာ အညမညိဿာ ဝဇ္ဇပ္ပုဋိစ္ဆာဒိကာ၊ ဝိဝိစ္စထာယျ၊ ဝိဝေကညေဝ ဘဂိနီနံ သံဃော ဝဏ္ဏေတိ”တိ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဧဝမဿ ဝစနီယာ “မာ’ယျေ ဧဝံ အဝစ ‘သံသဋ္ဌာဝ အယျေ တုမေ ဝိဟရထ၊ မာ တုမေ နာနာ ဝိဟရိတ္ထ၊ သန္တိ သံဃေ အညာပိ ဘိက္ခုနီယော ဧဝါစာရာ ဧဝံသဒ္ဓါ ဧဝံသိလောကာ ဘိက္ခုနီသံဃဿ ဝိဟေသိကာ အညမညိဿာ ဝဇ္ဇပ္ပုဋိစ္ဆာဒိကာ၊ တာ သံဃော န ကိဉ္စိ အာဟ၊ တုမှညေဝ သံဃော ဥညာဃ ပရိဘဝေန အက္ခန္တိယာ ဝေဘဿိယာ ဒုဗ္ဗလျာ ဧဝမာဟ ‘ဘဂိနီယော ခေါ သံသဋ္ဌာ ဝိဟရန္တိ ပါပါစာရာ ပါပယဒ္ဓါ ပါပသိလောကာ ဘိက္ခုနီသံဃဿ ဝိဟေသိကာ အညမညိဿာ ဝဇ္ဇပ္ပုဋိစ္ဆာဒိကာ၊ ဝိဝိစ္စထာယျ၊ ဝိဝေကညေဝ ဘဂိနီနံ သံဃော ဝဏ္ဏေတိ”တိ”။ ဧဝံ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဝုစ္စမာနာ တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ယာဝတတိယံ သမနဘာသိတဗ္ဗာ တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိယဉ္စေ သမနဘာသိယမာနာ တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣစ္စေတံ ကုသလံ၊ နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ အယမ္ပိ ဘိက္ခုနီ ယာဝတတိယကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာဒိသေသံ”။

သံဃဘေဒက သိက္ခာပဒ။

၁၄။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သမဂ္ဂဿ သံဃဿ ဘေဒါယ ပရက္ကမေယျ၊ ဘေဒနသံဝတ္တနိကံ ဝါအဓိကရဏံ သမာဒါယ ပဂ္ဂယ တိဇ္ဇေယျ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဧဝမဿ ဝစနီယာ “မာ’ယျာ သမဂ္ဂဿ သံဃဿ ဘေဒါယ ပရက္ကမိ၊

ဘေဒနသံဝတ္တနိကံ ဝါ အဓိကရဏံ သမာဒါယ ပဂ္ဂယျ  
 အဋ္ဌာသိ၊ သမေတာယျာ သံဇေန၊ သမဂ္ဂေါ ဟိ သံဇော  
 သမ္မောဒမာနော အဝိဝဒမာနော ဧကုဋ္ဌေသော ဖာသု  
 ဝိဟရတိ”တိ။ ဧဝံ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဝုစ္စမ နာ  
 တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ယာဝတတိယံ  
 သမနုဘာသိတဗ္ဗာ တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိယဉ္စေ  
 သမနုဘာသိယမာနာ တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣဇ္ဈေတံ ကုသလံ။  
 နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ အယမ္ပိ ဘိက္ခုနီ ယာဝတတိယကံ  
 ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာဒိဿေသံ”။

ဘောနုဝတ္တက သိက္ခာပဒ။

၁၅။ ကဿာယေဝ ခေါပန ဘိက္ခုနီယာ ဘိက္ခုနီယော  
 ဟောန္တိ အနုဝတ္တိကာ ဝဂ္ဂဝါဒိကာ ဧကာ ဝါ ဒွေ ဝါ  
 တိဿော ဝါ၊ တာ ဧဝံ ဝဒေယျ၊ “မာ’ယျာယော ဧတံ  
 ဘိက္ခုနီ” ကိဉ္စိ အဝစုတ္တ ဓမ္မဝါဒိနီ စေ’သာ ဘိက္ခုနီ၊  
 ဝိနယဝါဒိနီ စေ’သာ ဘိက္ခုနီ၊ အမှာကဉ္စေ’သာ ဘိက္ခုနီ  
 ဆန္ဒဉ္စ ရုစိဉ္စ အာဒါယ ဝေါဟရတိ၊ ဇာနာတိ၊ နော  
 ဘာသတိ၊ အမှာကဓမ္မေတံ ခမတိ”တိ၊ တာ ဘိက္ခုနီယော  
 ဘိက္ခုနီဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယာ “မာ’ယျာယော ဧဝံ အဝစုတ္တ၊  
 န စေ’သာ ဘိက္ခုနီ ဓမ္မဝါဒိနီ၊ န စေ’သာ ဘိက္ခုနီ ဝိနယ-  
 ဝါဒိနီ၊ မာ’ယျာနမ္ပိ သံဃဘေဒေါ ရုစိတ္ထ၊ သမေတာယျာနံ  
 သံဇေန၊ သမဂ္ဂေါ ဟိ သံဇော သမ္မောဒမာနော အဝိဝဒ-  
 မာနော ဧကုဋ္ဌေသော ဖာသု ဝိဟရတိ”တိ။ ဧဝံ တာ  
 ဘိက္ခုနီယော ဘိက္ခုနီဟိ ဝုစ္စမာနာ တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊  
 တာ ဘိက္ခုနီယော ဘိက္ခုနီဟိ ယာဝတတိယံ သမနုဘာသိ-

တဗ္ဗာ တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိယဉ္စေ သမနု-  
ဘာသိယမာနာ တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျံ၊ ဣစ္ဆေတံ ကုသလံ။  
နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျံ၊ ဣမာပိ ဘိက္ခုနီယော ယာဝ-  
တတိယကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာဒိသေသံ။

ဒုပ္ပဝ သိက္ခာပဒ

၁၆။ ဘိက္ခုနီ ပနေဝ ဒုပ္ပဝဇာတိကာ ဟောတိ  
ဥဋ္ဌေသပရိယာပန္နေသု သိက္ခာပဒေသု ဘိက္ခုနီဟိ သဟဓမ္မိကံ  
ဝုစ္စမာနာ အတ္တာနံ အဝစနီယံ ကရေတိ “မာ မံ  
အယျာယော ကိဉ္စိ အဝစုတ္တ ကလျာဏံ ဝါ ပါပကံ ဝါ၊  
အဟမ္ဘာယျာယော န ကိဉ္စိ ဝက္ခာမိ.ကလျာဏံ ဝါ ပါပကံ  
ဝါ၊ ဝိရမထာယျာယော မမ ဝစနာယာ”တိ၊ သာ ဘိက္ခုနီ  
ဘိက္ခုနီဟိ ဧဝမဿ ဝစနီယာ “မာယျာ အတ္တာနံ အဝစနီယံ  
အကာသိ၊ ဝစနီယမေဝ အယျာ အတ္တာနံ ကရေတု၊  
အယျာပိ ဘိက္ခုနီယော ဝဒတု သဟဓမ္မေန၊ ဘိက္ခုနီယောပိ  
အယျံ ဝက္ခန္တိ သဟဓမ္မေန၊ ဧဝံ သံဝဠာ ဟိ တဿ  
ဘဂဝတော ပရိသာ ယဒိဒံ အညမညဝစနေန အညမည-  
ဝုဠာပနေနာ”တိ။ ဧဝဉ္စ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဝုစ္စမာနာ  
တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ယာဝ-  
တတိယံ သမနုဘာသိတဗ္ဗာ တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝ-  
တတိယဉ္စေ သမနုဘာသိယမာနာ တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊  
ဣစ္ဆေတံ ကုသလံ၊ နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ အယမ္ပိ  
ဘိက္ခုနီ ယာဝတတိယကံ ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ  
သံဃာဒိသေသံ။

ကုလသုဿက သိက္ခသဒ္ဓ

၁၇။ ဘိက္ခုနီ ပနေဝ အညတရံ ဂါမံ ဝါ နိဝဓံ ဝါ ဥပနိဿာယ ဝိဟရတိ ကုလဒူသိကာ ပါပသမာစာရာ၊ တဿာ ခေါ ပါပကာ သမာစာရာ ဒိဿန္တိ စေဝ သုယုန္တိ စ၊ ကုလာနိ စ တာယ ဒုဋ္ဌာနိ ဒိဿန္တိ စေဝ သုယုန္တိ စ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယာ “အယျာ ခေါ ကုလဒူသိကာ ပါပသမာစာရာ၊ အယျာယ ခေါ ပါပကာ သမာစာရာ ဒိဿန္တိ စေဝ သုယုန္တိ စ၊ ကုလာနိ စာ’ယျာယ ဒုဋ္ဌာနိ ဒိဿန္တိ စေဝ သုယုန္တိ စ၊ ပက္ကမတာ’ယျာ ဣမမှာ အာဝါသာ၊ အလံ တေ ဣဓ ဝါသေန”တိ။ ဧဝံ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဝုဇ္ဈမာနာ တာ ဘိက္ခုနိယော ဧဝံ ဝဒေယျ “ဆန္ဒဂါမိနိယော စ ဘိက္ခုနိယော၊ ဒေါသဂါမိနိယော စ ဘိက္ခုနိယော၊ မောဟဂါမိနိယော စ ဘိက္ခုနိယော၊ ဘယဂါမိနိယော စ ဘိက္ခုနိယော၊ တာဒိသိကာယ အာပတ္တိယာ ကေစ္စံ ပဗ္ဗာဇေန္တိ ကေစ္စံ န ပဗ္ဗာဇေန္တိ”တိ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဧဝမဿ ဝစနိယာ “မာ’ယျာ ဧဝံ အဝစ၊ န စ ဘိက္ခုနိယော ဆန္ဒဂါမိနိယော၊ န စ ဘိက္ခုနိယော ဒေါသဂါမိနိယော၊ န စ ဘိက္ခုနိယော မောဟဂါမိနိယော၊ န စ ဘိက္ခုနိယော ဘယဂါမိနိယော၊ အယျာ ခေါ ကုလဒူသိကာ ပါပသမာစာရာ၊ အယျာယ ခေါ ပါပကာ သမာစာရာ ဒိဿန္တိ စေဝ သုယုန္တိ စ၊ ကုလာနိ စာ’ယျာယ ဒုဋ္ဌာနိ ဒိဿန္တိ စေဝ သုယုန္တိ စ၊ ပက္ကမတာ’ယျာ ဣမမှာ အာဝါသာ၊ အလံ တေ ဣဓ ဝါသေန”တိ။ ဧဝံ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဝုဇ္ဈမာနာ တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ယာဝတတိယံ သမနဘာသိတဗ္ဗာ တဿ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိယဉ္ဇေ

သမနုဘာသိယမာနာ တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣစ္ဆေတံ ကုသလံ။  
 နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ အယမ္ပိ ဘိက္ခုနီ ယာဝတတိယကံ  
 ဓမ္မံ အာပန္နာ နိဿာရဏီယံ သံဃာဒိသေသံ။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါ် အယျာယော သတ္တရသ သံဃာဒိသေသာ  
 ဓမ္မာ နဝ ပဌမာပတ္တိကာ၊ အဋ္ဌ ယာဝတတိယကာ၊ ယေ'သံ  
 ဘိက္ခုနီ အညတရံ ဝါ အညတရံ ဝါ အာပဇ္ဇတိ၊ တဿ  
 ဘိက္ခုနီယာ ဥဘတောသံဃေ ပက္ခမာနတ္ထံ စရိတဗ္ဗံ။  
 ဝိဇ္ဈမာနတ္တာ ဘိက္ခုနီ ယတ္ထ သိယာ ဝိသတိဂဏော  
 ဘိက္ခုနီသံဃော၊ တတ္ထ သာ ဘိက္ခုနီ အဗ္ဘေတဗ္ဗာ။  
 ဧကာယပိ စေ ဥဇော ဝိသတိဂဏော ဘိက္ခုနီသံဃော  
 တံ ဘိက္ခုနီ အဗ္ဘေယျ၊ သာ စ ဘိက္ခုနီ အနတ္တိတာ၊ တာ စ  
 ဘိက္ခုနီယော ဂါရယှာ၊ အယံ တတ္ထ သာမီစိ။ တတ္ထာ-  
 ယျာယော ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊  
 ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊  
 ပရိသုဒ္ဓတ္တာယျာယော၊ တသ္မာ တုဏှိ၊ ဧဝမေတံ  
 ဓာရယာပီတိ။

သံဃာဒိသေသော နိဋ္ဌိတော။

### နိဿဂ္ဂိယ ပါစိတ္တိယ

ဣမေ ခေါ် ပနာ'ယျာယော တိ'သ နိဿဂ္ဂိယာ ပါစိတ္တိယာ  
 ဓမ္မာ ဥဋ္ဌေသံ အာဂစ္ဆန္တိ။

### ပတ္တဝဂ္ဂ

ပတ္တသန္နိဓယ သိက္ခသဒ္ဓ

၁။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပတ္တသန္နိဓယံ ကရေယျ၊  
 နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

အကလ ဝိဝေသနာ သိက္ခာ

၂။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အကလဝိဝေသံ “ကာလဝိဝေသ”န္တိ အဓိဋ္ဌဟိတွာ ဘာဇောပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ဝိဝေသ ပရိဝေသနာ သိက္ခာ

၃။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီယာ သဒ္ဓိံ ဝိဝေသံ ပရိဝေသေတွာ သာ ပစ္စာ ဧဝံ ဝဒေယျ “ဟန္တာယေ တုယံ ဝိဝေသံ၊ အာဟာရ မေတံ ဝိဝေသံ၊ ယံ တုယံ ထုပ္ပပ္ပေဝေတံ၊ ယံ မယံ မယုမေဝေတံ၊ အာဟာရ မေတံ ဝိဝေသံ၊ သကံ ပစ္စာဟရ”တိ အတ္ထိန္တေယျ ဝါ အတ္ထိန္တာပေယျ ဝါ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

အညဝိညာသန သိက္ခာ

၄။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အညံ ဝိညာပေတွာ အညံ ဝိညာပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

အညစေတောပန သိက္ခာ

၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အညံ စေတောပေတွာ အညံ စေတောပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ပဌမ သံယိက စေတောပန သိက္ခာ

၆။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အညာတ္ထိကေန ပရိက္ခာရေန အညုတ္တိသိကေန သံယိကေန အညံ စေတောပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ဇုတ္ထိယ သံဏိက စေတနာယန သိက္ခာပဒ

၇။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အညဒတ္ထိကေန ပရိက္ခာရေန  
အညုဒ္ဓိသိကေန သံယိကေန သညာဇိကေန အညံ စေတာ-  
ပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ပဌမ ဂဏိက စေတနာယန သိက္ခာပဒ

၈။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အညဒတ္ထိကေန ပရိက္ခာရေန  
အညုဒ္ဓိသိကေန မဟာဇနိကေန အညံ စေတာပေယျ၊  
နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ဇုတ္ထိယ ဂဏိက စေတနာယန သိက္ခာပဒ

၉။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အညဒတ္ထိကေန ပရိက္ခာရေန  
အညုဒ္ဓိသိကေန မဟာဇနိကေန သညာဇိကေန အညံ  
စေတာပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ပုတ္တလိက စေတနာယန သိက္ခာပဒ

၁၀။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အညဒတ္ထိကေန ပရိက္ခာရေန  
အညုဒ္ဓိသိကေန ပုဂ္ဂလိကေန သညာဇိကေန အညံ စေတာ-  
ပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ပတ္တဝဂ္ဂေါ ပဌမေ။

စိဝရဝဂ္ဂ

ဂရုပါဝုရဏ သိက္ခာပဒ

၁၁။ \*ဂရုပါဝုရဏံ ပန ဘိက္ခုနီယာ စေတာပေန္တိယာ  
စတုက္ကံသပရမံ စေတာပေတဗ္ဗံ။ တတော စေ ဥတ္တရိ  
စေတာပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

လဟုပါဝုရဏ သိက္ခာပဒ

၁၂။ \*လဟုပါဝုရဏံ ပန ဘိက္ခုနိယာ စေတာပေန္တိ-  
ယာ အစုတေယျကံသပရမံ စေတာပေတဗ္ဗံ။ တတော စေ  
ဥတ္တရိ စေတာပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ကထိန သိက္ခာပဒ

၁၃။ နိဋ္ဌိတစိဝရသ္မိံ ဘိက္ခုနိယာ ဥပ္ပတသ္မိံ ကထိနေ  
ဒဿာဟပရမံ အတိရေကစိဝရံ ဓာရေတဗ္ဗံ။ တံ အတိက္ကာ-  
မေန္တိယာ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

ဥဒေါသိတ သိက္ခာပဒ

၁၄။ နိဋ္ဌိတစိဝရသ္မိံ ဘိက္ခုနိယာ ဥပ္ပတသ္မိံ ကထိနေ  
ဧကရတ္တမ္ပိ စေ ဘိက္ခုနိ တိစိဝရေန ဝိပ္ပဝသေယျ အညတြ  
ဘိက္ခုနိသမ္ပုတိယာ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

အကာလစိဝ သိက္ခာပဒ

၁၅။ နိဋ္ဌိတစိဝရသ္မိံ ဘိက္ခုနိယာ ဥပ္ပတသ္မိံ ကထိနေ  
ဘိက္ခုနိယာ ပနေဝ အကာလစိဝရံ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ၊ အာကာ-  
မာနာယ ဘိက္ခုနိယာ ပဋိဂ္ဂဟေတဗ္ဗံ၊ ပဋိဂ္ဂဟေတွာ ခိပ္ပမေဝ  
ကရေတဗ္ဗံ၊ နော စဿ ပါရိပူရိ၊ မာသပရမံ တဿ  
ဘိက္ခုနိယာ တံ စိဝရံ နိက္ခိပိတဗ္ဗံ ဥနဿ ပါရိပူရိယာ  
သတိယာ ပစ္စာသာယ။ တတော စေ ဥတ္တရိ နိက္ခိပေယျ  
သတိယာပိ ပစ္စာသာယ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။

အညာတက ဝိညတ္တိ သိက္ခာပဒ

၁၆။ ယာ ပန ဘိက္ခုနိ အညာတကံ ဂဟပတိံ ဝါ  
ဂဟပတာနိံ ဝါစိဝရံ ဝိညာပေယျ အညတြ သမယာ၊

နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။ တတ္ထာယံ သမယော အတ္တိန္ဒြိယရာ  
ဝါ ဟောတိ ဘိက္ခုနီ၊ နန္ဒြိယရာ ဝါ၊ အယံ တတ္ထ  
သမယော'။

ထတုတ္တရိ သိက္ခာသမ္ပ

၁၇။ တဉ္စေ အညာတကော ဂဟပတိ ဝါ ဂဟပတာနိ  
ဝါ ဗဟုယိ စိဝရေဟိ အဘိဟဋ္ဌံ ပဝါရေယျ၊ သန္တရတ္တရပရမံ  
တာယ ဘိက္ခုနီယာ တံတော စိဝရံ သာဒိတဗ္ဗံ။ တတော  
စေ ဥတ္တရိ သာဒိယေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ'။

သပ္ပ ဥပက္ခန္ဓ သိက္ခာသမ္ပ

၁၈။ ဘိက္ခုနီ' ပနေဝ ဥဒ္ဓိဿ အညာတကဿ ဂဟ-  
ပတိဿ ဝါ ဂဟပတာနိယာ ဝါ စိဝရစေတာပန္နံ ဥပက္ခန္ဓံ  
ဟောတိ “ဣမိနာ စိဝရစေတာပန္နေန စိဝရံ စေတာပေတွာ  
ဣတ္ထန္တာမံ ဘိက္ခုနီ' စိဝရေန အစ္ဆာဒေဿာဗိ”တိ။ တတြံ  
စေသာ ဘိက္ခုနီ ပုဗ္ဗေ အပ္ပဝါရိတာ ဥပသင်္ကမိတွာ စိဝရေ  
ဝိကပ္ပံ အာပဇ္ဇေယျ “သာဓု ဝတ၊ မံ အာယသ္မာ ဣမိနာ  
စိဝရစေတာပန္နေန ဧဝရူပံ ဝါ ဧဝရူပံ ဝါ စိဝရံ စေတာ-  
ပေတွာ အစ္ဆာဒေဟိ”တိ ကလျာဏကမျတံ ဥပါဒါယ၊  
နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ'။

ဓုတ္တယ ဥပက္ခန္ဓ သိက္ခာသမ္ပ

၁၉။ ဘိက္ခုနီ' ပနေဝ ဥဒ္ဓိဿ ဥဘိန္ဒ အညာတကာနံ  
ဂဟပတိနံ ဝါ ဂဟပတာနိနံ ဝါ ပဇ္ဇေကစိဝရစေတာပန္နာနိ  
ဥပက္ခန္ဓာနိ ဟောန္တိ “ဣဗေဟိ မယံ ပဇ္ဇေကစိဝရစေတာ-  
ပန္နေဟိ ပဇ္ဇေကစိဝရာနိ စေတာပေတွာ ဣတ္ထန္တာမံ ဘိက္ခုနီ'

စိဝရေဟိ အစ္စာဒေဿာမာ”တိ။ တဩ စေသာ ဘိက္ခုနီ ပုဗ္ဗေ အပ္ပဝါရိတာ ဥပသင်္ကမိတွာ စိဝရေဟိကပ္ပံ အာပဇ္ဇေယျ “သာဓု ဝတ၊ မံ အာယသ္မန္တော ဣမေဟိ ပဇ္ဇေကစိဝရစေတာပန္နေဟိ ဧဝရူပံ ဝါ ဧဝရူပံ ဝါ စိဝရံ စေတာပေတွာ အစ္စာဒေဿ ဥဘောဝ သန္တာ ဧကေနာ”တိ ကလျာဏကမ္ပတံ ဥပါဒါယ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါမိတ္တိယံ။

မှဇ သိက္ခသဒ္ဓ

၂၀။ ဘိက္ခုနီ ပနေဝ ဥဒ္ဓိဿ ရာဇာ ဝါ ရာဇဘောဓဂ္ဂါ ဝါ မြာဟ္မဏော ဝါ ဂဟပတိကော ဝါ ဒူတေန စိဝရစေတာပန္နံ ပဟိဏေယျ “ဣမိနာံ စိဝရစေတာပန္နေန စိဝရံ စေတာပေတွာ ဣတ္ထန္တာမံ ဘိက္ခုနီ စိဝရေန အစ္စာဒေဟိ”တိ။ သော စေ ဒူတော တံ ဘိက္ခုနီ ဥပသင်္ကမိတွာ ဧဝံ ဝဒေယျ “ဣဒံ ခေါ အယျေ အယျံ ဥဒ္ဓိဿ စိဝရစေတာပန္နံ အာဘတံ၊ ပဋိဂ္ဂဟာတာယျာ စိဝရစေတာပန္နံ”န္တိ။ တာယ ဘိက္ခုနီယာ သော ဒူတော ဧဝမာပ ဝစနိယော “န ခေါ မယံ အာရသော စိဝရစေတာပန္နံ ပဋိဂ္ဂဟာမ၊ စိဝရဉ္စ ခေါ မယံ ပဋိဂ္ဂဟာမ ကာလေန ကပ္ပိယ”န္တိ။ သော စေ ဒူတော တံ ဘိက္ခုနီ ဧဝံ ဝဒေယျ “အတ္ထိ ပနာယျာယ ကောမိ ဝေယျာဝစ္စကရော”တိ။ စိဝရတ္ထိကာယ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနီယာ ဝေယျာဝစ္စကရော နိဒ္ဓိသိတဗ္ဗော အာရာမိကော ဝါ ဥပါသကော ပါ “ဧသော ခေါ အာရသော ဘိက္ခုနီနံ ဝေယျာဝစ္စကရော”တိ။ သော စေ ဒူတော တံ ဝေယျာဝစ္စကရံ သညာပေတွာ တံ ဘိက္ခုနီ ဥပသင်္ကမိတွာ ဧဝံ ဝဒေယျ “ယံ ခေါ အယျေ အယျာ ဝေယျာဝစ္စကရံ နိဒ္ဓိသိ၊ သညဓဏ္ဍာ

သော မယာ၊ ဥပသင်္ကမတာ'ယျာ ကာလေန၊ စိဝရေန တံ  
 အန္တဝဒေသတိ"တိ။ စိဝရတ္ထိကာယ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနီယာ  
 ဝေယျာဝစ္စကရော ဥပသင်္ကမိဘွာ ဒုတ္တိက္ခတ္တု စောဒေတဗ္ဗော  
 သာရေတဗ္ဗော "အတ္ထော မေ အာဝုသော စိဝရေနာ"တိ၊  
 ဒုတ္တိက္ခတ္တု စောဒယမာနာ သာရယမာနာ တံ စိဝရံ အဘိ-  
 နိပ္ပုဒေယျ၊ ဣစ္ဆေတံ ကုသလံ။ နော စေ အဘိနိပ္ပုဒေယျ၊  
 စတုက္ခတ္တု ပဉ္စက္ခတ္တု ဆက္ခတ္တုပရမံ တုဏှိဘူတာယ ဥဒ္ဓိဿ  
 ဌာတဗ္ဗံ၊ စတုက္ခတ္တု ပဉ္စက္ခတ္တု ဆက္ခတ္တုပရမံ တုဏှိဘူတာ  
 ဥဒ္ဓိဿ တိဋ္ဌမာနာ တံ စိဝရံ အဘိနိပ္ပုဒေယျ၊ ဣစ္ဆေတံ  
 ကုသလံ။ တတော စေ ဥတ္တရိ ဝါယမမာနာ တံ စိဝရံ  
 အဘိနိပ္ပုဒေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။ နော စေ အဘိနိပ္ပု-  
 ဒေယျ၊ ယတ'ဿာ စိဝရစေတာပန္နံ အာဘတံ၊ တတ္ထ  
 သာမံ ဝါ ဂန္ထဗ္ဗံ၊ ဒုတော ဝါ ပါဟေတဗ္ဗော "ယံ ခေါ  
 တုဗ္ဗေ အာယသ္မန္တော ဘိက္ခုနီ" ဥဒ္ဓိဿ စိဝရစေတာပန္နံ  
 ပဟိဏိတ္ထ၊ န တံ တဿာ ဘိက္ခုနီယာ ကိဉ္စိ အတ္ထံ အနု-  
 ဘောတိ၊ ယုဉ္ဇန္တာယသ္မန္တော သကံ၊ မာ ဝေါ သကံ  
 ဝိနဿာ"တိ၊ အယံ တတ္ထ သာဝီစိ"။

စိဝရဝဂ္ဂေါ ဒုတိယော။

### ဇာတရူပဝဂ္ဂ

ဓမ္မိယ သိက္ခသဒ္ဓ

၂၁။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဇာတရူပရဇတံ ဥဂ္ဂဏှေယျ ဝါ  
 ဥဂ္ဂဏှာပေယျ ဝါ ဥပနိက္ခိတ္တံ ဝါ သာဒိယေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ  
 ပါစိတ္တိယံ။

ရူပိယ သံဝေါဟာရ သိက္ခာသဒ္ဓ

၂၂။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ နာနပ္ပကာရကံ ရူပိယသံဝေါဟာရံ သမာပဇ္ဇေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ<sup>၁</sup>။

ကယဝိက္ကယ သိက္ခာသဒ္ဓ

၂၃။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ နာနပ္ပကာရကံ ကယဝိက္ကယံ သမာပဇ္ဇေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ<sup>၂</sup>။

ဥန ပဉ္စဗန္ဓန သိက္ခာသဒ္ဓ

၂၄။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဥနပဉ္စဗန္ဓနေန ပတ္တေန အညံ နဝံ ပတ္တံ စေတာပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ။ တာယ ဘိက္ခုနီယာ သော ပတ္တော ဘိက္ခုနီပရိသာယ နိဿဋ္ဌိတဗ္ဗော၊ ယော စ တဿာ ဘိက္ခုနီပရိသာယ ပတ္တပရိယန္တော၊ သော တဿာ ဘိက္ခုနီယာ ပဒါတဗ္ဗော “အယံ တေ ဘိက္ခုနီ ပတ္တော ယာဝဘောဒနာယ ဓာရေတဗ္ဗော”တိ၊ အယံ တတ္ထ သာမိဓိ<sup>၃</sup>။

ဘေသဋ္ဌ သိက္ခာသဒ္ဓ

၂၅။ ယာနိ ခေါ ပန တာနိ ဂိလာနာနံ ဘိက္ခုနီနံ ပဋိသာယနိယာနိ ဘေသဋ္ဌာနိ၊ သေယျထိဒံ၊ သပ္ပိ နဝနိတံ တေလံ မဓု ဖာဏိတံ၊ တာနိ ပဋိဂ္ဂဟေတွာ သတ္တာဟပရမံ သမ္ဘိမိကာရကံ ပရိဘုဉ္ဇိတဗ္ဗာနိ။ တံ အတိက္ကာမေဋ္ဌိယာ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ<sup>၄</sup>။

စီဝရ အတ္ထိန္ဒန သိက္ခာပဒ

၂၆။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီယာ သာမံ စီဝရံ  
ဒတွာ ကုပိတာ အနတ္တမနာ အတ္ထိန္ဒေယျ ဝါ အတ္ထိန္ဒာပေယျ  
ဝါ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ ။

သုတ္တဝိညတ္တိ သိက္ခာပဒ

၂၇။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သာမံ သုတ္တံ ဝိညာပေတွာ  
တန္တဝါယေဟိ စီဝရံ ဝါယာပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ ။

မဟာပေသကာရ သိက္ခာပဒ

၂၈။ ဘိက္ခုနီ ပနေဝ ဥဒ္ဓိဿ အညာတကော ဂဟပတိ  
ဝါ ဂဟပတာနိ ဝါ တန္တဝါယေဟိ စီဝရံ ဝါယာပေယျ၊  
တတြ စေသာ ဘိက္ခုနီ ပုဗ္ဗေ အပ္ပဝါရိတာ တန္တဝါယေ  
ဥပသင်္ကမိတွာ စီဝရေ ဝိကပ္ပံ အာပဇ္ဇေယျ “ဣဒံ ခေါ  
အာပုသော စီဝရံ မံ ဥဒ္ဓိဿ ဝိယျတိ၊ အာယတဉ္စ ကရောထ၊  
ဝိတ္ထတဉ္စ အပ္ပိတဉ္စ သုဝိတဉ္စ သုပ္ပဝါယိတဉ္စ သုဝိလေခိတဉ္စ  
သုဝိတစ္ဆိတဉ္စ ကရောထ၊ အပ္ပေဝ နာမ မယမ္ပိ အာယ-  
သ္မန္တာနံ ကိဉ္စိမတ္တံ အနုပဒဇ္ဇေယျာမာ”တိ။ ဧဝဉ္စ သာ  
ဘိက္ခုနီ ဝတွာ ကိဉ္စိမတ္တံ အနုပဒဇ္ဇေယျ အန္တမသော ပိဏ္ဏ-  
ပါတမတ္တမ္ပိ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ ။

အစွေက စီဝရ သိက္ခာပဒ

၂၉။ ဒဿဟာနာဂတံ ကတ္တိကတေမာသိကပုဏ္ဏမံ  
ဘိက္ခုနီယာ ပနေဝ အစွေကစီဝရံ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ၊ အစွေကံ  
မညမာနာယ ဘိက္ခုနီယာ ပဋိဂ္ဂဟေတဗ္ဗံ၊ ပဋိဂ္ဂဟေတွာ  
ယာဝ စီဝရကာလသမယံ နိက္ခိပိတဗ္ဗံ။ တတော စေ ဥတ္တရိ  
နိက္ခိပေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါစိတ္တိယံ ။

ပရိဏတ သိက္ခာသဒ္ဓ

၃၀။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဇာနံ သံသိကံ လာဘံ  
ပရိဏတံ အတ္တနော ပရိဏာမေယျ၊ နိဿဂ္ဂိယံ ပါမိတ္တိယံ။

ဇာတရူပဝဂ္ဂေါ တတိယော။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါ အယျာယော တိသ နိဿဂ္ဂိယာ ပါမိတ္တိယာ  
ဓမ္မာ။ တတ္ထာယျာယော ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိ-  
ယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ  
ပရိသုဒ္ဓါ၊ ပရိသုဒ္ဓတ္ထာယျာယော၊ တသ္မာ တုဏှိ၊ ဧဝမေတံ  
ဓာရယာမိတိ။

နိဿဂ္ဂိယပါမိတ္တိယာ နိဋ္ဌိတာ။

## သုဒ္ဓ ပါမိတ္တိယ

ဣမေ ခေါ ပနာယျာယော ဆသဋ္ဌိသတာ ပါမိတ္တိယာ  
ဓမ္မာ ဥဒ္ဓေသံ အာဂစ္ဆန္တိ။

## လသုဏဝဂ္ဂ

လသုဏ သိက္ခာပဒ

၁။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ လသုဏံ ခါဒေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

သပ္ပာဝ လောသ သိက္ခာပဒ

၂။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သပ္ပာဝေ လောမံ သံဟရာ-  
ပေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

တလဇာတက သိက္ခာပဒ

၃။ \*တလဇာတကေ ပါမိတ္တိယံ။

ဇေတုမဋ္ဌက သိက္ခာပဒ

၄။ \*ဇေတုမဋ္ဌကေ ပါစိတ္တိယံ။

ဥဒက သုဒ္ဓိက သိက္ခာပဒ

၅။ \*ဥဒကသုဒ္ဓိကံ ပန ဘိက္ခုနီယာ အာဒိယမာနာယ  
ဒွဂ်လပဗ္ဗပရမံ အာဒါတဗ္ဗံ။ တံ အတိက္ကာမေန္တိယာ  
ပါစိတ္တိယံ။

ဥပတိဋ္ဌန သိက္ခာပဒ

၆။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုဿ ဘုဉ္ဇန္တဿ ပါနီ-  
ယေန ဝါ ဝိဓူပနေန ဝါ ဥပတိဋ္ဌေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

အာမက ခည သိက္ခာပဒ

၇။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အာမကခညံ ဝိညတွာ ဝါ  
ဝိညာပေတွာ ဝါ ဘဇ္ဇိတွာ ဝါ ဘဇ္ဇာပေတွာ ဝါ  
ကောဋေတွာ ဝါ ကောဋာပေတွာ ဝါ ပစိတွာ ဝါ ပစာ-  
ပေတွာ ဝါ ဘုဉ္ဇေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ပဌမ ဥစ္စာရဆန္န သိက္ခာပဒ

၈။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဥစ္စာရံ ဝါ ပဿာဝံ ဝါ  
သင်္ကာရံ ဝါ ဝိဿာသံ ဝါ တိရောကုဋေ ဝါ တိရောပါကာရေ  
ဝါ ဆဇ္ဈေယျ ဝါ ဆဇ္ဇာပေယျ ဝါ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဒုတိယ ဥစ္စာရဆန္န သိက္ခာပဒ

၉။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဥစ္စာရံ ဝါ ပဿာဝံ ဝါ  
သင်္ကာရံ ဝါ ဝိဿာသံ ဝါ ဟရိတေ ဆဇ္ဈေယျ ဝါ  
ဆဇ္ဇာပေယျ ဝါ၊ ပါစိတ္တိယံ။

နဝ ဂီတ သိက္ခာပဒ

၁၀။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ နစ္စ ဝါဂီတံ ဝါ ဝါဒီတံ ဝါ  
ဒဿနာယ ဂစ္ဆေယျ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။

လသုဏ္ဏဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

ရတ္တန္တကာရဝဂ္ဂ

ရတ္တန္တကာရ သိက္ခာပဒ

၁၁။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ရတ္တန္တကာရေ အပ္ပဒီပေ  
ပုရိသေန သဒ္ဓိံ ဧကေနေကာ သန္တိဋ္ဌေယျ ဝါ သလ္လ  
ပေယျ ဝါ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။

ပဋိစ္စန္ဓောကာသ သိက္ခာပဒ

၁၂။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပဋိစ္စန္ဓေ ဩကာသေ  
ပုရိသေန သဒ္ဓိံ ဧကေနေကာ သန္တိဋ္ဌေယျ ဝါ သလ္လပေယျ  
ဝါ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။

အဇ္ဈောကာသ သလ္လပန သိက္ခာပဒ

၁၃။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဇ္ဈောကာသေ ပုရိသေန  
သဒ္ဓိံ ဧကေနေကာ သန္တိဋ္ဌေယျ ဝါ သလ္လပေယျ ဝါ၊  
ပါဠိတ္ထိယံ။

ဇုတိယိက ဥပယောဇန သိက္ခာပဒ

၁၄။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ရထိကာယ ဝါ ဗျူဟေ ဝါ  
သိဃာဋ္ဌကေ ဝါ ပုရိသေန သဒ္ဓိံ ဧကေနေကာ သန္တိဋ္ဌေ  
ယျ ဝါ သလ္လပေယျ ဝါ နိကဏ္ဍိကံပါဇပေယျ ဒုတိယိကံ  
ဝါ ဘိက္ခုနီ ဥပယောဇေယျ၊ ပါဠိတ္ထိယံ။

အနာပုစ္ဆာ ပက္ကမန သိက္ခာပဒ

၁၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပုရောဘတ္တံ ကုလာနိ  
ဥပသင်္ကမိတွာ အာသနေ နိသီဒိတွာ သာမိကေ အနာ-  
ပုစ္ဆာ ပက္ကမေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

အနာပုစ္ဆာ အဘိနိသီဒန သိက္ခာပဒ

၁၆။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပစ္ဆာဘတ္တံ ကုလာနိ  
ဥပသင်္ကမိတွာ သာမိကေ အနာပုစ္ဆာ အာသနေ အဘိနိ  
သီဒေယျ ဝါ အဘိနိပဇ္ဇေယျ ဝါ၊ ပါစိတ္တိယံ။

အနာပုစ္ဆာ သန္တရက သိက္ခာပဒ

၁၇။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဝိကာလေ ကုလာနိ  
ဥပသင်္ကမိတွာ သာမိကေ အနာပုစ္ဆာ သေယျံ သန္တရိတွာ  
ဝါ သန္တရပေတွာ ဝါ အဘိနိသီဒေယျ ဝါ အဘိနိပဇ္ဇေယျ  
ဝါ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ပရ ဥဇ္ဈာပနက သိက္ခာပဒ

၁၈။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဒုဂ္ဂဟိတေန ဒူပဓာရိတေန  
ပရံ ဥဇ္ဈာပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ပရ အဘိသပန သိက္ခာပဒ

၁၉။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အတ္တာနံ ဝါ ပရံ နိရ  
ယေန ဝါ မြဟ္မစရိယေန ဝါ အဘိသပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဓာဝန သိက္ခာပဒ

၂၀။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အတ္တာနံ ဝေမိတွာ ဝေမိတွာ  
ရောဒေယျ။ ဝါစိတ္တိယံ။

ရတ္တန္တကာရဝဂ္ဂေါ ဒုတိယော။

နဂ္ဂဝဂ္ဂ

နဂ္ဂ သိက္ခာပေ

၂၁။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ နဂ္ဂါနဟာ ယေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဥဒက သာဠိက သိက္ခာပေ

၂၂။ \*ဥဒကသာဠိကံ ပန ဘိက္ခုနီယာ ကာရ  
ယာမာ နာယ ပမာဏိကာ ကာရေတဗ္ဗာ၊ တတြိဒံ ပမာဏံ၊  
ဒီဃသော စ တဿော ဝိဒတ္ထိယော သုဂတဝိဒတ္ထိယာ၊  
တိရိယံ ဌေ ဝိဒတ္ထိယော၊ တံ အတိက္ကာ မေန္တိယာဆေဒနကံ  
ပါမိတ္တိယံ။

စိဝရ သိဗ္ဗန သိက္ခာပေ

၂၃။ \*ယာပနဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီယာ စိဝရံ ဝိသိဗ္ဗေတွာ  
ဝါ ဝိသိဗ္ဗာပေတွာ ဝါ သာ ပစ္ဆာ အနန္တရာယိကီနိနေဝ  
သိဗ္ဗေယျ၊ န သိဗ္ဗာ ပနာယ ယ ဥသုက္ကံ ကရေယျ အညတြ  
စတုဟ ပဉ္စာဟာ၊ ပါမိတ္တိယံ။

သဃ်ဒီစာရ သိက္ခာပေ

၂၄။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပဉ္စာဟိကံ သဃ်ဒီစာရံ  
အတိက္ကာမေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

စိဝရ သင်္ကမနီယ သိက္ခာပေ

၂၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ စိဝရသင်္ကမနီယံ ဓာရေယျ၊  
ပါမိတ္တိယံ။

ဂဏစိဝရ သိက္ခာပေ

၂၆။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဂဏဿ စိဝရလာဘံ  
အန္တရာယံ ကရေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ပဋိဗ္ဗာန သိက္ခာပဒ

၂၇။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဓမ္မိကံ စိဝရိပိဘင်္ဂံ ပဋိ-  
ဗ္ဗာဟေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဝိဝရဒါန သိက္ခာပဒ

၂၈။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဂါရိကဿ ဝါ ပရိဗ္ဗာ-  
ဇကဿ ဝါ ပရိဗ္ဗာဇိကာယ ဝါ သမဏစိဝရံ ဒဒေယျ၊  
ပါစိတ္တိယံ။

ကာလအတိက္ကမန သိက္ခာပဒ

၂၉။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဒုဗ္ဗလစိဝရပစ္စာသာယ စိဝရ-  
ကာလသမယံ အတိက္ကမေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ကထိနုဒ္ဓါရ သိက္ခာပဒ

၃၀။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဓမ္မိကံ ကထိနုဒ္ဓါရံ ပဋိ-  
ဗ္ဗာဟေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

နဂ္ဂဝဂ္ဂေါ တဟိယော။

တုဝဋ္ဌဝဂ္ဂ

ကောမဉ္ဇေ ကု နှန သိက္ခာပဒ

၃၁။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီယော ခွေ ကောမဉ္ဇေ  
တုဝဋ္ဌေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ကောတ္တရဏတုဝဋ္ဌန သိက္ခာပဒ

၃၂။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီယော ခွေ ကောတ္တရဏ  
ပါဝရဏာ တုဝဋ္ဌေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

၁။ ဝိ ၂၊ ၃၇၃။

၄။ ဝိ ၂၊ ၃၇၈။

၂။ ဝိ ၂၊ ၃၇၄။

၅။ ဝိ ၂၊ ၃၇၉။

၃။ ဝိ ၂၊ ၃၇၆။

၆။ ဝိ ၂၊ ၃၈၀။

အဖာသုကရဏ သိက္ခာပဒ

၃၃။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနိယာသဗ္ဗိစ္စ အဖာသု  
ကရေယျ၊ ပါဏိတ္တိယံ။

န ဥပဋ္ဌာပန သိက္ခာပဒ

၃၄။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဒုက္ခိတံ သဟဇိဝိနိဋ္ဌံ နေဝ  
ဥပဋ္ဌဟေယျ၊ နဥပဋ္ဌာပနာယဥဿုက္ကံကရေယျ၊ ပါဏိတ္တိယံ။

နိက္ကဓန သိက္ခာပဒ

၃၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနိယာ ဥပဿယံ  
ဒတ္တာ ကုပိတာ အနတ္တမနာ နိက္ကဓေယျ ဝါက္ကဓာပေယျ  
ဝါ၊ ပါဏိတ္တိယံ။

သံသဋ္ဌ သိက္ခာပဒ

၃၆။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သံသဋ္ဌာ ဝိဟရေယျ ဂဟ-  
ပတိနာ ဝါ ဂဟပတိပုတ္တေန ဝါ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ  
ဧဝမဿ ဝစနိယာ'မာ'ယေ သံသဋ္ဌာ ဝိဟရိ ဂဟပတိ-  
နာပိ ဂဟပတိပုတ္တေနာပိ၊ ဝိဝိစ္စာ'ယေ ဝိဝေကဗျေဝ  
ဘဂိနိယာ သံသော ဝဏ္ဏေတိ''တိ။ ဧဝံ သာ ဘိက္ခုနီ  
ဘိက္ခုနီဟိ ဝုစ္စဘေနာ တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ။ သာ ဘိက္ခုနီ  
ဘိက္ခုနီဟိ ယာဝတတိယံ သမနဘာသိတဗ္ဗော တဿ ပဋိ-  
နိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိယဉ္စေ သမနဘာသိယမာနာ တံ  
ပဋိနိဿဋ္ဌေယျ၊ ဣစ္စေတံ ကုသလံ၊ နော ဧဝ ပဋိနိဿ-  
ဋ္ဌေယျ၊ ပါဏိတ္တိယံ။

အန္တောရဋ္ဌ သိက္ခာပဒ

၃၇။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အန္တောရဋ္ဌေ သာသင်္က-  
သမ္ပတေ သပ္ပင်္ဂါဘယေ အသတ္တိကာ စာရိကံ စရေယျ၊  
ပါမိတ္တိယံ။

တိရောရဋ္ဌ သိက္ခာပဒ

၃၈။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ တိရောရဋ္ဌေ သာသင်္က-  
သမ္ပတေ သပ္ပင်္ဂါဘယေ အသတ္တိကာ စာရိကံ စရေယျ၊  
ပါမိတ္တိယံ။

အန္တောဝဿ သိက္ခာပဒ

၃၉။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အန္တောဝဿံ စာရိကံ  
စရေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

စာရိက န ပက္ကမန သိက္ခာပဒ

၄၀။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဝဿံဝုဋ္ဌာ စာရိကံ န  
ပက္ကမေယျ အန္တမသော ဆပ္ပဉ္စယောဇနာနိပိ၊ ပါမိတ္တိယံ။  
တုဝဋ္ဋဝဂ္ဂေါ စတုတ္ထော။

### စိတ္တာဂါရဝဂ္ဂ

ရာဇာဂါရ သိက္ခာပဒ

၄၁။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ရာဇာဂါရံ ဝါစိတ္တာဂါရံဝါ  
အာရာမံ ဝါ ဥယျာနံ ဝါ ပေါက္ခရဏိံ ဝါ ဒဿနာယ  
ပစ္ဆေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

အာသနိပရိဘူန သိက္ခာပဒ

၄၂။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အာသန္နိ ဝါ ပလ္လင်္ကံ ဝါ ပရိဘုဉ္ဇေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

သုတ္တကန္တန သိက္ခာပဒ

၄၃။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သုတ္တကန္တေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဂိဟိဝေယျာဝစ္စ သိက္ခာပဒ

၄၄။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဂိဟိဝေယျာဝစ္စံ ကရေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

အဓိကရဏ သိက္ခာပဒ

၄၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီယာ “ဟော” ယျေ ဣပံ အဓိကရဏံ ဂူပသမေဟီ”တိ ဝုစ္စမာနာ “သာဓု”တိ ပဋိဿုဏိတွာ သာ ဝစ္စာ အနန္တရာယိကိနိနေဝ ဂူပသမေယျ၊ န ဂူပသမာယ ဥဿုက္ကံ ကရေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဘောဇနဝါန သိက္ခာပဒ

၄၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဂါရိကဿ ဝါ ပရိဗ္ဗာဉကဿ ဝါ ပရိဗ္ဗာဉိကဿ ဝါ သဟတ္တာ ခါဒနီယံ ဝါ ဘောဇနီယံ ဝါ ဒဒေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

အာဝသထ ဗီဝရိ သိက္ခာပဒ

၄၇။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အာဝသထဗီဝရံ အနိဿုဋ္ဌိတွာ ပရိဘုဉ္ဇေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

အာဝသထ ဝိဟာရ သိက္ခာပဒ

၄၈။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အာဝသထံ အနိဿဇ္ဇိတွာ  
စာရိတံ ပက္ကမေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

တိရစ္ဆာနဝိဇ္ဇာ ပရိယာပုဏ္ဏေန သိက္ခာပဒ

၄၉။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ တိရစ္ဆာနဝိဇ္ဇံ ပရိယာ  
ပုဏ္ဏေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

တိရစ္ဆာနဝိဇ္ဇာ ဝါစန သိက္ခာပဒ

၅၀။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ တိရစ္ဆာနဝိဇ္ဇံ ဝါစေယျ၊  
ပါမိတ္တိယံ။

စိတ္တာဂါရဝဂ္ဂေါ ပဉ္စမော။

အာရာမ ဝဂ္ဂ

အာရာမ ပဝိသန သိက္ခာပဒ

၅၁။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဇာနံ သဘိက္ခုကံ အာရာမံ  
အနာပုစ္ဆာ ပဝိသေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဘိက္ခုအက္ခောသန သိက္ခာပဒ

၅၂။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခု အက္ခောသေယျ ဝါ  
ပရိဘာသေယျ ဝါ။ ပါမိတ္တိယံ။

ဂဏပရိဘာသန သိက္ခာပဒ

၅၃။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ စဇ္ဈိကတာ ဂဏံ ပရိဘာ  
သေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ပဓါရိတ သိက္ခာပဒ

၅၄။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ နိမန္တိတာ ဝါ ပဝါရိတာ  
ဝါ ခါဒနီယံ ဝါ ဘောဇနီယံ ဝါ ခါဒေယျ ဝါ ဘုဒ္ဓေယျ  
ဝါ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ကုလမစ္ဆရိနိ သိက္ခာပဒ

၅၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ကုလမစ္ဆရိနိ အဿ  
ပါမိတ္တိယံ။

အဘိက္ခုကာဝါသ သိက္ခာပဒ

၅၆။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဘိက္ခုကေ အာဝါသေ  
ဝဿံ ဝသေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

အပဝါရဏာ သိက္ခာပဒ

၅၇။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဝဿံဝုဠာ ဥဘတောသံဃေ  
တိဟိ ဌာနေဟိ န ပဝါရေယျ၊ ဒိဋ္ဌေန ဝါ သုတေန ဝါ  
ပရိသင်္ကာယ ဝါ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဩဝါဒ သိက္ခာပဒ

၅၈။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဩဝါဒါယ ဝါ သံဝါသာယ  
ဝါ န ဂစ္ဆေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဩဝါဒုပသင်္ကမန သိက္ခာပဒ

၅၉။ \*အန္တဒ္ဓမာသံ ဘိက္ခုနီယာ ဘိက္ခုသံဃတော  
ဋ္ဌေ ဓမ္မာ ပစ္စာသိသိတဗ္ဗာ ဥပေါသထပုစ္ဆကဉ္စ ဩဝါဒုပ-  
သင်္ကမနဉ္စ၊ တံ အတိက္ကာမေန္တိယာ ပါမိတ္တိယံ။

ပဿာဒေ ဇာတ သိက္ခာပစ

၆၀။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပဿာဒေ ဇာတံ ဂဏ္ဍံ  
ဝါ ရုမိတံ ဝါ အနုပလောကေတွာ သံဃံ ဝါ  
ဂဏံ ဝါ ပုရိသေန သဒ္ဓိံ ကေနေနကာ ဘောဒါပေယျ  
ဝါ ဖာလာပေယျ ဝါ မောစာပေယျ ဝါ အာလိမ္မာပေယျ  
ဝါ ဗန္ဓာပေယျ ဝါ မောစာပေယျ ဝါ။ ပါစိတ္တိယံ။

အာရောမဝဂ္ဂေါ ဆဋ္ဌော။

ဂဗ္ဘိနိဝဂ္ဂ

ဂဗ္ဘိနိ သိက္ခာပစ

၆၁။ \*ယာပနဘိက္ခုနီဂဗ္ဘိနိံ ဝုဠာပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ပါယန္တိ သိက္ခာပစ

၆၂။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပါယန္တိံ ဝုဠာပေယျ၊  
ပါစိတ္တိယံ။

ပဌမ သိက္ခာပန သိက္ခာပစ

၆၃။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဒွေ ဝဿာနိ ဆသု ဓမ္မေသု  
အသိက္ခိတသိက္ခံ သိက္ခမာနိ ဝုဠာပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

စုတိယ သိက္ခမာန သိက္ခာပစ

၆၄။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဒွေ ဝဿာနိ ဆသု ဓမ္မေသု  
သိက္ခိတသိက္ခံ သိက္ခမာနံ သံဃေန အသမ္ပတံ ဝုဠာပေယျ၊  
ပါစိတ္တိယံ။

ပဌမ ဂိဟိဂတ သိက္ခာပထ

၆၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဥနဒ္ဓါဒသဝဿံ ဂိဟိဂတံ  
ရဋ္ဌာပေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဒုတိယ ဂိဟိဂတ သိက္ခာပထ

၆၆။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပရိပုဏ္ဏဒ္ဓါဒသဝဿံ ဂိဟိဂတံ  
ဒွေ ဝဿာနိ ဆသု ဓမ္မေသု အသိက္ခိတသိက္ခံ ရဋ္ဌာပေယျ၊  
ပါမိတ္တိယံ။

တတိယ ဂိဟိဂတ သိက္ခာပထ

၆၇။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပရိပုဏ္ဏဒ္ဓါဒသဝဿံ ဂိဟိဂတံ  
ဒွေ ဝဿာနိ ဆသု ဓမ္မေသု သိက္ခိတသိက္ခံ သံသေန  
အသမ္ပတံ ရဋ္ဌာပေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ပဌမ သဟဇီဝိနိ သိက္ခာပထ

၆၈။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သဟဇီဝိနိ ရဋ္ဌာပေတွာ  
ဒွေ ဝဿာနိ နေဝ အနုဂ္ဂဏှေယျ န အနုဂ္ဂဏှာပေယျ၊  
ပါမိတ္တိယံ။

ပထမိနိ နာနုဗ္ဗန သိက္ခာပထ

၆၉။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ရဋ္ဌာပိတံ ပထမိနိ ဒွေ  
ဝဿာနိ နာနုဗ္ဗနေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဒုတိယ သဟဇီဝိနိ သိက္ခာပထ

၇၀။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သဟဇီဝိနိ ရဋ္ဌာပေတွာ  
နေဝ ဝုပကာသေယျ န ဝုပကာသာပေယျ အန္တမသော  
ဆပ္ပဉ္စယောဇနာနိပါ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဂန္ထိနိဝဂ္ဂေါ သတ္တမော။

## ကုမာရိဘူတဝဂ္ဂ

ပဌမ ကုမာရိဘူတ သိက္ခာပဒ

၇၁။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဥနဝိသတိ ဝဿိ ကုမာရိ-  
ဘူတံ ဝုဋ္ဌာပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဒုတိယ ကုမာရိဘူတ သိက္ခာပဒ

၇၂။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပရိပုဏ္ဏဝိသတိဝဿိ ကုမာရိ-  
ဘူတံ ခွေ ဝဿာနိ ဆသု ဓမ္မေသု အသိက္ခိတသိက္ခံ ဝုဋ္ဌာ-  
ပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

တတိယ ကုမာရိဘူတ သိက္ခာပဒ

၇၃။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပရိပုဏ္ဏဝိသတိဝဿိ  
ကုမာရိဘူတံ ခွေ ဝဿာနိ ဆသု ဓမ္မေသု သိက္ခိတသိက္ခံ  
သံဃေန အသမ္ပတံ ဝုဋ္ဌာပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဦး ခွါဒသဝဿ သိက္ခာပဒ

၇၄။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဦးခွါဒသဝဿာ ဝုဋ္ဌာ-  
ပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ပရိပုဏ္ဏ ခွါဒသဝဿ သိက္ခာပဒ

၇၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပရိပုဏ္ဏခွါဒသဝဿာ  
သံဃေန အသမ္ပတာ ဝုဋ္ဌာပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဓိယျန ဓမ္မ သိက္ခာပဒ

၇၆။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ “အလံ တာဝ တေ အယျေ  
ဝုဋ္ဌာပိတေနာ”တိ ဝုစ္စမာနာ “သာဓု”တိ ပဋိဿုဏိတွာ  
သာ ပစ္ဆာ ဓိယျနဓမ္မံ အာပဇ္ဇေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ပဌမသိက္ခာမာန နဝုဋ္ဌာပန သိက္ခာပဒ

၇၇။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သိက္ခာမာနံ “သစေ မေ တံ အယျေ စိဝရံ ဒဿသိ၊ ဧဝါဟံ တံ ဝုဋ္ဌာပေဿာမိ”တိ ဝတ္ထာသာပစ္ဆာ အနန္တရာယိကိနိ နေဝ ဝုဋ္ဌာပေယျ၊ န ဝုဋ္ဌာပနာယ ဥဿုက္ကံ ကရေယျ၊ ပါဏိတ္တိယံ။

ဒုတိယ သိက္ခာမာန နဝုဋ္ဌာပန သိက္ခာပဒ

၇၈။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သိက္ခာမာနံ “သစေ မံ တံ အယျေ ဌေ ဝဿာနိ အနုဗန္ဓိဿသိ၊ ဧဝါဟံ တံ ဝုဋ္ဌာပေဿာမိ”တိ ဝတ္ထာသာပစ္ဆာ အနန္တရာယိကိနိ နေဝ ဝုဋ္ဌာပေယျ၊ န ဝုဋ္ဌာပနာယ ဥဿုက္ကံ ကရေယျ၊ ပါဏိတ္တိယံ။

သောကာဝါသ သိက္ခာပဒ

၇၉။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပုရိသသသဋ္ဌံ ကုမာရကသံ သဋ္ဌံ စက္ကိံ သောကာဝါသံ သိက္ခာမာနံ ဝုဋ္ဌာပေယျ၊ ပါဏိတ္တိယံ။

အနုနုညာတ သိက္ခာပဒ

၈၀။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီမာတာပိတူဟိဝါသာမိကေန ဝါ အနုနုညာတံ သိက္ခာမာနံ ဝုဋ္ဌာပေယျ၊ ပါဏိတ္တိယံ။

ပါရိဝါသိက သိက္ခာပဒ

၈၁။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပါရိဝါသိကာဆန္ဒဒါနေန သိက္ခာမာနံ ဝုဋ္ဌာပေယျ၊ ပါဏိတ္တိယံ။

၁-၈၂၊ ၄၄၃။

၂-၈၂၊ ၄၄၄-၅။

၃-၈၂၊ ၄၄၆။

၄-၈၂၊ ၄၄၇။

၅-၈၂၊ ၄၄၈။

အနုဝဿ သိက္ခာပဒ

၈၂။ \*ယံ ပန ဘိက္ခုနီ အနုဝဿံ ဝုဋ္ဌာပေယျ၊  
ပါစိတ္တိယံ။

ဧကဝဿ သိက္ခာပဒ

၈၃။ \*ယံ ပန ဘိက္ခုနီ ဧကံ ဝဿံ ခွေ ဝုဋ္ဌာပေယျ၊  
ပါစိတ္တိယံ။

ကုမာရိဘူတဝဂ္ဂေါ အဋ္ဌမော။

ဆတ္တုပါဟနဝဂ္ဂ

ဆတ္တုပါဟန သိက္ခာပဒ

၈၄။ \*ယံ ပန ဘိက္ခုနီ အဂ္ဂိလာနံ ဆတ္တုပါဟနံ  
ဓာရေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ယာန သိက္ခာပဒ

၈၅။ \*ယံ ပန ဘိက္ခုနီ အဂ္ဂိလာနံ ယာနေန  
ယာယေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဆဇာဏိ သိက္ခာပဒ

၈၆။ ယံ ပန ဘိက္ခုနီ ဆဇာဏိ ဓာရေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဣတ္ထာလင်္ကာရ သိက္ခာပဒ

၈၇။ \*ယံ ပန ဘိက္ခုနီ ဣတ္ထာလင်္ကာရံ ဓာရေယျ၊  
ပါစိတ္တိယံ။

ဂန္ထဝဏ္ဏ သိက္ခာပဒ

၈၈။ \*ယံ ပန ဘိက္ခုနီ ဂန္ထဝဏ္ဏကေန နဟာ-  
ယေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဝါသိတက သိက္ခာပဒ

၈၆။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဝါသိတကေန ဝိညာဏေန နဟာယေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဘိက္ခုနီ ဥပ္ပဒါပန သိက္ခာပဒ

၉၀။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနိယာ ဥပ္ပဒါပေယျ ဝါ ဗရိမဒ္ဓါပေယျ ဝါ၊ ပါမိတ္တိယံ။

သိက္ခမာန ဥပ္ပဒါပန သိက္ခာပဒ

၉၁။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သိက္ခမာနာယ ဥပ္ပဒါပေယျ ဝါ ဗရိမဒ္ဓါပေယျ ဝါ၊ ပါမိတ္တိယံ။

သာမဏေရီ ဥပ္ပဒါပန သိက္ခာပဒ

၉၂။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သာမဏေရီယာ ဥပ္ပဒါပေယျ ဝါ ဗရိမဒ္ဓါပေယျ ဝါ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဂိဟိနီ ဥပ္ပဒါပန သိက္ခာပဒ

၉၃။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဂိဟိနိယာ ဥပ္ပဒါပေယျ ဝါ ဗရိမဒ္ဓါပေယျ ဝါ၊ ပါမိတ္တိယံ။

အနာယုစ္ဆာ သိက္ခာပဒ

၉၄။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုဿ ပုရတော အနာယုစ္ဆာ အာသနေ နိသီဒေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ပဉ္စာ ပုစ္ဆန သိက္ခာပဒ

၉၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အနောကာသကတံ ဘိက္ခုပဉ္စ ပုစ္ဆေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

အသံကစိုက် သိက္ခာပဒ

၉၆။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အသံကစိုကာ ဂါမံ ပဝိ-  
သေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဆတ္တုပါဟနဝဂ္ဂေါ နဝမော

မုသဝါဒဝဂ္ဂ

မုသဝါဒ သိက္ခာပဒ

၉၇။ သမ္ပဇာနမုသဝါဒေ ပါစိတ္တိယံ။

ဩမသဝါဒ သိက္ခာပဒ

၉၈။ ဩမသဝါဒေ ပါစိတ္တိယံ။

ပေသုည သိက္ခာပဒ

၉၉။ ဘိက္ခုနီပေသုညေ ပါစိတ္တိယံ။

ပဒေသာ ဓမ္မ သိက္ခာပဒ

၁၀၀။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အနုပသမ္ပန္တံ ပဒေသာ ဓမ္မံ  
ဝါစေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ပဌမ သဟဿေယျ သိက္ခာပဒ

၁၀၁။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အနုပသမ္ပန္တာယ ဥတ္တရံ  
ဗိရတ္တတိရတ္တ သဟဿေယျံ ကပ္ပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဒုတိယ သဟဿေယျ သိက္ခာပဒ

၁၀၂။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပုရိသေန သဟဿေယျံ  
ကပ္ပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဓမ္မဒေသနာ သိက္ခာပ

၁၀၃။ ယာပနဘိက္ခုနီပုရိသဿဥတ္တရိဆပ္ပဝါစာဟိ  
ဓမ္မံ ဒေသေယျ အညတြိဉ္ဇနာဇုတ္တိဝိဂ္ဂဟေန၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဘူတာဓမ္မေန သိက္ခာပဒ

၁၀၄။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အနုပသမ္ပန္နာယ ဥတ္တရိ-  
မနုဿဓမ္မံ အာရောစေယျ၊ ဘူတသ္မိံ ပါမိတ္တိယံ။

ဒုဋ္ဌါလ္လာဓမ္မေန သိက္ခာပစ

၁၀၅။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီယာ ဒုဋ္ဌါလ္လံ  
အာပတ္တိံ အနုပသမ္ပန္နာယ အာရောစေယျ အညတြိ  
ဘိက္ခုနီသမ္ပုတိယာ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ပထဝီနာ သိက္ခာပဒ

၁၀၆။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပထဝီ ခဏေယျ ဝါ  
ခဏာပေယျ ဝါ၊ ပါမိတ္တိယံ။

မုသာဝါဒဝဂ္ဂေါ ဒသမော။

### ဘူတဂါပဝဂ္ဂ

ဘူတပါမ သိက္ခာပဒ

၁၀၇။ ဘူတဂါမပါတဗျတာယ ပါမိတ္တိယံ။

အညဝါဒက သိက္ခာပစ

၁၀၈။ အညဝါဒကေ၊ ဝိဟေသကေ ပါမိတ္တိယံ။

မဇ္ဈာပနက သိက္ခာပစ

၁၀၉။ ဥဇ္ဈာပနကေ၊ ဝိယျနကေ ပါမိတ္တိယံ။

၁-ဝိ၊ ၂၊ ၃၊ ၄။

၂-ဝိ၊ ၂၊ ၃၊ ၇။

၃-ဝိ၊ ၂၊ ၄၊ ၇။

၄-ဝိ၊ ၂၊ ၄၊ ၉။

၅-ဝိ၊ ၂၊ ၅၊ ၂။

၆-ဝိ၊ ၂၊ ၅၊ ၅။

၇-ဝိ၊ ၂၊ ၅၊ ၇။

ပဌမ သေနာသန သိက္ခာပဒ

၁၁၀။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သံဃိကံ မဉ္ဇ ဝါ ဝီဋ္ဌံ ဝါ ဘိသိံ ဝါ ကောန္တံ ဝါ အဇ္ဈောကာသေ သန္တရိတွာ ဝါ သန္တရာပေတွာ ဝါ တံ ပက္ကမန္တိ နေဝ ဥဒ္ဓရေယျ၊ န ဥဒ္ဓရာပေယျ၊ အနာပုစ္ဆံ ဝါ ဂစ္ဆေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဓုဘိယ သေနာသန သိက္ခာပဒ

၁၁၁။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သံဃိကေ ဝိဟာရေ သေယျံ သန္တရိတွာ ဝါ သန္တရာပေတွာ ဝါ တံ ပက္ကမန္တိ နေဝ ဥဒ္ဓရေယျ၊ န ဥဒ္ဓရာပေယျ၊ အနာပုစ္ဆံ ဝါ ဂစ္ဆေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

အနုပခဋ္ဌ သိက္ခာပဒ

၁၁၂။ ယာ ဝန ဘိက္ခုနီ သံဃိကေ ဝိဟာရေ ဇာနံ ပုဗ္ဗပဂတိ ဘိက္ခုနီ အနုပခဋ္ဌ သေယျံ ကပ္ပေယျ “ယဿာ သမ္ဘာတော အဝိဿဟိ၊ သာ ပက္ကမိဿတိ”တိ ဧတဒေဝ ပစ္စယ ကရိတွာ အနညံ၊ ပါမိတ္တိယံ။

နိက္ကမန သိက္ခာပဒ

၁၁၃။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီ ကုပိတာ အနတ္တမနာ သံဃိကာ ဝိဟာရာ နိက္ကမေယျ ဝါ နိက္ကမာသေယျ ဝါ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဝေဟာသကုဋ္ဌိ သိက္ခာပဒ

၁၁၄။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သံဃိကေ ဝိဟာရေ ဥပရိဝေဟာသကုဋ္ဌိယာ အာဟစ္စပါဒကံ မဉ္ဇ ဝါ ဝီဋ္ဌံ ဝါ အဘိနိသိဒေယျ ဝါ အဘိနိပဇ္ဇေယျ ဝါ၊ ပါမိတ္တိယံ။

မဟလ္လက ဝိဟာရ သိက္ခာပဒ

၁၁၅။ မဟလ္လကံ ပန ဘိက္ခုနိယာ ဝိဟာရံ  
ကာရယမာနာယ ယာဝ ခွါရကောသာ အဂ္ဂဋ္ဌပနာယ၊  
အာလောကသန္နိပရိကမ္ဘာယ ခုတ္တိန္ဒဒနဿ ပရိယာယံ  
အပ္ပဟရိတေ ဌိတာယ အဓိဋ္ဌာတဗ္ဗံ၊ တတော စေ ဥတ္တရိ  
အပ္ပဟရိတေဝိ ဌိတာ အဓိဋ္ဌဟေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

သပ္ပါဏက သိက္ခာပဒ

၁၁၆။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဇာနံ သပ္ပါဏကံ ဥဇာနံ  
တိဏံ ဝါ မိတ္တိကံ ဝါ သိဇ္ဇေယျ ဝါ သိဉ္ဇာပေယျ ဝါ၊  
ပါမိတ္တိယံ။

ဘူတဂါမဝဂ္ဂေါ ကောဒသမော။

ဘောဇနဝဂ္ဂ

ဏာဝသထ ပိဏ္ဏ သိက္ခာပဒ

၁၁၇။ အဂ္ဂိလာနာယ ဘိက္ခုနိယာ ဧကော အာဝသ-  
ထပိဏ္ဏော ဘုဒ္ဓိတဗ္ဗော။ တတော စေ ဥတ္တရိ ဘုဇ္ဇေယျ၊  
ပါမိတ္တိယံ။

ဂဏ ဘောဇန သိက္ခာပဒ

၁၁၈။ လဏဘောဇနေ အညတြ သမယာ ပါမိတ္တိယံ။  
တတ္ထာယံ သမယော၊ ဂိလာနသမယော စိဝရဒါနသမ-  
ယော စိဝရကာရသမယော အဋ္ဌါနဂမနသမယော  
နာဝါဘိရုဟနသမယော ဟောသမယော သမဏဘတ္တ-  
သမယော၊ အယံ တတ္ထ သမယော။

ကဏမာတု သိက္ခာပဒ

၁၁၉။ ဘိက္ခုနီ ပနေဝ ကုလံ ဥဟတံ ပူဝေဟိ ဝါ  
မန္တေဟိ ဝါ အဘိဟဋ္ဌံ ပဝါရေယ၊ အာကင်္ခမာနာယ  
ဘိက္ခုနီယာ ဒုတ္တိပတ္တပူရာ ပဋိဂ္ဂဟေတဗ္ဗာ။ တတော စေ  
ဥတ္တရိ ပရိဂ္ဂဏေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။ ဒုတ္တိပတ္တပူရေပဋိဂ္ဂဟေတွာ  
တတော နိဟရိတွာ ဘိက္ခုနီဟိ သဒ္ဓိံ သံဝိဘဇိတဗ္ဗံ၊ အယံ  
တတ္ထ သာမီဇိ။

ဝိကာလ အောဇန သိက္ခာပဒ

၁၂၀။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဝိကာလေ ခါဒနီယံ ဝါ  
ဘောဇနီယံ ဝါ ခါဒေယျ ဝါ ဘုဉ္ဇေယျ ဝါ၊ ပါမိတ္တိယံ။

သန္နိဓိကာရက သိက္ခာပဒ

၁၂၁။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သန္နိဓိကာရကံ ခါဒနီယံ ဝါ  
ဘောဇနီယံ ဝါ ခါဒေယျ ဝါ ဘုဉ္ဇေယျ ဝါ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဒန္တပေါန သိက္ခာပဒ

၁၂၂။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဒိန္နံ မုခဒ္ဓါရံ အာဟာရံ  
အာဟာရေယျ အညတြဥဒကဒန္တပေါနာ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဥယျောဇန သိက္ခာပဒ

၁၂၃။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီ “ဟော’ယျ၊ ဂါမံ  
ဝါနိဂမံ ဝါပိ န္ဍာယပဝိသိဿာမာ” တိတဿာဒါပေတွာ  
ဝါ အဒါပေတွာ ဝါ ဥယျောဇေယျ “ဂစ္ဆာ’ယျ” န  
မေတယာ သဒ္ဓိံ ကထာ ဝါနိသဇ္ဇာ ဝါဇာသု ဟောတိ၊  
ဧကိကာယ မေ ကထာ ဝါနိသဇ္ဇာ ဝါဇာသု ဟောတိ” တိ  
ဧတဒေဝ ပစ္စယံ ကရိတွာ အနညံ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ထဏှာန သိက္ခာပဒ

၁၂၄။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သဘောဇနေန ကုလေ အနု-  
ပဇဇ နိသဇ္ဇံ ကပ္ပေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ရဟော ပဋိစ္စန သိက္ခာပဒ

၁၂၅။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပုရိသေန သဒ္ဓိံ ရဟော  
ပဋိစ္စန္တေ အာသနေ နိသဇ္ဇံ ကပ္ပေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ရဟော နိဗ္ဗာန သိက္ခာပဒ

၁၂၆။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ပုရိသေန သဒ္ဓိံ ဧကေ-  
နေကာ ရဟော နိသဇ္ဇံ ကပ္ပေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဘောဇနဝဂ္ဂေါ ဒွါဒသမော။

### စာရိတ္တ ဝဂ္ဂ

စာရိတ္တ သိက္ခာပဒ

၁၂၇။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ နိမန္နိတာ သဘတ္တာသမာနာ  
သန္တိ ဘိက္ခုနီ အနာပုစ္ဆာ ပုရောဘတ္တံ ဝါပစ္ဆာဘတ္တံ ဝါ  
ကုလေသု စာရိတ္တံ အာပဇဇေယျ အညတြ သမယာ၊  
ပါမိတ္တိယံ။ တတ္ထာယံ သမယော၊ စိဝရဒါနသမယော  
စိဝရကာရသမယော၊ အယံ တတ္ထ သမယော။

မဟာနာပ သိက္ခာပဒ

၁၂၈။ အဂ္ဂိလာနာယ ဘိက္ခုနီယာ စတုမာသပ္ပစ္စယ-  
ပဝါရဏာ သာဒိတဗ္ဗာအညတြပုနပဝါရဏာယ၊ အညတြ  
နိစ္စပဝါရဏာယ။ တတော စေ ဥတ္တရိ သာဒိယေယျ၊  
ပါမိတ္တိယံ။

ဥယျုတ္တ သေနာ သိက္ခာပဒ

၁၂၉။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဥယျုတ္တံ သေနံ ဒဿနာယ  
ဂစ္ဆေယျ အညတြ တထာရူပပ္ပစ္စယာ။ ပါစိတ္တိယံ။

သေနာဝါသ သိက္ခာပဒ

၁၃၀။ သိယာ စ တဿာ ဘိက္ခုနီယာ ကောစိဒေဝ  
ပစ္စယော သေနံ ဂမနာယ၊ ဒိရတ္တတိရတ္တံ တာယ ဘိက္ခု-  
နီယာ သေနာယ ဝသိတဗ္ဗံ။ တတော စေ ဥတ္တရိ ဝသေယျ၊  
ပါစိတ္တိယံ။

ဥယျောဓိက သိက္ခာပဒ

၁၃၁။ ဒိရတ္တတိရတ္တံ စေ ဘိက္ခုနီ သေနာယ ဝသ-  
မာနာ ဥယျောဓိကံ ဝါ ဗလဂ္ဂံ ဝါ သေနာဗျူဟံ ဝါ  
အနိကဒဿနံ ဝါ ဂစ္ဆေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

သုရာပါန သိက္ခာပဒ

၁၃၂။ သုရာမေရယပါနေ ပါစိတ္တိယံ။

အင်္ဂုလိပတောဒက သိက္ခာပဒ

၁၃၃။ အင်္ဂုလိပတောဒကေ ပါစိတ္တိယံ။

ဟသဓမ္မ သိက္ခာပဒ

၁၃၄။ ဥဒကေ ဟသဓမ္မေ ပါစိတ္တိယံ။

အနာဝရိယ သိက္ခာပဏ

၁၃၅။ အနာဝရိယေ ပါမိတ္တိယံ။

ဘိသပန သိက္ခာပဏ

၁၃၆။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီ ဘိသပေယျ၊  
ပါမိတ္တိယံ။

စာရိတ္တဝဂ္ဂေါ တေရသမော။

စာတိဝဂ္ဂ

စာတိ သိက္ခာပဏ

၁၃၇။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဂ္ဂိလာနာဝိသိဗ္ဗနာပေက္ခာ  
ဇောတိံ သမာဒဟေယျ ဝါ သမာဒဟာပေယျ ဝါ  
အညတြ တထာရူပပ္ပစ္စယာ၊ ပါမိတ္တိယံ။

နဟာန သိက္ခာပဏ

၁၃၈။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီဩရေနဒ္ဓမာသံ နဟာယေယျ  
အညတြ သမယာ၊ ပါမိတ္တိယံ။ တတ္ထာယံ သမယော၊  
ဒိယဇော မာသော သေသော ဂိမ္မာနန္တိ၊ ဝဿာနဿ  
ပဌမော မာသော ဣစ္ဆေတေ အမုတေယျမာသာ ဥဏ္ဍာ-  
သမယော ပရိဋ္ဌာဟသမယော၊ ဂိလာနသမယော၊ ကမ္မ-  
သမယော၊ အဒ္ဓါနဂမနသမယော၊ ဝါတဂုဠိသမယော၊  
အယံ တတ္ထ သမယော။

ဒုဗ္ဗဏ္ဏ ကရဏ သိက္ခာပဏ

၁၃၉။ နဝံ ပန ဘိက္ခုနီယာ စိဝရလာဘာယ ထိက္ခံ  
ဒုဗ္ဗဏ္ဏကရဏာနံ အညတရံ ဒုဗ္ဗဏ္ဏကရဏံ အာဒါတဗ္ဗနီလံ  
ဝါ ကပ္ပမံ ဝါ ကာဠသာမံ ဝါ။ အနာဒါ စေ ဘိက္ခုနီတိက္ခံ

ဒုဗ္ဗဏ္ဏကရဏာနံ အညတရံ ဒုဗ္ဗဏ္ဏကံရဏံ နဝံ စိဝရံ ပရိ-  
ဘုဉ္ဇေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဝိဇ္ဇာပုဒ် သိက္ခာပဒ

၁၄၀။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုသ္မ ဝါ ဘိက္ခုနီယာ  
ဝါ သိက္ခာမာနာယဝါ သာမဏေရဿဝါ သာမဏေရိယာ  
ဝါ သာမံ စိဝရံ ဝိကပ္ပေတွာ အပစ္စုဒ္ဓါရဏံ ပရိဘုဉ္ဇေယျ၊  
ပါစိတ္တိယံ။

အပနိဘာပန သိက္ခာပဒ

၁၄၁။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီယာ ပတ္တံ ဝါ စိဝရံ  
ဝါ နိသီဒနံ ဝါ သူစိဃရံ ဝါ ကာယဗန္ဓနံ ဝါ အပနိဓေယျ၊  
ဝါ အပနိဓာပေယျ ဝါ အန္တမသော ဟဿာပေက္ခာပိ၊  
ပါစိတ္တိယံ။

သဗ္ဗိဇ္ဇာ သိက္ခာပဒ

၁၄၂။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သဗ္ဗိဇ္ဇာ ပါဏံ ဇီဝိတာ  
ဝေါရောပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

သပ္ပာဏက သိက္ခာပဒ

၁၄၃။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဇာနံ သပ္ပာဏကံ ဥဒကံ  
ပရိဘုဉ္ဇေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဥက္ကောဋန သိက္ခာပဒ

၁၄၄။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဇာနံ ယထာဓမ္မံ နိဟတာ  
ဝိကရဏံ ပုနကမ္ဘာယ ဥက္ကောဋေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ထေယျသတ္တ သိက္ခာပဒ

၁၄၅။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဇာနံ ထေယျသတ္တေန သဒ္ဓိံ သံဝိဇာယ ကေဒ္ဓါနမဂ္ဂံ ပဋိပဇ္ဇေယျ အန္တမသော ဂါမန္တရမ္ပိ၊ ပါမိတ္တိယံ။

အရိန္ဒ သိက္ခာပဒ

၁၄၆။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဧဝံ ဝဒေယျ “တထာဟံ ဘဂဝတာ ဓမ္မံ ဒေသိတံ အာဇာနာမိ၊ ယထာ ယေ” မေ အန္တရာယိကာဓမ္မာရုတ္တာဘဂဝတာ၊ တေ ပဋိသေဝတော နာလံ အန္တရာယာယာ”တိ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိဇေမဿ ဝစနိယာ “မာ”ယျေ ဧဝံ အဝစ၊ မာဘဂဝန္တံ အဟ္တာစိက္ခိ၊ န ဟိ သာဓုဘဂဝတော အဟ္တာကွာနံ၊ န ဟံ ဘဂဝါ ဧဝံ ဝဒေယျ၊ အနေကပရိယာယေနာ’ယျေအန္တရာယိကာဓမ္မာ အန္တရာယိကာ ရုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ အလဉ္စ ပန တေ ပဋိသေဝတော အန္တရာယာယာ”တိ၊ ဧဝံ သာ ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ ဝုစ္စမာနာ တထေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ သာ ဘိက္ခုနီ ပဋိနိဿဂ္ဂါယ၊ ယာဝတတိယဉ္စေ သမနုဘာသိယမာနာ တံ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ဣစ္ဆေတံ ကုသလံ၊ နော စေ ပဋိနိဿဇ္ဇေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဇောတိဝဂ္ဂေါ စုဒ္ဓသမော။

ဝိဇ္ဇိဝဂ္ဂ

ဥက္ကိတ္တ သမ္ဘောဂသိက္ခာပဒ

၁၄၇။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဇာနံ တထာဝါဒိနိယာ ဘိက္ခုနိယာ အကဇ္ဇာနုဓမ္မာယ တံ ဒ္ဓိဉ္စိ အပ္ပဋိဿဋ္ဌာယ

သဒ္ဓိံ သမ္ဘုဇ္ဈေယျ ဝါ, သံဝသေယျ ဝါ, သဟ ဝါ သေယျံ  
ကပ္ပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဏဏက သိက္ခာပဒ

၁၄၈။ သမဏုဋ္ဌေသာပိ စေ ဧဝံ ဝဒေယျ “ကထာဟံ  
ဘဂဝတာ ဓမ္မံ ဒေသိတံ အာဇာနာမိ၊ ယဏာ ယေ’မေ  
အန္တရာယိကာဓမ္မာပုတ္တာဘဂဝတာ၊ တေ ပဋိသေဝတော  
နာလံအန္တရာယာယာ”တိ၊ သာသမဏုဋ္ဌေသာဘိက္ခုနီဟိ  
ဧဝမဿ ဝစနီယာ “မာ’ယျေသမဏုဋ္ဌေသေ ဧဝံ အဝစ၊  
မာဘဂဝန္တံအပ္ပာစိက္ခိ၊ နဟိသာဓုဘဂဝတောအပ္ပက္ခာနံ၊  
န ဟိ ဘဂဝါဧဝံ ဝဒေယျ၊ အနေကပရိယာယေနာ’ယျေ  
သမဏုဋ္ဌေသေ အန္တရာယိကာ ဓမ္မာ အန္တရာယိကာပုတ္တာ  
ဘဂဝတာ၊ အလဉ္စ ပန တေ ပဋိသေဝတော အန္တရာယာ-  
ယာ”တိ။ ဧဝဉ္စ သာ သမဏုဋ္ဌေသာ ဘိက္ခုနီဟိဝုစ္စမာနာ  
တဇ္ဇေဝ ပဂ္ဂဏေယျ၊ သာ သမဏုဋ္ဌေသာ ဘိက္ခုနီဟိ  
ဧဝမဿ ဝစနီယာ “အဇ္ဇတဂ္ဂေတေအယျေသမဏုဋ္ဌေသေ  
န ဧဝသောဘဂဝါ သတ္တာအပဒိသိတဗ္ဗော၊ ယဗ္ဗိစညာ  
သမဏုဋ္ဌေသာ လဘန္တိ ဘိက္ခုနီဟိ သဒ္ဓိံ ဒိရတ္တတိရတ္တံ  
သဟသေယျံ၊ သာပိ တေ နတ္ထိ၊ စရ ပိရေ၊ ဝိနဿာ”တိ  
ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဇာနံ ကထာနာသိတ သမဏုဋ္ဌေသီ  
ဥပလာပေယျ ဝါ, ဥပဋ္ဌာပေယျ ဝါ, သမ္ဘုဇ္ဈေယျ ဝါ, သဟ  
ဝါ သေယျံ ကပ္ပေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

သဟဓမ္မိက သိက္ခာပဒ

၁၄၉။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီဟိ သဟဓမ္မိကံ  
ဝုစ္စမာနာ ဧဝံ ဝဒေယျ “န တာဝါဟံ အယျေ တေသ္မိံ”

သိက္ခာပဒေ သိက္ခိဿာမိ၊ ယာဝ န အညံ ဘိက္ခုနိ ဗုတ္တံ  
ဝိနယဓရံ ပရိပုစ္ဆာမိ”တိ၊ ပါဠိတ္ထိယံ၊ သိက္ခမာနာယ  
ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနိယာ အညာတဗ္ဗံပရိပုစ္ဆိတဗ္ဗံ ပရိပဋ္ဌိတဗ္ဗံ၊  
အယံ အတ္ထ သာမိဇိ”။

ဝိလောန သိက္ခာပဒ

၁၅၀။ ယာ ပန ဘိက္ခုနိ ပါတိမောက္ခေဥဋ္ဌိဿမာနေ  
ဧဝံ ဝဒေယျ ‘တိ’ပနိမေဟိ ခုဒ္ဒါနုခုဒ္ဒကေဟိ သိက္ခာပဒေဟိ  
ဥဋ္ဌိဋ္ဌေဟိ၊ ယာဝဒေဝကုတ္တုစွာယ ဝိဟေသာယဝိလောခါယ  
သံဝတ္တန္တိ”တိ၊ သိက္ခာပဒဝိဝတ္တကေ ပါဠိတ္ထိယံ။

မောဟန သိက္ခာပဒ

၁၅၁။ ယာ ပန ဘိက္ခုနိ အန္တဗ္ဗမာသံ ပါတိမောက္ခေ  
ဥဋ္ဌိဿမာနေ ဧဝံ ဝဒေယျ “ဣဒါနေဝ ခေါအဟံ အယျေ  
ဇာနာမိ အယမ္ပိ ကိရ ဓမ္မောသုတ္တာ ဂတောသုတ္တပရိယာ  
ပန္နောအန္တဗ္ဗမာသံဥဋ္ဌေသံအာဂစ္ဆာတိ”တိ၊ တဉ္စေဘိက္ခုနိ  
အညာ ဘိက္ခုနိယော ဇာနေယျ၊ နိသိန္နပုဗ္ဗံ ဣမာယ  
ဘိက္ခုနိယာ ဒုတ္တိက္ခတ္တု၊ ပါတိမောက္ခေ ဥဋ္ဌိဿမာနေ၊  
ဧကာ ပန ဝါဒေါ ဘိယျော၊ န စ တဿာ ဘိက္ခုနိယာ  
အညာဏကေန မုတ္တိ အတ္တိ၊ ယဉ္စ တတ္ထအာပတ္တိံ အာပန္နာ၊  
ထဉ္စ ယထာဓမ္မော ကာရေတဗ္ဗော၊ ဥတ္တရိစ’ဿာ  
မောဟော အာရောပေတဗ္ဗော “တဿာ တေ အယျေ  
အလာဘာ၊ တဿာ တေ ဒုလ္လဗ္ဗံ၊ ယံ တုံ ပါတိမောက္ခေ  
ဥဋ္ဌိဿမာနေ န သာရကံ အဋ္ဌိံ ကတ္တာ မနသိ ကရော  
သိ”တိ၊ ဣဒံ တသ္မိံ မောဟနကေ ပါဠိတ္ထိယံ။

ပဟာရ သိက္ခာပဒ

၁၅၂။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီယာ ကုပိတာ  
အနတ္တမနာ ပဟာရံ ဒဒေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

တလသတ္တိက သိက္ခာပဒ

၁၅၃။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီယာ ကုပိတာ  
အနတ္တမနာ တလသတ္တိကံ ဥဂ္ဂိရေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

အမူလက သိက္ခာပဒ

၂၅၄။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီ အမူသကေန  
သံဃာဒိသေသေန သနန္ဒိသေယျ၊ ပါစိတ္တိယံ။

သဒ္ဓိစ္စ သိက္ခာပဒ

၁၅၅။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီယာ သဒ္ဓိစ္စ ကုတ္တုစ္စံ  
ဥဒဟေယျ “ဣတိဿာ မဟုတ္တဗ္ဗိ အဇာသု ဘဝိဿတိ”တိ  
ဧတဒေဝ ပစ္စယံ ကရိတွာ အနညံ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဥပဿုဓီ သိက္ခာပဒ

၁၅၆။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဘိက္ခုနီနံ ဘဏ္ဍနဇာတာနံ  
ကလဟဇာတာနံ ဝိဝါဒါပန္နာနံ ဥပဿုဘိ ဟိဋ္ဌေယျ “ယံ  
ဣမာ ဘဏိဿန္တိ၊ တံ သောဿာဇိ”တိ ဧတဒေဝ ပစ္စယံ  
ကရိတွာ အနညံ၊ ပါစိတ္တိယံ။

ဒိဋ္ဌိဝဂ္ဂေါ ပန္နရသမော။

ဓမ္မိကဝဂ္ဂ

ကမ္မပ္ပဋိဗာဟု သိက္ခာပဒ

၁၅၇။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဓမ္မိကာနံ ကမ္မာနံ ဆန္တံ ဒတွာ ပစ္စာ ဝိယနဓမ္မံ အာပဇ္ဇေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ဆန္တံ ဒဒတွာ ဂမန သိက္ခာပဒ

၁၅၈။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သံဃေ ဝိနိစ္ဆယကထာယ ဝတ္တမာနာယ ဆန္တံ ဒဒတွာ ဥဋ္ဌာယာသနာ ပက္ကမေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ရုဒ္ဓလ သိက္ခာပဒ

၁၅၉။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သမဂ္ဂေန သံဃေန စိဝရံ ဒတွာ ပစ္စာ ဝိယနဓမ္မံ အာပဇ္ဇေယျ “ယထာသန္တုတံ ဘိက္ခုနီယော သံဃိကံ လာဘံ ပရိဏာမေန္တိ”တိ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ပရိနာမက သိက္ခာပဒ

၁၆၀။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ဇာနံ သံဃိကံ လာဘံ ပရိဏာဘံ ပုဂ္ဂလဿ ပရိဏာမေယျ၊ ပါမိတ္တိယံ။

ရတန သိက္ခာပဒ

၁၆၁။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ ရတနံ ဝါ ရတနသမ္ပတံဝါ အညတြိ အဇ္ဈာရာမာ ဝါ အဇ္ဈာဝသထာ ဝါ ဥဂ္ဂဏေယျ ဝါ ဥဂ္ဂဏာပေယျ ဝါ၊ ပါမိတ္တိယံ။ ရတနံ ဝါ ပန ဘိက္ခုနီယာ ရတနသမ္ပတံ ဝါ အဇ္ဈာရာမေ ဝါ အဇ္ဈာဝသထေ ဝါ ဥဂ္ဂဟေတွာ ဝါ ဥဂ္ဂဟာပေတွာ ဝါ နိက္ခိပိတဗ္ဗံ “ယဿ ဘဝိဿတိ၊ သော ဟရိဿတိ”တိ၊ အယံ တတ္ထ သာမိဓိ။

သုစိသရ သိက္ခာပဒ

၁၆၂။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဋ္ဌိမယံ ဝါ ဒန္တမယံ  
ဝါ ဝိသာဏမယံ ဝါ သုစိသရံ ကာရာပေယျ၊ ဘေဒေ-  
နကံ ပါစိတ္တိယံ။

ဗျာပိဋ္ဌ သိက္ခာပဒ

၁၆၃။ နဝံ ပန ဘိက္ခုနီယာ မဉ္ဇ ဝါ ဝိဋ္ဌံ ဝါ ကာရ-  
ယမာနာယ အဋ္ဌင်္ဂလမာဒကံ ကာရေတဗ္ဗံ သုဂတင်္ဂလေန  
အညတြိ ဟေဋ္ဌိမာယ အဋ္ဌနိယာ။ တံ အတိက္ကာမေန္တိယာ  
ဆေဒနကံ ပါစိတ္တိယံ။

တူလောနဒ္ဒ သိက္ခာပဒ

၁၆၄။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ မဉ္ဇ ဝါ ဝိဋ္ဌံ ဝါ တူလောနဒ္ဒံ  
ကာရာပေယျ၊ ဥဒ္ဓါလနကံ ပါစိတ္တိယံ။

ကဏ္ဍပုဋိစ္ဆာဒိ သိက္ခာပဒ

၁၆၅။ ကဏ္ဍပုဋိစ္ဆာဒိ° ပန ဘိက္ခုနီယာ ကာရယ  
မာနာယ ပမာဏိကာ ကာရေတဗ္ဗာ၊ ဟတြိဒံ ပမာဏံ၊  
ဒီဃသော စတသော ဝိဒတ္ထိယော သုဂတဝိဒတ္ထိယာ၊  
တိရိယံ ဌေ ဝိဒတ္ထိယော။ တံ အတိက္ကာမေန္တိယာ  
ဆေဒနကံ ပါစိတ္တိယံ။

နန္ဒ သိက္ခာပဒ

၁၆၆။ ယာ ပန ဘိက္ခုနီ သုဂတစိဝရပ္ပမာဏံ စိဝရံ  
ကာရာပေယျ၊ အတိရေကံ ဝါ။ ဆေဒနကံ ပါစိတ္တိယံ။  
တတြိဒံ သုဂတဿ သုဂတစိဝရပ္ပမာဏံ၊ ဒီဃသော နဝ

ဝိဒတ္ထိယော သုဂတဝိဒတ္ထိယာ၊ တိရိယံ ဆ ဝိဒတ္ထိယော၊  
ဣဒံ သုဂတဿ သုဂတဝိဝရပ္ပမာဏန္တိ။

ဓမ္မိ ဝဂ္ဂေါသောဋ္ဌသမော။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါ အယျာယော ဆသဋ္ဌိသတာ ပါဝိတ္တိယာ  
ဓမ္မာ။ တတ္တာ'ယျာယော ပုစ္ဆာမိ၊ ကမ္မိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊  
ဒုတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကမ္မိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊  
ကမ္မိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ပရိသုဒ္ဓေတ္တာ' ယျာယော၊ တသ္မာ  
တုဏှိ၊ ဧဝမေတံ ဓာရယာမိတိ။

ပါဝိတ္တိယာ နိဋ္ဌိတာ။

ပါဠိဒေသနီယ

ဣမေ ခေါပနာယျာယော အဋ္ဌ ပါဠိဒေသနီယာ  
ဓမ္မာ ဥဒ္ဓေသံ အာဂစ္ဆန္တိ။

ဆယ့် ဝိညာပန သိက္ခာပာ

၁။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဂိလာနာ သပ္ပိဝိညာပေတွာ  
ဘုဉ္ဇေယျ ပဋိဒေသေတမ္ပံ တာယ ဘိက္ခုနီယာ “ဂါရဟံ  
အယျေ ဓမ္မံ အာပဋ္ဌိ” အသပ္ပါယံ ပါဠိဒေသနီယံ၊ တံ  
ပဋိဒေသေမီ”တိ။

ဘေလ ဝိညာပန သိက္ခာပာ

၂။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဂိလာနာ တေလံ ဝိညာ-  
ပေတွာ ဘုဉ္ဇေယျ၊ ပ။ တံ ပဋိဒေသေမီတိ။

မရ ဝိညာပန သိက္ခာပဒ

၃။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဂ္ဂိလာနာ မရံဝိညာပေတွာ  
ဘုဇ္ဈေယျ။ ပ။ တံ ပဋိဒေသေမီတိ။

ဖဏိတ ဝိညာပန သိက္ခာပဒ

၄။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဂ္ဂိလာနာ ဖဏိတံ ဝိညာ  
ပေတွာ ဘုဇ္ဈေယျ။ ပ။ တံ ပဋိဒေသေမီတိ။

မစ္ဆ ဝိညာပန သိက္ခာပဒ

၅။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဂ္ဂိလာနာ မစ္ဆံ ဝိညာပေတွာ  
ဘုဇ္ဈေယျ။ ပ။ တံ ပဋိဒေသေမီတိ။

မံသ ဝိညာပန သိက္ခာပဒ

၆။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဂ္ဂိလာနာ မံသံ ဝိညာပေတွာ  
ဘုဇ္ဈေယျ။ ပ။ တံ ပဋိဒေသေမီတိ။

ဒီရ ဝိညာပန သိက္ခာပဒ

၇။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဂ္ဂိလာနာ ဒီရံ ဝိညာပေတွာ  
ဘုဇ္ဈေယျ။ ပ။ တံ ပဋိဒေသေမီတိ။

ဇမိ ဝိညာပန သိက္ခာပဒ

၈။ \*ယာ ပန ဘိက္ခုနီ အဂ္ဂိလာနာ ဇမိံ ဝိညာပေတွာ  
ဘုဇ္ဈေယျ။ ပဋိဒေသေတဗ္ဗံ တာယ ဘိက္ခုနီယာ “ဂါရယံ  
အယျေ ဓမ္မံ အာပဇ္ဇိံ အသပ္ပာယံ ပါဋိဒေသနီယံ၊ တံ  
ပဋိဒေသေမီ”တိ။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါ်အယျာယော အဋ္ဌ ပါဠိဒေသနိယာဓမ္မာ၊  
တတ္တာ'ယျာယော ပုစ္ဆာမိ၊ ကမ္မိတ္တ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယမ္ပိ  
ပုစ္ဆာမိ၊ ကမ္မိတ္တ ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကမ္မိတ္တ  
ပရိသုဒ္ဓါ၊ ပရိသုဒ္ဓေတ္တာ'ယျာယော၊ တသွာတုဏှိ၊ ဧဝမေတံ  
ဓာရယာမီတိ။

ပါဠိဒေသနိယာ နိဋ္ဌိတာ။

သေဝိယ၊

ပရိမဏ္ဍလဓမ္မ

ဣမေ ခေါ် ပနာယျာယော သေဝိယာ ဓမ္မာ ဥဒ္ဓေသံ  
အာဂစ္ဆန္တိ။

ပရိမဏ္ဍလ သိက္ခာပဒ

၁။ \*ပရိမဏ္ဍလံ နိဝါသေဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီ  
ယာ။

၂။ \*ပရိမဏ္ဍလံ ပါရိသေဿာမီတိ သိက္ခာကရဏီယာ။  
သုပ္ပဋိစ္ဆန္တံ သိက္ခာပဒ

၃။ \*သုပ္ပဋိစ္ဆန္တံ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

၄။ \*သုပ္ပဋိစ္ဆန္တံ အန္တရဃရေ နိသိဝိဿာမီတိသိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

၁-၆၂ ၄၆၇။

၂-ဘိက္ခုနီ သေဝိယ သိက္ခာပပါနိ ၆၂၊ ၄၆၈၊ ၉ ပိဋေသု ထံပိဋေထာ  
ဓာယိတာနိ။

\*သေဝိယသိက္ခာပဒေသု ဣဒ္ဓိဋ္ဌာ လက္ခဏေန ဆဗ္ဗသတိ သာဓုပ္ပသိက္ခာပပေါနိ  
ဓာယိတာနိ။

သုသံဝုဏ္ဏ သိက္ခာပုဒ်

၅။ \*သုသံဝုဏ္ဏ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

၆။ \*သုသံဝုဏ္ဏအန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

ဩက္ခိတ္တေက္ခန္တိ သိက္ခာပုဒ်

၇။ \*ဩက္ခိတ္တေက္ခန္တိ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ။

၈။ \*ဩက္ခိတ္တေက္ခန္တိ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဥက္ခိတ္တက သိက္ခာပုဒ်

၉။ \*န ဥက္ခိတ္တကာယ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ။

၁၀။ \*န ဥက္ခိတ္တကာယ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာ-  
မိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ပရိမညာလဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

### ဥဒ္ဓန္တိကဝဂ္ဂ

ဥဒ္ဓန္တိက သိက္ခာပုဒ်

၁၁။ \*န ဥဒ္ဓန္တိကာယ အန္တရဃရေ ဂမိဿာမိတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ။

၁၂။ \*န ဥဒ္ဓန္တိကာယ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာ-  
မိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဥစ္စာဆစ္စ သိက္ခာပဏ

၁၃။ \*အပ္ပသဒ္ဓါအန္တရသရေ ဂမိဿာပီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

၁၄။ \*အပ္ပသဒ္ဓါအန္တရသရေနိသိဒ္ဓိဿာပီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

ကာယပ္ပစာလက သိက္ခာပဏ

၁၅။ \*န ကာယပ္ပစာလကံ အန္တရသရေ ဂမိဿာ-  
ပီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

၁၆။ \*န ကာယပ္ပစာလကံ အန္တရသရေနိသိဒ္ဓိဿာ-  
ပီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဗာဟုပ္ပစာလက သိက္ခာပဏ

၁၇။ \*န ဗာဟုပ္ပစာလကံ အန္တရသရေ ဂမိဿာ-  
ပီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

၁၈။ \*န ဗာဟုပ္ပစာလကံ အန္တရသရေနိသိဒ္ဓိဿာ  
ပီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သီသပ္ပစာလက သိက္ခာပဏ

၁၉။ \*န သီသပ္ပစာလကံ အန္တရသရေ ဂမိဿာပီတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ။

၂၀။ \*န သီသပ္ပစာလကံ အန္တရသရေနိသိဒ္ဓိဿာ-  
ပီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဥဒ္ဓေါကဝဂ္ဂေါ ခုတိယော။

ခမ္ဘ ကတဝဂ္ဂ

ခမ္ဘကတ သိက္ခာပဒ

၂၁။ \*န ခမ္ဘာကတအန္တရဃရေဂမိဿာဇီတိသိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

၂၂။ \*န ခမ္ဘကတ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာဇီတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဩဂုဏ္ဍိတ သိက္ခာပဒ

၂၃။ \*န ဩဂုဏ္ဍိတာ အန္တရဃရေ ဂမိဿာဇီတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ။

၂၄။ \*န ဩဂုဏ္ဍိတာ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာဇီတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဥက္ကဋ္ဌိက သိက္ခာပဒ

၂၅။ \*န ဥက္ကဋ္ဌိကာယ အန္တရဃ ရေ ဂမိဿာဇီတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ပလ္လတ္ထိက သိက္ခာပဒ

၂၆။ \*န ပလ္လတ္ထိကာယ အန္တရဃရေ နိသီဒိဿာဇီတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သက္ကစ္စ ပဋိဂ္ဂဟဏ သိက္ခာပဒ

၂၇။ †သက္ကစ္စ ပိဏ္ဍပါတံ ပဋိဂ္ဂဟေဿာဇီတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

ပတ္တသညိနိ ပဋိဂ္ဂဟဏ သိက္ခာပဒ

၂၈။ †ပတ္တသညိနိ ပိဏ္ဍပါတံ ပဋိဂ္ဂဟေဿာဇီတိ  
သိက္ခာ ကရဏီယာ။

---

†ဣဒိနာလက္ခဏေ၊ တိသဘာဝနုပ္ပဋိသံယုတ္တသိက္ခာပဒါနိ ခဿိတာနိ၊

သမသုပက ပဋိဂ္ဂဟက သိက္ခာပဒ

၂၉။ †သမသုပကံ ပိဏ္ဏပါတံ ပဋိဂ္ဂဟေဿာဓိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ၊

သမဇ္ဇိက သိက္ခာပဒ

၃၀။ †သမဇ္ဇိကံ ပိဏ္ဏပါတံ ပဋိဂ္ဂဟေဿာဓိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ၊

ဓမ္မကတဝဂ္ဂေါ တတိယော။

### သက္ကဇ္ဇဝဂ္ဂ

သက္ကဇ္ဇ ဘုဉ်န သိက္ခာပဒ

၃၁။ †သက္ကဇ္ဇံ ပိဏ္ဏပါတံ ဘုဉ်ဿာဓိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ပတ္တသညိနိ ဘုဉ်န သိက္ခာပဒ

၃၂။ †ပတ္တသညိနိ ပိဏ္ဏပါတံ ဘုဉ်ဿာ ဓိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ၊

သပဒါန သိက္ခာပဒ

၃၃။ †သပဒါနံ ပိဏ္ဏပါတံ ဘုဉ်ဿာဓိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သမသုပက သိက္ခာပဒ

၃၄။ †သမသုပကံ ပိဏ္ဏပါတံ ဘုဉ်ဿာဓိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ထုပကထ သိက္ခာပဒ

၃၅။ †န ထုပကတောဩမဗ္ဗိတွာပိဏ္ဏပါတံဘုဉ်ဿာ- ဓိတိ သိက္ခာရဏီယာ။

ဩဒနပ္ပဋိစ္စာဒန သိက္ခာပဒ

၃၆။ †န သူပံ ဝါ ဗျဉ္ဇနံ ဝါ ဩဒနေန ပဋိစ္စာဒေဿာမိ ဘိယျောကဗျုတံ ဥပါဒါယာတိ သိက္ခာကရဏီယာ။

သုပေါဒန ဝိညတ္တိ သိက္ခာ ပ

၃၇။ †န သူပံ ဝါ ဩဒနံ ဝါ အဂ္ဂိလာနာ အတ္တနော အတ္တာယ ဝိညာပေတွာဘုဒ္ဓိဿာမိတိသိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဥဇ္ဈာနသညိနိ သိက္ခာပဒ

၃၈။ †န ဥဇ္ဈာနသညိနိ ပရေသံ ပတ္တံ ဩလောကေဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ကဗဠ သိက္ခာပဒ

၃၉။ နာတိမဟန္တံ ကဗဠ ကရိဿာမိတိ သိက္ခာကရဏီယာ။

အာလောပ သိက္ခာပဒ

၄၀။ †ပရိမဏ္ဍလံ အာလောပံ ကရိဿာမိတိ သိက္ခာကရဏီယာ။

သက္ကစ္စဝဂ္ဂေါ စတုတ္ထော။

ကဗဠဝဂ္ဂ

အနာဟရ သိက္ခာပဒ

၄၁။ †န အနာဟရေ ကဗဠေ မုခဒ္ဓါရံ ဝိပရိဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဘုဉ္ဇမာန သိက္ခာပဒ

၄၂။ †န ဘုဉ္ဇမာနာ သဗ္ဗံ ဟတ္ထံ မုခေ ပက္ခိ ဝိဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ကဆဗ္ဗ သိက္ခာပေ

၄၃။ †န သကမဇ္ဇန မုခေန မှာဟရိဿာဇိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ပိဏ္ဍုကေပက သိက္ခာပေ

၄၄။ †န ပိဏ္ဍုကေပကံ- ဘုဒ္ဓိဿာဇိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ကဗန္ဓာဝစ္ဆေဒက သိက္ခာပေ

၄၅။ †န ကဗန္ဓာဝစ္ဆေဒကံ ဘုဒ္ဓိဿာဇိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

အဝဂ္ဂဏ္ဏကာရက သိက္ခာပေ

၄၆။ †န အဝဂ္ဂဏ္ဏကာရကံ ဘုဒ္ဓိဿာဇိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဟတ္ထ နိဗ္ဗာနက သိက္ခာပေ

၄၇။ †န ဟတ္ထနိဗ္ဗာနကံ ဘုဒ္ဓိဿာဇိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သိတ္ထာဝကောရက သိက္ခာပေ

၄၈။ †န သိတ္ထာဝကောရကံ ဘုဒ္ဓိဿာဇိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဇိတ္တိနိဗ္ဗာနက သိက္ခာပေ

၄၉။ †န ဇိတ္တိနိဗ္ဗာနကံ ဘုဒ္ဓိဿာဇိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

စပုစပုကာရက သိက္ခာပေ

၅၀။ †န စပုစပုကာရကံ ဘုဒ္ဓိဿာဇိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ကဗန္ဓာဝစ္ဆေဒ ဝဉ္စပေ။

သုရသုရဝဂ္ဂ

သုရသုရကာရက သိက္ခာပဒ

၅၁။ †န သုရသုရကာရကံ ဘုဒ္ဓိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

ဟတ္ထနိဇ္ဈေဟက သိက္ခာပဒ

၅၂။ †န ဟတ္ထနိဇ္ဈေဟကံ ဘုဒ္ဓိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

ပတ္တနိဇ္ဈေဟက သိက္ခာပဒ

၅၃။ †န ပတ္တနိဇ္ဈေဟကံ ဘုဒ္ဓိဿာမိတိ သိက္ခာ  
ကရဏီယာ။

ဩဋ္ဌနိဇ္ဈေဟက သိက္ခာပဒ

၅၄။ †န ဩဋ္ဌနိဇ္ဈေဟကံ ဘုဒ္ဓိဿာမိတိ သိက္ခာကရ-  
ဏီယာ။

သာမိသ သိက္ခာပဒ

၅၅။ †န သာမိသေန ဟတ္တေန ပါနီယထာလကံ  
ပဋိဂ္ဂဟေဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သသိတ္တက သိက္ခာပဒ

၅၆။ †န သသိတ္တကံ ပတ္တဇောဝနံ အန္တရဃရေ  
ဆဇ္ဇေဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဆတ္တပါဏိ သိက္ခာပဒ

၅၇။ †န ဆတ္တပါဏိဿ အဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေ-  
ဿာမိတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

---

† ဣမိနာလက္ခဏေနကေနနိသမ္ပဒေသနာပဋိသိက္ခာသိက္ခာပဒါနိဒ္ဒသိဘာနိ။

ဧဏ္ဍပါဏိ သိက္ခာပဒ

၅၈။ †န ဧဏ္ဍပါဏိဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေ-  
ဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သတ္တပါဏိ သိက္ခာပဒ

၅၉။ †န သတ္တပါဏိဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေ-  
ဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

အာဝုဇပါဏိ သိက္ခာပဒ

၆၀။ †န အာဝုဇပါဏိဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ  
ဒေသေဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သုရသုရဝဂ္ဂေါ ဆဋ္ဌော။

ပါဒုကဝဂ္ဂ

ပါဒုက သိက္ခာပဒ

၆၁။ †န ပါဒုကာရဋ္ဌဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ  
ဒေသေဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဥပါဟန သိက္ခာပဒ

၆၂။ †န ဥပါဟနာရဋ္ဌဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ  
ဒေသေဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ယာန သိက္ခာပဒ

၆၃။ †န ယာနဂတဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေ-  
ဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

သယန သိက္ခာပဒ

၆၄။ †န သယန ဂတဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေ-  
ဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ပဏ္ဍိတ သိက္ခာပဒ

၆၅။ †န ပလ္လတ္တိကာယ နိသိန္တဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဝေဠိတ သိက္ခာပဒ

၆၆။ †န ဝေဠိတသီသဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာမီတိ သိက္ခာကရဏီယာ။

ဩဂုဏ္ဍိတ သိက္ခာပဒ

၆၇။ †န ဩဂုဏ္ဍိတသီသဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဆမာ သိက္ခာပဒ

၆၈။ †န ဆမာယံ နိသီဒိတွာ အာသနေ နိသိန္တဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

နိဓာသန သိက္ခာပဒ

၆၉။ †န နိဓေအာသနေ နိသီဒိတွာ ဥစ္စေ အာသနေ နိသိန္တဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဌိတာ သိက္ခာပဒ

၇၀။ †န ဌိတာ နိသိန္တဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ပစ္ဆတော ဂစ္ဆန္တိ သိက္ခာပဒ

၇၁။ †န ပစ္ဆတော ဂစ္ဆန္တိ ပုရတော ဂစ္ဆန္တဿ အဂ္ဂိလာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာမီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဥပထေန ဂစ္ဆန္တိ သိက္ခာပဒ

၇၂။ ၎်န ဥပထေန ဂစ္ဆန္တိ ပထေန ဂစ္ဆန္တဿ အဂ္ဂိ-  
လာနဿ ဓမ္မံ ဒေသေဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဌိတာ ဥစ္စာရ သိက္ခာပဒ

၇၃။ ၎်န ဌိတာ အဂ္ဂိလာနာ ဥစ္စာရံ ဝါ ပဿာဝံ ဝါ  
ကရိဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဟရိတေ ဥစ္စာရ သိက္ခာပဒ

၇၄။ ၎်န ဟရိတေ အဂ္ဂိလာနာ ဥစ္စာရံ ဝါ ပဿာဝံ  
ဝါ ဓေဋ္ဌံ ဝါ ကရိဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ဥဒကေ ဥစ္စာရ သိက္ခာပဒ

၇၅။ ၎်န ဥဒကေ အဂ္ဂိလာနာ ဥစ္စာရံ ဝါ ပဿာဝံ  
ဝါ ဓေဋ္ဌံ ဝါ ကရိဿာဗီတိ သိက္ခာ ကရဏီယာ။

ပါဒုကဝဂ္ဂေါ သတ္တမော။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါ အယျာယော သေဝိယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထာ'  
ယျာယော ပုစ္ဆာမိ၊ ကမ္မိတ္ထ ပရိသုဋ္ဌါ၊ ဒုတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊  
ကမ္မိတ္ထ ပရိသုဋ္ဌါ၊ တတိယမ္ပိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကမ္မိတ္ထ ပရိသုဋ္ဌါ၊  
ပရိသုဋ္ဌေတ္တာ'ယျာယော၊ တသ္မာ တုဏှိ ဧဝမေထံ  
ဓာရယာမိတိ။

သေဝိယာ နိဋ္ဌိတာ။

## အဓိကရုဏသမထ

ဣမေ ခေါ ပနာယျာယော သတ္တ အဓိကရုဏသမထာ<sup>၁</sup>  
ဓမ္မာ ဥဗ္ဗေသံ အာဂစ္ဆန္တိ။

ဥပ္ပန္နုပ္ပန္နာနံ အဓိကရုဏာနံ သမထာယ ဝူပသမာယ  
သမ္ပုခါဝိနယော ဒါတဗ္ဗော၊  
သတိဝိနယော ဒါတဗ္ဗော၊  
အမုဠဝိနယော ဒါတဗ္ဗော၊  
ပဋိညာယ ကာရေတဗ္ဗံ၊  
ယေဘုယျသိကာ၊  
တဿပပါယသိကာ၊  
တိဏဝတ္ထာရကောတိ။

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ခေါ အယျာယော သတ္တ အဓိကရုဏသမထာ  
ဓမ္မာ။ တတ္ထာ'ယျာယော ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ ဒုတိယဗ္ဗိ  
ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ ပရိသုဒ္ဓါ၊ တတိယဗ္ဗိ ပုစ္ဆာမိ၊ ကစ္စိတ္ထ  
ပရိသုဒ္ဓါ၊ ပရိသုဒ္ဓေတ္ထာ'ယျာယော၊ တသ္မာ တုဏှိ၊ ဧဝမေတံ  
ဓာရယာမိတိ<sup>၂</sup>။

အဓိကရုဏသမထာ နိဋ္ဌိတာ။

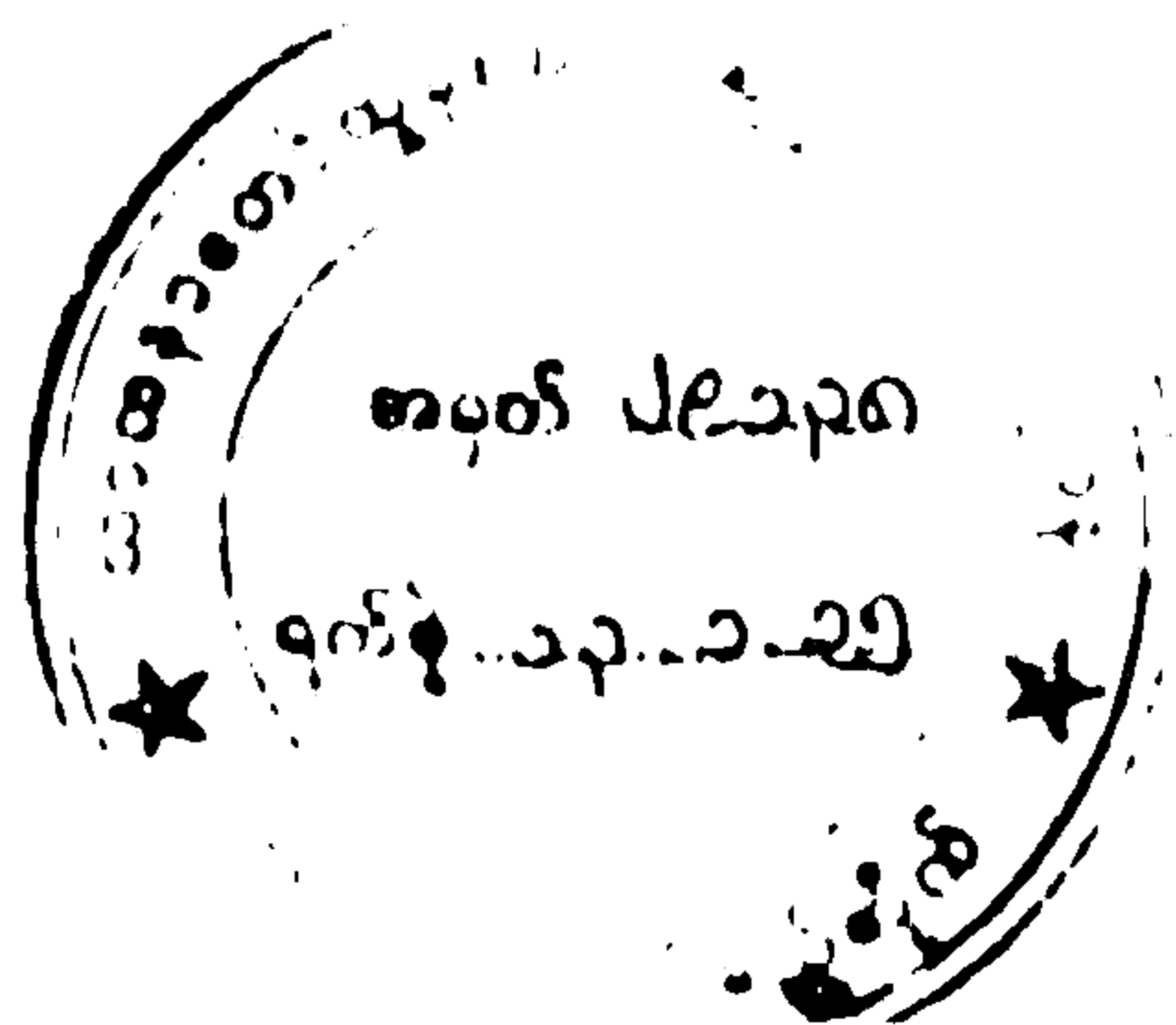
ဥဒ္ဓိဋ္ဌံ ခေါ အယျာယော နိဒါနံ၊  
ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ အဋ္ဌ ပါရာဇိကာ ဓမ္မာ၊  
ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ သတ္တရသ သံဃာဒိသေသာ ဓမ္မာ၊

ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ တိဿ နိဿဂ္ဂိယာ ပါစိတ္တိယာ ဓမ္မာ၊  
ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ ဆသဋ္ဌိသတာ ပါစိတ္တိယာ ဓမ္မာ၊  
ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ အဋ္ဌ ပါရိဒေသနိယာ ဓမ္မာ၊  
ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ သေဝိယာ ဓမ္မာ၊  
ဥဒ္ဓိဋ္ဌာ သတ္တ အဓိကရုဏာသမထာ ဓမ္မာ၊

•တ္တကံ တဿ ဘဂဝတော သုတ္တာဂတံ သုတ္တပရိယာပနံ  
အနုဗ္ဗမာသံ ဥဒ္ဓေသံ အာဂစ္ဆတိ၊ တတ္ထ သဗ္ဗာဟေဝ  
သမဂ္ဂါတိ သမ္မောဒမာနာဟိ အဝိဝဒမာနာဟိ သိက္ခိတဗ္ဗန္တိ၊

ဘိက္ခုနီ ပါဘိမောက္ခံ နိဇ္ဈိတံ၊

.....



ဇ.မ.သ.စာရင်း/၂၂.၁.၂၀၁၄ (၅၀၀) ဆစ်သို အုပ်စု

